जबलपुर सोमवार 05 अक्टूबर 2026 > भाद्रपद शुक्ल पक्ष, दशमी
वर्ष 32 अंक 98 मूल्य₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96
www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

कतर को सौंपी गई एशियन गेम्स 2030 की मेजबानी

सोना कम हुआ लेकिन भारत की चमक बरकरार रही

आइची नागोया

आइची-नागोया में 16 दिन तक चले एशियाई खेलों का रविवार को अधिकारिक रूप से समापन हो गया। भारतीय दल की महिला ध्वजवाहक निशानेबाज नीरू ढांडा तिरंगा लेकर समारोह में पहुंचीं। नीरू हाथ में तिरंगा लेकर पूरे उत्साह के साथ उसे लहराती दिखीं। उनके चेहरे पर खुशी साफ नजर आई। नीरू के लिए यह एशियाड बेहद यादगार रहा। उन्होंने दो स्वर्ण और एक रजत पदक अपने नाम किया। नीरू ने अपने तीसरे पदक के रूप में किनान चेनाई के साथ ट्रैप मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद वह भारत लौट गई थीं, लेकिन शनिवार सुबह समापन समारोह के लिए दोबारा नागोया पहुंचीं। ध्वजवाहक के बाद एथलीट क्लोजिंग सेरेमनी में पहुंचे। इन सभी सितारों ने दो हफ्तों तक शानदार प्रदर्शन किया और अब वे अपनी उपलब्धियों पर गर्व के साथ नागोया से विदा लेते दिखे। भारतीय दल भी एशियाई खेलों की क्लोजिंग सेरेमनी में पहुंचा और अब मुख्य मंच पर ध्वजवाहक नीरू ढांडा के साथ शामिल हुआ। भारतीय दल भी अपने प्रदर्शन से काफी खुश दिखा। भारतीय महिला हॉकी टीम भी रविवार को भारत लौट आई। भारत ने शनिवार को पुरुष हॉकी फाइनल में मलयेशिया को 5-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इस जीत के साथ भारत के कुल पदकों की संख्या 85 हो गई, जिसमें 21 स्वर्ण शामिल रहे। भारत ने 27

रजत और 37 कांस्य पदक भी जीते। इस प्रदर्शन के साथ भारतीय दल पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा और लगातार एक और एशियाई खेलों में शीर्ष पांच में जगह बनाई। हालांकि, भारत का यह प्रदर्शन 2022 के हांगझोउ एशियाई खेलों से पीछे रहा था। हांगझोउ में भारत ने रिकॉर्ड 106 पदक जीते थे, जिसमें 28 स्वर्ण शामिल थे। यानी इस बार भारत के खाते में कुल पदक 21 कम और स्वर्ण सात कम रहे।

दो दिनों में बदली भारत की तस्वीर

भारत का अभियान उतार-चढ़ाव से भरा रहा। गुरुवार तक भारत के खाते में सिर्फ 10 स्वर्ण पदक थे और टीम पदक तालिका में शीर्ष 10 से भी बाहर थी। लेकिन आखिरी दो दिनों में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार वापसी की। हॉकी और क्रिकेट में स्वर्ण पदक आए, जबकि तीरंदाजी, मुक्केबाजी और कुश्ती ने भी पदकों की संख्या बढ़ाई। अंतिम दो दिनों में भारत ने 11 और स्वर्ण पदक जीते। इस जोरदार वापसी ने भारत को फिर शीर्ष पांच में पहुंचाया और अभियान का अंत चौथे स्थान के साथ हुआ।

दोहा को सौंपी गई मेजबानी की कमान

आइची-नागोया एशियाई खेलों के समापन समारोह के दौरान अगले एशियाई खेलों के मेजबान को भी आधिकारिक तौर पर कमान सौंपी गई। समापन समारोह के आखिर में कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान बिन जसीम अल थान को झंडा और मशाल सौंपी गई। इसके साथ ही कतर का राष्ट्रीय ध्वड फहराया गया। एशियाई खेलों का अगला संस्करण 2030 में दोहा, कतर में आयोजित होगा। समारोह में आइची-नागोया से दोहा को एशियाई खेलों की मेजबानी की जिम्मेदारी सौंपी गई।

ज्ञानेश कुमार बीजेपी का हथियार: उद्धव

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ विपक्ष ने निकाला विरोध मार्च

मुंबई

महाराष्ट्र में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ रविवार को मुंबई में विपक्ष ने विरोध मार्च निकाला। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे ने इस मार्च का नेतृत्व किया। उद्धव ठाकरे ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बीजेपी का हथियार बताया, जबकि राज ठाकरे ने महाराष्ट्र में एसआईआर रद्द करने और भविष्य के चुनाव बैलेट पेपर से कराने की मांग की। 'विराट गर्जना मोर्चा' नाम से निकाला गया यह मार्च दक्षिण मुंबई के मेट्रो सिनेमा से शुरू हुआ और बृहन्मुंबई महानगरपालिका

मुख्यालय तक पहुंचा। प्रदर्शनकारी एसआईआर में कथित गड़बड़ियों को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने या उनके इस्तीफे की मांग कर रहे थे। इस मार्च में किसी भी राजनीतिक दल के झंडे की अनुमति नहीं थी। इसमें शामिल नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों से केवल तिरंगा लेकर आने को कहा गया था। उद्धव ठाकरे ने कहा कि जिस तरह कभी 'इंडिया अगेंस्ट करप्शन' का नारा पूरे देश में पहुंचा था, उसी तरह अब 'इंडिया अगेंस्ट वोट चोरी' नया नारा है। उद्धव ठाकरे ने आरोप लगाया कि मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाए जा रहे हैं। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर कहा, ज्ञानेश कुमार इनका हथियार हैं। ठाकरे बंधुओं के नेतृत्व में निकाले गए मार्च में कांग्रेस नेता बालासाहेब थोराट और विजय वडेट्टीवार भी शामिल हुए। इसके अलावा शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) के जयंत पाटिल, शशिकांत शिंदे, जितेंद्र आव्हाड और अनिल देशमुख ने भी मार्च में हिस्सा लिया।

मैंने सोनिया जी से कहा था, वोट चोरी हो रही: राज ठाकरे

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे ने चुनाव आयोग को लेकर कई तरह के सवाल उठाए साथ ही अपनी दो प्रमुख मांगें भी रखीं। राज ठाकरे ने कहा कि अब तक जो स्ढ्क्रहुआ है, उसे कैंसिल किया जाए और दूसरी मांग है कि, अब बैलेट पेपर से वोटिंग होनी चाहिए। ठाकरे ने सवाल किया कि लोकसभा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बीच करीब छह महीने में मतदाताओं की संख्या में इतनी बड़ी बढ़ोतरी कैसे हुई? राज ठाकरे ने कहा कि देश में सत्ता में कौन बैठेगा, इसका फैसला जनता को करना चाहिए, चुनाव आयोग को नहीं। राज ठाकरे ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर तंज कसते हुए कहा, ज्ञानेश कुमार का चेहरा लगाकर घूम रहे हैं, अच्छा चेहरा लगाइए। राज ठाकरे ने कहा कि वह कई साल से चुनाव प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि 2018-19 में ही उन्होंने वोटों की चोरी का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा, हमें वोट चोरी के खिलाफ कदम उठाना चाहिए। मैंने उस समय भी सोनिया गांधी से कहा था और चुनाव का बहिष्कार करने की अपील की थी। 2018-19 में ही मैंने कहा था कि वोटों की चोरी हो रही है, क्योंकि इस तरह मतदान हो ही नहीं सकता।

पार्टी से लेकर मतदाता तक चुराने का आरोप

उद्धव ठाकरे ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा, आपने राम मंदिर की तिजोरी भी चुरा ली। पार्टी चुराने वाले षंढ हैं आप। करोड़ों मतदाताओं को चुरा लिया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी तीखा हमला बोला। उद्धव ठाकरे ने एसआईआर के पीछे बांग्लादेशी नागरिकों के नाम मतदाता सूची से हटाने के तर्क पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा, सर, आपने कहा था कि यह बांग्लादेशी नागरिकों के लिए है। दो करोड़ मतदाताओं को निकाल दिया। देश की सीमाएं आपके हाथ में हैं। ये बांग्लादेशी यहां आए ही कैसे? उद्धव ठाकरे ने सवाल किया कि अगर देश में अवैध रूप से बांग्लादेशी नागरिक आए हैं तो इसके लिए जिम्मेदारी किसकी है, क्योंकि देश की सीमाओं की सुरक्षा केंद्र सरकार के हाथ में है।

मंदिरों पर हमले बर्दाश्त नहीं: शुभेंदु

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा है कि 6 महीने में लव जिहाद और लैंड जिहाद के खिलाफ सख्त कानून लाए जाएंगे। साथ ही राज्य में उत्तराखंड और गुजरात की तरह समान नागरिक संहिता लागू की जाएगी। कोलकाता में विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अध्यक्ष अशोक सिंघल की जन्मशताब्दी समारोह के दौरान कही। अधिकारी ने कहा कि बीजेपी सरकार संविधान के अनुसार काम करेगी, लेकिन भारतीय संस्कृति, परंपरा और पूजा स्थलों पर हमले बर्दाश्त नहीं करेगी। पश्चिम बंगाल सरकार ने समान नागरिक संहिता का मसौदा तैयार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट की पूर्व जज जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में हाईलेवल कमेटी बनाई है।

पाकिस्तानी एजेंट के हनीट्रैप में फंसा नेवी जवान

कोयंबटूर। आंध्र प्रदेश पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस सेल ने इंडियन नेवी के जवान प्रदीप मुखर्जी को कोयंबटूर से गिरफ्तार किया है। उस पर पाकिस्तानी महिला खुफिया एजेंट को डिफेंस की सेंसिटिव जानकारी देने का आरोप है। रिपोर्ट के मुताबिक, एजेंट ने जवान को हनीट्रैप में फंसाया था। प्रदीप कोयंबटूर के रेड फील्ड्स स्थित इंडियन नेवल शिप अग्रणी में मैनेजमेंट डेवलपमेंट कोर्स कर रहे थे। कुछ महीने पहले महिला एजेंट ने सोशल मीडिया के जरिए प्रदीप से संपर्क किया था। उसने धीरे-धीरे उनसे दोस्ती बढ़ाई और विशाखापट्टनम नेवल बेस से जुड़ी जानकारी ली।

भाजपा ने दो राज्यसभा उम्मीदवार घोषित किए

नई दिल्ली (वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल में होने वाले राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव के लिए अपने दो उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिये। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने बताया कि दिनेश आर्य और श्रीमती रुक्मिणी मल्लिक (श्रीमती कोयल मल्लिक) के नाम की स्वीकृति प्रदान की है। उन्होंने बताया कि पार्टी ने दिनेश आर्य को उत्तराखंड से राज्यसभा का प्रत्याशी बनाया है। वहीं श्रीमती रुक्मिणी मल्लिक (श्रीमती कोयल मल्लिक) को पश्चिम बंगाल से राज्यसभा की उम्मीदवार बनाया गया है। इन सीटों पर 16 अक्टूबर को मतदान होगा।

मंडला में बनेगा टाइगर सफारी जू और रेस्क्यू सेंटर: डॉ.यादव

मण्डला (स्वतंत्रमत)। मंडला में आयोजित तेंदूपत्ता संग्राहकों को बोनस राशि वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मंडला के महत्व को और अधिक व्यापक रूप से सामने लाने के लिए वे आने वाले समय में मंडला से जुड़े और भी महत्वपूर्ण एवं गौरवपूर्ण बिंदुओं को सामने रखेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके की मांग पर मंडला में टाइगर सफारी-जू स्थापित करने की महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने कहा कि मंडला आने वाले पर्यटक यदि सफारी के दौरान बाघ का दीदार नहीं कर पाते हैं तो जू के माध्यम से उन्हें बाघ सहित वन्यजीवों को देखने का अवसर मिलेगा। इसके साथ ही यहां वन्यजीव रेस्क्यू सेंटर भी स्थापित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने घुघरी एवं मोहगांव में महाविद्यालय प्रारंभ करने की घोषणा करते हुए क्षेत्र में उच्च शिक्षा के अवसर बढ़ाने की बात कही। उन्होंने एमएसएमई के माध्यम से चार-चिरोंजी जैसे लघु वनोपज की प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने की घोषणा भी की जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार और लघु उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंडला में स्वास्थ्य क्षेत्र में विस्तार हेतु मेडिकल कॉलेज का निर्माण हो रहा है तथा क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉक के लिए 16.63 करोड़ की स्वीकृति का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं से जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंडला जिले में पान की खेती को विकसित किया जायेगा। (पेज 5 भी देखें)

मुख्यमंत्री ने घुघरी और मोहगाँव को दी महाविद्यालय की सौगात

महिला पत्रकारों से बदसलूकी करने वालों पर कार्रवाई हो: प्रियंका

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने यहां जंतर-मंतर पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जारी आंदोलन की रिपोर्टिंग के दौरान महिला पत्रकारों द्वारा पुलिसकर्मियों पर उत्पीड़न के आरोप लगाए जाने के मामले की जांच कर दूसरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। श्रीमती वाड्रा ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि कई पत्रकारों के प्रदर्शन के बावजूद न प्राथमिकी दर्ज की गई और न ही कोई ठोस कार्रवाई हुई। शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने भी पुलिस पर अभद्रता करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, जिस पुलिस का

काम सुरक्षा देना है, उससे ही महिलाएं खतरा महसूस कर रही हैं। कॉलेज की छात्राओं से लेकर पत्रकार तक, हर जगह महिलाएं असुरक्षा का सामना कर रही हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से सवाल किया कि क्या महिलाओं के साथ इस तरह का बर्ताव उचित है और अगर नहीं तो वे इसका संज्ञान क्यों नहीं लेते। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी शनिवार शाम इस घटना पर कहा था कि जंतर-मंतर पर एक महिला पत्रकार ने पुलिस अधिकारी पर बदसलूकी का आरोप लगाया है और घंटों से सैकड़ों पत्रकार प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग को लेकर बैठे हैं लेकिन प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई। जंतर-मंतर पर सैकड़ों लोगों को हिरासत में लिया गया और महिला प्रदर्शनकारियों के साथ बदसलूकी, पत्रकारों को घसीटने तथा कैमरे छीने जाने के आरोप हैं।

बिहार में बाढ़ त्रासदी का स्थाई समाधान हो : राहुल

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बिहार में बाढ़ से प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा है कि यह अब सालाना त्रासदी बन चुकी है और इसके स्थायी समाधान की दिशा में जरूरी उपाय करने अब आवश्यक हो गए हैं। श्री गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि बिहार में बाढ़ फिर कहर बनकर टूटी है और लाखों लोग प्रभावित हैं तथा सैकड़ों गांव डूबे हुए हैं। कई लोगों की मौत हो गयी और कई के लापता होने की खबर है। जिन परिवारों

ने अपनों को खोया है, उनके प्रति उन्होंने गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि सबसे दुखद बात यह है कि बिहार में यह संकट नया नहीं है। हर साल बाढ़ आती है, मौतें होती हैं, परिवार उजड़ते हैं और लोग पलायन करते हैं। उन्होंने भाजपा की डबल इंजन सरकार से पूछा कि पिछले 17 वर्षों में इस सालाना त्रासदी से निपटने के लिए क्या किया गया और जमीन पर क्या बदला है। श्री गांधी ने कहा कि बिहार के लोगों को हर साल राहत और आश्वासन नहीं, बल्कि स्थायी समाधान चाहिए।

अमेरिका-चीन में प्रतिस्पर्धा के दौर में दुनिया को चुनना होगा बीच का रास्ता: एस जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा के दौर में दुनिया के देशों को संतुलन बनाकर चलना होगा। म्यूनिख लीडर्स मीटिंग में उन्होंने कहा कि उभरती और मध्यम ताकतों को किसी एक खेमे के साथ पूरी तरह जुड़ने के बजाय अपने हितों के हिसाब से फैसले लेने चाहिए। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि मौजूदा वैश्विक हालात में दो बड़े बदलाव दिखाई दे रहे हैं।

पहला, अमेरिका की रणनीति में बड़ा बदलाव आया है। अमेरिका एक तरह से जानबूझकर अकेले चलने वाली ताकत बन गया है। दूसरा बदलाव चीन का बढ़ता प्रभाव है। उन्होंने कहा कि इन दोनों देशों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा चल रही है। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि देशों के बीच बढ़ती निर्भरता के दौर में आर्थिक ताकत का इस्तेमाल भी प्रभाव बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि किसी सौदे में किसके पास ज्यादा ताकत होती है? सामान बेचने वाले के पास, खरीदने वाले के पास या उस देश के पास जो उत्पादन और बाजार पर ज्यादा नियंत्रण रखता है? उन्होंने कहा कि जिस देश की अलग-अलग क्षेत्रों में पकड़ मजबूत होगी और जो अपने हितों को लेकर ज्यादा प्रतिबद्ध होगा, वह अपनी ताकत का बेहतर इस्तेमाल कर सकेगा। अमेरिका और चीन के बीच प्रतिस्पर्धा का जिक्र करते हुए जयशंकर ने 'गोल्डीलॉक्स स्थिति' की बात कही। उन्होंने कहा, आप नहीं चाहते कि हालात बहुत ज्यादा गर्म हों, आप यह भी नहीं चाहते कि वे बहुत अच्छे हों।

दिग्विजय करेंगे अयोध्या तक 1000 किमी पदयात्रा

बोले- राम मंदिर के चंदे से भाजपा-आरएसएस दफ्तर बने

भोपाल (स्वतंत्र मत)

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह 20 अक्टूबर से महाकाल मंदिर, उज्जैन से अयोध्या तक करीब 1000 किलोमीटर की 'सत्य सनातन स्वाभिमान पदयात्रा' करेंगे। उन्होंने कहा- यह यात्रा धर्म के नाम पर धन कमाने और उसे राजनीतिक हथियार बनाने वालों के खिलाफ है। दिग्विजय ने कहा- आरएसएस और सावरकर ने सनातन धर्म को हिंदुत्व के नाम पर बिगाड़ दिया। राम मंदिर के चंदे का पैसा भाजपा-आरएसएस के दफ्तर बनाने और चुनाव में लगाया गया। उन्होंने मंदिर के चढ़ावे में 200-300 करोड़ रुपए की हेराफेरी का भी दावा किया। 80 साल की उम्र में इतनी लंबी यात्रा के सवाल पर दिग्विजय ने कहा- उम्र कोई बात नहीं है। अंग्रेजी में कहावत है- 'ए मैन इज एज ओल्ड एज ही फील्स।' अगर मैं खुद को 50 साल का महसूस करता हूं, तो किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। दिग्विजय सिंह ने सनातन धर्म की बात करते हुए महात्मा गांधी का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि गांधी सनातन धर्म और सनातनी परंपराओं का सम्मान करते थे। उनके लिए 'रघुपति राघव राजा राम, सबको सन्मति दे भगवान, ईश्वर-अल्लाह तेरो नाम' ही सनातन की भावना थी। उन्होंने कहा कि गांधी ने गरीब और दबे-कुचले लोगों के लिए काम किया और हिंदू-मुस्लिम

एकता की बात की। भारत सबका है और अनेकता में एकता ही हमारी ताकत है। दिग्विजय सिंह ने राम मंदिर से जुड़े चंदे, मंदिर निर्माण और चढ़ावे को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मंदिर बनाने के लिए जुटाए गए चंदे में गड़बड़ी हुई। इसके बाद निर्माण में भी गड़बड़ी हुई और अब रामलला को मिलने वाले चढ़ावे में भी हेराफेरी की जा रही है। उन्होंने राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय का जिक्र करते हुए कहा कि वे सक्रिय आरएसएस कार्यकर्ता हैं। सनातनी परंपराओं से उनका कोई लेना-देना नहीं है। दिग्विजय ने कहा कि विहिप के जरिए आने वाला चढ़ावे का पैसा आरएसएस को चुनावी चंदे और भाजपा-आरएसएस के बड़े भवन बनाने में इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा, इसके खिलाफ मैं लड़ाई लड़ूंगा। दिग्विजय ने 1989 के रामशिला पूजन अभियान का भी जिक्र किया। उन्होंने विहिप से उस समय जुटाए गए पैसे और चांदी की ईंटों का हिसाब मांगा। उन्होंने कहा कि उनके मुताबिक 1400 करोड़ रुपए जुटाए गए थे, जबकि विहिप 8.25 करोड़ रुपए मिलने की बात कहती है। उन्होंने सवाल किया कि पूरे पैसे का हिसाब क्यों नहीं दिया गया और चांदी की ईंटें कहां गईं।

'शिवधाम से रामधाम' की यात्रा

दिग्विजय सिंह ने बताया कि यात्रा महाकाल के आशीर्वाद के बाद उज्जैन से शुरू होगी। इस दौरान पार्थिव शिवलिंग बनाए जाएंगे। यात्रा ओरछा में राम राजा के दर्शन करते हुए अयोध्या पहुंचेगी और रामलला मंदिर में खत्म होगी। उन्होंने कहा कि वे महाकाल से धर्म के नाम पर हो रही लूट और आस्था से छेड़छाड़ रोकने की ताकत मांगेंगे। अयोध्या में श्रद्धालुओं की आस्था की रक्षा के लिए प्रार्थना करेंगे। उन्होंने इस यात्रा को 'शिवधाम से रामधाम' की यात्रा बताया है। उन्होंने कहा कि यात्रा में हर वर्ग, संप्रदाय और विचारधारा के लोग शामिल हो सकते हैं। यह यात्रा राजनीतिक नहीं है।

बुढार में दशहरा उत्सव समिति की बैठक सम्पन्न

दशहरा अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह एवं रावण निर्माण अध्यक्ष अमित सिंघानिया सर्वसम्मति से चुने गये

बुढार (स्वतंत्र मत)

स्वर्गीय कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम बुढार में दशहरा उत्सव पूरे भव्यता के साथ मनाये जानें नगर दशहरा उत्सव समिति बुढार की बैठक श्रृजाश्री माल में शनिवार को आयोजित की गई जिसमें उत्सव से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विचार विमर्श किये जानें के उपरान्त दशहरा अध्यक्ष, आतिशबाजी अध्यक्ष, रावण अध्यक्ष का निर्णय लिया गया और उत्साहियों के नामों की सहर्ष घोषणा की गई। राष्ट्रपति पुरस्कृत शिक्षक शिवेन्द्र कुमार द्विवेदी के आतिथ्य में तथा नगर परिषद अध्यक्ष शालिनी सरावगी की अध्यक्षता व पार्षदों तथा गणमान्य नागरिकों के आतिथ्य में बैठक आयोजित की गई। बुढार नगर में धर्म प्रेमियों व समाज सेवियों के स्तुत्य प्रयास से अड़तालिस वर्ष पूर्व दशहरा उत्सव छोटे स्वरूप से प्रारंभ हुआ जो यह उत्सव ऐतिहासिक स्वरूप धारण कर चुका है और उत्सव को सम्पन्न करानें समिति द्वारा लिये जानें वाले निर्णय के अनुरूप दशहरा उत्सव के चुने गये पदाधिकारी अपने सहयोगियों के साथ पूरे समर्पण भावना से जुटकर उत्सव को भव्यता अर्जित कराते हैं, और दशहरा उत्सव को देखनें बुढार से लगे विभिन्न ग्रामों के नागरिक आते हैं जिससे दशहरा उत्सव नगर में अपनी एक अलग पहचान कायम कर चुकी है। दशहरा उत्सव समिति की आहूत बैठक में पधारे सभी का तिलक वंदन कर स्वागत किया गया और नगर परिषद अध्यक्ष शालिनी सरावगी ने उपस्थित जनों का स्वागत करते हुये दशहरा उत्सव से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार पूर्वक चर्चायें की जिस पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। दशहरा उत्सव सत्र 2026 के अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह (जित्तू) को आहूत बैठक में सर्वसम्मति से लिये गये निर्णय पर चुना गया, वहीं महिला दशहरा अध्यक्ष चेतना दीक्षित, रावण निर्माण अध्यक्ष अमित सिंघानिया, आतिशबाजी अध्यक्ष प्रिन्स नेचलानी को चुना गया, वहीं कन्या भोज अध्यक्ष गीता प्रजापति, श्रीराम दरबार झांकी के संयोजक का दायित्व दौलत मनवानी तथा श्रीकृष्ण गुप्ता को लिये गये निर्णय अनुरूप नियुक्त किया गया, जिसका करतल ध्वनि व पुष्पहार से स्वागत किया गया। बैठक में विशिष्ट रूप से - पुष्पेन्द्र ताम्रकार, दौलत मनवानी, राजकुमार सरावगी, रविकान्त चौरसिया, विक्रम बारी, सुजीत सिंह चंदेल, राकेश पाण्डेय, रवि कुमार रजक, पार्षद श्रीमती सविता सिंह, सुमित्रा नामदेव, जूली जैन, रश्मि सिंह, अरविन्द नायक, राकेश पांडेय, दशहरा समिति के पूर्व अध्यक्ष सोनू आहूजा, उपयंत्री सी.पी. पाण्डेय, पार्षद हर्ष पाठक, मोहन बैगा, मो. शाहिद, अशोक वैश्य, अजय सिंह की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। इस अवसर पर राष्ट्रपति पुरस्कृत शिक्षक शिवेन्द्र कुमार द्विवेदी ने कहाकि- दशहरा पर्व युवा उत्साहियों के भरपूर सहभागिता से गत वर्षों की भांति इस पर्व भी पूरे भव्यता से मनेगा क्योंकि पर्व को लेकर उनमें व्यापक उत्साह सदैव रहा है। नगर परिषद अध्यक्ष शालिनी सरावगी ने कहाकि- बुढार नगर का दशहरा उत्सव सभी की सहभागिता से भव्यता की ओर निरंतर अग्रसर है और उत्सव के अध्यक्ष अपनी पूरी टीम के साथ जुटेंगे। आहूत बैठक में - सुधाकर शर्मा, चन्द्रभान गुप्ता, योगेन्द्र सिंह, काजल सरावगी, आशुतोष तिवारी, राधिका तिवारी, संजय द्विवेदी, अभय शुक्ला, आमिर सिद्दीकी, पुष्पराज, सन्तोष प्रजापति, संजय नैनानी सहित नगर के प्रतिष्ठित जनों की रही उपस्थिति

शासकीय योजनाएं लोगों की बदल रही जिंदगी : विधायक

शहडोल (स्वतंत्र मत)

विधायक मनीषा सिंह ने सेवा सेतु अभियान के तहत कलेक्ट्रेट परिसर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा स्टॉलों पर मौजूद अधिकारियों-कर्मचारियों से योजनाओं के क्रियान्वयन एवं पात्र हितग्राहियों को मिल रहे लाभ की जानकारी ली। इस अवसर पर विधायक मनीषा सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में अनेक जनहितकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए लगातार अभियान संचालित किए जा रहे हैं। इन अभियानों के माध्यम से जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी आमजन के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ले रहे हैं।उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाएं लोगों की जिंदगी बदल रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्र लोगों को पक्के आवास उपलब्ध कराए गए हैं। वहीं छोटे-छोटे व्यापारियों को स्ट्रीट वेंडर योजना का लाभ देकर उन्हें सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया जा रहा है। विधायक ने कहा कि सेवा सेतु अभियान के तहत आयोजित शिविरों में आमजन पहुंचकर शासन की योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें और अपनी समस्याओं का यथासंभव निराकरण कराएं। शिविर में आजीविका मिशन, उद्योग विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे, जहां नागरिकों को विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर मुख्य नगरपालिका अधिकारी आशा भंडारी, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनंद राय सिंहा, एलडीएम अमित चौरसिया, पार्षद सिल्लू रजक, राकेश सोनी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

बस स्टैंड पर एमबीबीएस विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक से दिया नशामुक्ति का संदेश

शहडोल (स्वतंत्र मत)

नशामुक्ति एवं जनजागरूकता के उद्देश्य से बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय शहडोल के एमबीबीएस विद्यार्थियों द्वारा शहडोल बस स्टैंड परिसर में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने प्रभावी प्रस्तुति के माध्यम से आमजन को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए नशे से दूर रहने का संदेश दिया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने बताया कि नशे की लत व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ उसके परिवार और सामाजिक जीवन को भी प्रभावित करती है। विद्यार्थियों ने युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया।

आमजन ने देखा नुक्कड़ नाटक- बस स्टैंड परिसर में आयोजित नुक्कड़ नाटक को यात्रियों एवं आम नागरिकों ने रुचि के साथ देखा। विद्यार्थियों ने संवाद, अभिनय एवं संदेशों के माध्यम से नशामुक्त समाज के निर्माण में प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका को रेखांकित किया। इस अवसर पर लोगों को नशे के सेवन से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी नुकसान के प्रति जागरूक करते हुए नशे की आदत से बचने तथा अन्य लोगों को भी नशामुक्ति के लिए प्रेरित करने का संदेश दिया गया। बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के एमबीबीएस विद्यार्थियों की यह पहल नशामुक्ति के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाने तथा स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास रहा।

सीईओ जिला पंचायत एवं पुलिस अधीक्षक ने गौशाला का किया निरीक्षण

शहडोल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति एवं पुलिस अधीक्षक संजय कुमार अग्रवाल ने जनपद पंचायत ब्यौहारी के ग्राम बोडिड्या में संचालित गौशाला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत ने गौशाला संचालक से चारागाह हेतु आरक्षित भूमि, गौकाष्ठ, जैविक खाद, पानी की उपलब्धता, गौशाला में गौवंषो की संख्या सहित अन्य जानकारी प्राप्त की। सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि गौषाला में बायोगैस बनाया जाए एवं गोबर से अगरबत्ती बनाने का कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि गौषाला में रेन वाटर हार्वेस्टिंग भी लगवाएं। गौषाला संचालक ने सीईओ जिला पंचायत को अवगत कराया कि गोबर से कंडे बनाने का कार्य किया जा रहा है एवं रिक्त पड़ी भूमि पर जैविक खाद का उपयोग कर खेती की जा रही है जिससे लगभग सलाना 30 से 35 हजार रूपये की आय अर्जित हो जाती है। सीईओ जिला पंचायत एवं पुलिस अधीक्षक ने गौशाला के बेहतर संचालन एवं वहां की व्यवस्थाओ की सराहना भी की। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व काजोल सिंह, तहसीलदार गलेक्सी नागपुरे, डिप्टी कलेक्टर भागीरथी लहरे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

मद्य निषेध सप्ताह के तहत बीएसडब्ल्यू और एमएसडब्ल्यू विद्यार्थियों को नशामुक्ति का संदेश

उमरिया (स्वतंत्र मत)

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, मध्यप्रदेश के मार्गदर्शन एवं शुभम समाजसेवी संस्थान, जिला उमरिया के सहयोग से मद्य निषेध सप्ताह अभियान के अंतर्गत जन अभियान परिषद द्वारा संचालित बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं के लिए नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए उन्हें स्वयं नशे से दूर रहने तथा समाज में नशामुक्ति का संदेश प्रसारित करने के लिए प्रेरित करना रहा।कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को नशाबंदी एवं नशामुक्ति से संबंधित साहित्य, पोस्टर एवं पंपलेट वितरित किए गए। इनके माध्यम से विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, आर्थिक एवं सामाजिक नुकसान की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि नशे की लत न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, बल्कि इसका सीधा असर परिवार की आर्थिक स्थिति,

सामाजिक प्रतिष्ठा तथा पारिवारिक संबंधों पर भी पड़ता है। कार्यक्रम के दौरान नशामुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की भूमिका विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी में विद्यार्थियों के साथ नशे की बढ़ती प्रवृत्ति, इसके कारण और उससे बचाव के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि युवा किसी भी समाज की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं। यदि युवा नशे जैसी बुराइयों से स्वयं को दूर रखते हुए अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करें तो नशामुक्त समाज के निर्माण की दिशा में प्रभावी परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। विद्यार्थियों को समझाया गया कि नशे की शुरुआत अक्सर शौक, साथियों के दबाव अथवा जिज्ञासा के कारण होती है, लेकिन धीरे-धीरे यह गंभीर लत का रूप ले सकती है। इससे व्यक्ति की शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और पारिवारिक जीवन प्रभावित होता है। इसलिए युवाओं को नशे से दूर रहने के साथ-साथ अपने मित्रों एवं साथियों को भी नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता है। अभियान के अंतर्गत छात्र-छात्राओं को ऑनलाइन लिंक के माध्यम से म-च्समकहम भी दिलाई गई। इस दौरान विद्यार्थियों ने नशे से दूर रहने, नशे के दुष्परिणामों के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी को नशे की गिरफ्त से बचाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। विद्यार्थियों ने अपने परिवार, मित्रों एवं आसपास के लोगों को नशे से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक करने तथा नशामुक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

8 वर्षीय बालिका से घरेलू कार्य कराने एवं मारपीट कर प्रताड़ित करने के मामले में महिला के विरुद्ध प्रकरण दर्ज

शहडोल (स्वतंत्र मत)

30 सितम्बर को पाण्डवनगर, शहडोल से डायल-112 के माध्यम से थाना कोतवाली शहडोल पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि पड़ोस में रहने वाली एक 08 वर्षीय बालिका भागकर सूचनाकर्ता के घर आई है। बालिका ने पड़ोस में रहने वाली महिला द्वारा उसके साथ मारपीट एवं प्रताड़ित किए जाने की बात बताई। बालिका अत्यधिक डरी हुई थी तथा समझाने के बावजूद संबंधित महिला के घर जाने के लिए तैयार नहीं थी। सूचना प्राप्त होते ही थाना कोतवाली शहडोल पुलिस द्वारा तत्काल बालिका को संरक्षण में लिया गया तथा उसका स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। बालिका को प्रारंभिक रूप से बाल कल्याण समिति के संरक्षण में बाल शिशु गृह, शहडोल में सुरक्षित रखवाया गया। इसके पश्चात पुलिस द्वारा घटना की विस्तृत जांच की गई। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि अनावेदक महिला द्वारा बालिका से उसकी क्षमता से अधिक घरेलू कार्य कराया जाता था। कार्य पूरा नहीं कर पाने पर उसके साथ मारपीट की जाती थी। पूर्व में गर्म चिमटे से चोट पहुंचाने तथा किसी को घटना के संबंध में बताने पर और अधिक मारपीट करने का भय दिखाए जाने की बात भी जांच में सामने आई।पुलिस द्वारा बालिका के परिजनों एवं रिश्तेदारों को सूचित कर थाना कोतवाली शहडोल बुलाकर पूछताछ की गई। पूछताछ में जानकारी मिली कि लगभग 04 माह पूर्व बालिका को शांति उर्फ गुड़िया प्रजापति नामक महिला द्वारा अपनी बेटी के साथ रहने एवं खेलने के बहाने, बालिका के परिजनों की सहमति से शहडोल लाया गया था। कुछ दिनों बाद बालिका से घरेलू कार्य कराया जाने लगा तथा कार्य पूरा नहीं कर पाने पर उसके साथ मारपीट एवं प्रताड़ना की जाती थी। प्रकरण की जांच उपरांत आरोपी शांति उर्फ गुड़िया प्रजापति, पति बी. आर. प्रजापति, निवासी वार्ड क्रमांक 07, पाण्डवनगर, शहडोल के विरुद्ध थाना कोतवाली शहडोल में धारा 115 (2), 118 (1) बीएनएस, धारा 75 किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 तथा धारा 14 (1) बाल श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के तहत आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की जा रही।

सेवा संकल्प अभियान के तहत नगरीय निकायों में आयोजित हुए सेवा सेतु अभियान के शिविर

उमरिया (स्वतंत्र मत)। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले के नगरीय क्षेत्रों में सेवा सेतु अभियान - सरकार आपके व्दार के तहत विशेष शिविरों का आयोजन किया गया। शिविर के माध्यम से नगर पालिका एवं नगर परिषद स्तर पर विभिन्न शासकीय योजनाओं और लोक सेवाओ का पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही लाभ दिलाया गया। रविवार 4 अक्टूबर को उमरिया जिला मुख्यालय में रानी दुर्गावती भवन में आयोजित शिविर में शहर के 34 हितग्राहयो को मुख्यमंत्री शहरी भू अधिकार योजना के तहत भू अधिकार पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर बांधवगढ़ विधायक श्री शिवनारायण सिंह ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा सेतु अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में जन सेवा की राह आसान हुई है और पात्र हितग्राहियों को योजनाओ के लाभ से लाभांवित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजना का लाभ लेने से वंचित न रह जाए इसके लिए अधिकारियों के साथ जनप्रतिनिधियों की भी जिम्मेदारी है। श्री सिंह ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान में प्रधानमंत्री जी के जन सेवा के 25 वर्षो के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्य किए जा रहे है, जिसमे शासन एवं प्रशासन के प्रयासों से सभी वर्ग के लोगों को जन कल्याणकारी योजनाओं से लाभांवित किया जा रहा है। उन्होने कहा कि पात्र होने के बावजूद भी योजनाओं से वंचित लोगो की पहचान कर उन्हें लाभ दिलाना प्राथमिकता होनी चाहिए, तभी सेवा संकल्प अभियान की सार्थकता सिध्द होगी। विधायक ने कहा कि भू अधिकार पत्र मिल जाने से हितग्राहियों को उस जमीन का अधिकार मिल जाएगा जिसमें वह वर्षो से रह रहा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि जिन पात्र व्यक्तियों के नाम शेष रह गए है उनके भू अधिकार पत्र घर जाकर दिए जाएगें। इस अवसर पर श्री आसुतोष अग्रवाल ने कहा कि सेवा के लिए यह अभियान सेतु का कार्य कर रहा है। शिविर का उददेश्य से शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं का अंतिम पंक्ति के पात्र व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है। प्रधानमंत्री जी के उस संकल्प को पूरा किया जा रहा है जिसमें उन्होंने कहा है कि कोई भी व्यक्ति कच्चे घर में निवास नही करेगा। उमरिया जिले में अभी तक 1 लाख 27 हजार 552 आवास बनाए गए है । शहरी क्षेत्र में भू अधिकार पत्र देकर हितग्राहियों को उस भूमि का हक मिल रहा है जिसमें वह शहर में आकर कई वर्षो से रह रहा है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस में योग एवं ध्यान सत्र का सफल आयोजन

उमरिया (स्वतंत्र मत)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय आर.व्ही.पी.एस. महाविद्यालय मे योग एवं ध्यान सत्र प्रशिक्षणका आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम में विद्यार्थियों को योग और ध्यान की महत्ता पर विस्तृत जानकारी दी गई तथा व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से उन्हें प्रशिक्षित किया गया।कार्यक्रम में मुकेश कुमार विश्वकर्मा ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन प्राप्त करने का माध्यम है। नियमित योगाभ्यास से विद्यार्थी न केवल स्वस्थ रहेंगे, बल्कि उनकी एकाग्रता और आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। हार्ट फुलनेस संस्था की प्रणाली पी.से. ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ध्यान जीवन की सबसे बड़ी साधना है। यह हमें आंतरिक शक्ति प्रदान करता है और तनावमुक्त जीवन जीने की दिशा दिखाता है। यदि युवा पीढ़ी ध्यान को अपने जीवन का हिस्सा बना ले, तो उनका भविष्य और भी उज्ज्वल होगा।

टीबी कार्यक्रम की रिपोर्ट समय पर प्रस्तुत नहीं करने पर डीपीसी शारदा गुप्ता को नोटिस

क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं ने समीक्षा बैठक में जताई नाराजगी, तीन दिन में स्पष्टीकरण मांगा

उमरिया (स्वतंत्र मत)। जिले में स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा के दौरान टीबी कार्यक्रम की रिपोर्ट समय पर उपलब्ध नहीं कराए जाने का मामला सामने आया है। इस पर क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं, रीवा संभाग रीवा द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए जिला टीबी कार्यक्रम समन्वयक (डीपीसी) शारदा गुप्ता को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में निर्धारित समय पर जानकारी प्रस्तुत नहीं किए जाने को लेकर स्पष्टीकरण मांगा गया है।

प्राप्त दस्तावेज के अनुसार, क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं रीवा संभाग द्वारा 23 सितंबर 2026 को स्वास्थ्य विभाग की गतिविधियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में यह परिलक्षित हुआ कि उमरिया जिले की समीक्षा इसलिए नहीं हो सकी क्योंकि संबंधित टीबी कार्यक्रम की रिपोर्ट निर्धारित समय पर उपलब्ध नहीं कराई गई थी। इसे गंभीरता से लेते हुए क्षेत्रीय संचालक कार्यालय द्वारा डीपीसी शारदा गुप्ता को नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में उल्लेख किया गया है कि 16 सितंबर 2026 के कार्यालयीन पत्र के संदर्भ में मांगी गई जानकारी एवं रिपोर्ट समय पर प्रस्तुत नहीं की गई। इसके कारण समीक्षा बैठक में उमरिया जिले की स्थिति की समुचित समीक्षा नहीं हो सकी। क्षेत्रीय संचालक ने इसे कार्य के प्रति अपेक्षित गंभीरता के अभाव के रूप में लेते हुए संबंधित अधिकारी से जवाब मांगा है। क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं द्वारा जारी नोटिस में डीपीसी शारदा गुप्ता को निर्देशित किया गया है कि समय पर जानकारी प्रस्तुत नहीं किए जाने के संबंध में अपना स्पष्टीकरण तीन दिवस के भीतर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला उमरिया के अभिमत सहित क्षेत्रीय संचालक कार्यालय रीवा को प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। नोटिस में यह भी स्पष्ट किया गया है कि समय पर जवाब प्रस्तुत नहीं किए जाने की स्थिति में नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है। स्वास्थ्य विभाग के टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जिले में मरीजों की पहचान, उपचार, दवा वितरण, फॉलोअप एवं कार्यक्रम की प्रगति से संबंधित विभिन्न गतिविधियों की नियमित समीक्षा की जाती है। ऐसे में निर्धारित समय पर रिपोर्ट उपलब्ध नहीं होने से संबंधित जिले की प्रगति और वास्तविक स्थिति की समीक्षा प्रभावित होने की बात सामने आई है। क्षेत्रीय संचालक कार्यालय से जारी पत्र में इसी बिंदु को आधार बनाते हुए डीपीसी से जवाब मांगा गया है। मामले ने जिला स्वास्थ्य विभाग में अधिकारियों की जिम्मेदारी और रिपोर्टिंग व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं। जारी पत्र की प्रतिलिपि जानकारी एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए आयुक्त, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग भोपाल, आयुक्त शहडोल संभाग, मिशन संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश, कलेक्टर उमरिया तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी उमरिया को भी भेजी गई है। अब संबंधित अधिकारी द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले स्पष्टीकरण के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि रिपोर्ट समय पर उपलब्ध नहीं कराने के पीछे क्या कारण रहा और इस संबंध में विभागीय स्तर पर आगे क्या कार्रवाई की जाती है।

संत कबीरदासः सादगी, सत्य और मानवता के कवि

संत कबीरदास भारतीय भक्ति आंदोलन के प्रमुख संत, कवि और समाज सुधारक माने जाते हैं। उनका जीवन सादगी, सत्य और मानवता का संदेश देता है। उन्होंने जाति-पाति, पाखंड और अंधविश्वास का विरोध किया तथा मानव धर्म को सबसे ऊपर रखा। उनकी वाणी आज भी समाज को समानता, प्रेम और सद्भाव का मार्ग दिखाती है।

जन्म और बाल्यकाल

कबीरदास जी का जन्म लगभग 1398 के आसपास वाराणसी के निकट लहरतारा तालाब में माना जाता है। लोककथाओं के अनुसार नवजात कबीर को नीरू और नीमा नामक जुलाहा दंपती ने पाया और उनका पालन-पोषण किया। इसी कारण उन्हें 'जुलाहा संत' भी कहा जाता है। उनके जन्म को लेकर अलग-अलग मत मिलते हैं, लेकिन कबीर ने स्वयं जन्म से अधिक कर्म को महत्व दिया।

गुरु और भक्ति मार्ग

कबीरदास के गुरु स्वामी रामानंद माने जाते हैं। प्रसिद्ध कथा के अनुसार पंचगंगा घाट पर रामानंद जी के मुख से निकला 'राम-राम' शब्द कबीर ने अपना दीक्षा मंत्र मान लिया। कबीर का राम किसी एक रूप तक

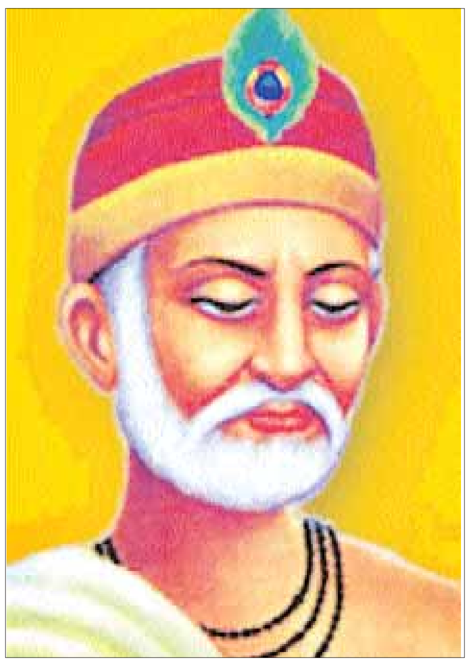

सीमित नहीं था। वे राम को निर्गुण, निराकार और सर्वव्यापी ईश्वर के रूप में देखते थे। उन्होंने बाहरी आडंबर के बजाय सच्ची भक्ति पर जोर दिया।

संत जीवन और विचार

कबीर गृहस्थ संत थे। वे जुलाहे का काम करते हुए अपना जीवन चलाते थे और साथ ही साधना तथा रचनाएं करते थे। उनकी भाषा सरल और जनसामान्य के करीब थी। उन्होंने सधुक्कड़ी भाषा में अपने विचार व्यक्त किए, जिसमें विभिन्न भारतीय भाषाओं के शब्द शामिल थे।

सामाजिक समानता का संदेश

कबीर ने जाति व्यवस्था का विरोध किया। उनका प्रसिद्ध दोहा जाति न पूछो साधु की, पूछ लीजिए ज्ञान ़मनुष्य की पहचान उसके ज्ञान और कर्म से करने का संदेश देता है। उन्होंने हिंदू और मुस्लिम दोनों समाजों में मौजूद पाखंड और आडंबर पर सवाल उठाए तथा मन की शुद्धता को सबसे महत्वपूर्ण बताया।

प्रमुख रचनाएं

कबीर की वाणी का प्रमुख संकलन 'बीजक' है, जिसके तीन प्रमुख भागकृसाखी, सबद और रमैनीकृमाने जाते हैं। उनकी रचनाओं में भक्ति, सामाजिक चेतना और जीवन-दर्शन का सुंदर मेल दिखाई देता है। गुरु ग्रंथ साहिब में भी कबीर की अनेक रचनाएं शामिल हैं।

मृत्यु और विरासत

कबीर ने अंधविश्वास को चुनौती देने के लिए जीवन के अंतिम समय में मगहर जाने का निर्णय लिया। लगभग 1518 के आसपास उनके निधन की मान्यता है। उनके निधन से जुड़ी कथा भी हिंदू-मुस्लिम एकता का संदेश देती है।

लता डिग्रसकर

प्रधानाचार्य
हितकारिणी
प्राथमिक शाला,
बीटी तिराहा, गढ़ा,
जबलपुर।

हिंदी में उत्तर लेखन, कम शब्दों में पूरी बात कैसे कहें

परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए विषय का ज्ञान जितना आवश्यक है, उतना ही जरूरी है उसे सही ढंग से प्रस्तुत करना। कई विद्यार्थी उत्तर जानते हुए भी बहुत लंबा लिख देते हैं। इससे समय अधिक लगता है और उत्तर की मुख्य बात स्पष्ट नहीं हो पाती। इसलिए हिंदी में उत्तर लिखते समय कम शब्दों में पूरी बात कहने की कला सीखना उपयोगी है।

प्रश्न को ध्यान से समझें

उत्तर लिखने से पहले प्रश्न को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह समझें कि प्रश्न में ''परिभाषा, कारण, अंतर, विशेषताएं, उदाहरण या निष्कर्ष'' में से क्या पूछा गया है। प्रश्न की मांग के अनुसार ही उत्तर लिखें। इससे अनावश्यक बातें लिखने से बचेंगे।

मुख्य बात पहले लिखें

उत्तर की शुरुआत सीधे विषय की मुख्य बात से करें। लंबी भूमिका या विषय से हटकर जानकारी देने से बचें। यदि प्रश्न परिभाषा पूछता है तो पहले परिभाषा दें, फिर आवश्यक व्याख्या और उदाहरण लिखें।

छोटे व स्पष्ट वाक्य

उत्तर में छोटे, सरल और अर्थपूर्ण वाक्यों का प्रयोग करें। बहुत लंबे वाक्य कई बार विचार को अस्पष्ट कर देते हैं। कठिन शब्दों की जगह ऐसे शब्द चुनें जिन्हें आसानी से समझा जा सके।

बिंदुओं का करें प्रयोग

जहां संभव हो, उत्तर को छोटे-छोटे बिंदुओं या उपशीर्षकों में लिखें। इससे उत्तर व्यवस्थित दिखाई देता है और परीक्षक के लिए मुख्य बातें पहचानना आसान होता है। जैसे ़''कारण, प्रभाव, उपाय और निष्कर्ष''।

उदाहरण से बढ़ाएं प्रभाव

आवश्यकतानुसार एक छोटा और उपयुक्त उदाहरण दें। उदाहरण विषय को स्पष्ट करता है, लेकिन बहुत अधिक उदाहरण लिखने से उत्तर अनावश्यक रूप से लंबा हो सकता है।

शब्द-सीमा का रखें ध्यान

यदि प्रश्न में शब्द-सीमा दी गई है तो उसका पालन करें। 100 शब्दों के उत्तर में 200 शब्द लिखना हमेशा बेहतर नहीं होता। निर्धारित सीमा में तथ्यपूर्ण और सटीक उत्तर लिखना अधिक प्रभावी है।

परीक्षा मंत्र

अंत में एक-दो वाक्यों में उत्तर का सार प्रस्तुत करें। निष्कर्ष से यह स्पष्ट होता है कि विद्यार्थी ने विषय को समझकर उत्तर दिया है। मुख्य परीक्षा मंत्र यह है कि सही तथ्य, सरल भाषा, क्रमबद्ध प्रस्तुति, उचित शब्द-सीमा ही प्रभावी उत्तर बनाते हैं।

प्रारंभिक अंग्रेजी व्याकरण की गलतियों को समझने की जरूरत

नई भाषा सीखना केवल शब्दों और नियमों को याद करना नहीं है। विद्यार्थी जब अंग्रेज़ी बोलते हुए रुकता है, शब्द खोजता है या वाक्य बनाते समय व्याकरण की गलती करता है, तो उसके प्रयास को भी समझना चाहिए। भाषा सीखना एक क्रमिक प्रक्रिया है, जिसमें गलतियों के माध्यम से सुधार आता है। इसलिए अंग्रेज़ी सीखने की शुरुआत पूर्णता से नहीं, बल्कि प्रयास और आत्मविश्वास से होनी चाहिए।

डर सीखने में सबसे बड़ी बाधा

यदि अंग्रेज़ी बोलते समय छोटी-सी गलती पर विद्यार्थी का मजाक बनाया जाए या उसे सबके सामने शर्मिंदा किया जाए, तो वह धीरे-धीरे बोलने से बचने लगता है। भाषा सीखने के लिए ज्ञान के साथ अभ्यास और आत्मविश्वास भी जरूरी है। शिक्षक और सहपाठियों का सहयोग विद्यार्थी के भीतर भाषा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित कर सकता है।

व्याकरण को उदाहरणों से समझाएं

व्याकरण के नियम आवश्यक हैं, लेकिन उन्हें केवल रटाना प्रभावी तरीका नहीं है। I go to college] They go to college और She goes to college जैसे उदाहरणों से विद्यार्थी स्वयं समझ सकता है कि subject के अनुसार verb का प्रयोग कैसे बदलता है। इसी तरह He go to school को He goes to school में सुधारते समय गलती के कारण को समझाना अधिक उपयोगी है।

सुधार के साथ प्रोत्साहन भी जरूरी

विद्यार्थी को यह समझाना चाहिए कि गलती करना शर्म की बात नहीं है। She dont know की जगह She doesnt know ê और I have two brother की जगह I have two brothers सीखना असफलता नहीं, बल्कि सीखने की प्रगति है। शिक्षक का उद्देश्य केवल गलती बताना नहीं, बल्कि विद्यार्थी को अगली बार सही प्रयोग करने का विश्वास देना भी होना चाहिए।

अभ्यास के लिए मिले अवसर

अंग्रेज़ी बोलना केवल किताब पढ़ने से नहीं आता। बातचीत, कहानी सुनाना, पढ़कर सुनाना, प्रश्न पूछना और किसी विषय पर अपनी बात रखना भाषा के वास्तविक अभ्यास के तरीके हैं। विद्यार्थियों को ऐसी गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलना चाहिए, जहां वे बिना डर अपनी बात कह सकें।

भाषा अभिव्यक्ति का माध्यम

भाषा केवल व्याकरण का ढांचा नहीं है। यह विचारों, भावनाओं और अनुभवों को व्यक्त करने का माध्यम है। व्याकरण अभिव्यक्ति को स्पष्ट और प्रभावी बनाता है, लेकिन व्याकरण का डर विद्यार्थी की अभिव्यक्ति को रोक दे, यह शिक्षा का उद्देश्य नहीं होना चाहिए।

आत्मविश्वास से आगे बढ़ें

विद्यार्थियों को अंग्रेज़ी बोलते समय गलती से घबराना नहीं चाहिए। दूसरों की हंसी को अपनी सीमा न बनाएं। पढ़ते रहें, बोलते रहें, लिखते रहें और अपनी गलतियों को पहचानकर सुधारते रहें। हर सुधरी हुई गलती भाषा को पहले से बेहतर बनाती है।

प्रारंभिक अंग्रेज़ी की व्याकरण संबंधी गलतियों को केवल विद्यार्थी की कमी मानना उचित नहीं है। भाषा का वातावरण, अभ्यास के अवसर, मातृभाषा का प्रभाव और गलत होने का डर भी इसके कारण हो सकते हैं। इसलिए लक्ष्य केवल सही व्याकरण सिखाना नहीं, बल्कि ऐसा आत्मविश्वास पैदा करना होना चाहिए, जिससे विद्यार्थी बिना भय अंग्रेज़ी का प्रयोग करे और हर गलती से कुछ नया सीखे।

दीक्षा देवी चौधरी,

सहायक प्राध्यापक
शासकीय कला
महाविद्यालय, पनागर,
जिला जबलपुर

संस्कृत सूक्तियांः ज्ञान और संस्कारों की धरोहर

संस्कृत सूक्तियां हमारे जीवन की अमूल्य धरोहर हैं। ये छोटे-छोटे वचन होते हैं, लेकिन इनमें गहरा ज्ञान और जीवन के लिए महत्वपूर्ण शिक्षाएं छिपी होती हैं। सत्य, परिश्रम, विनम्रता, अनुशासन और सदाचार जैसे मूल्यों को सरल शब्दों में समझाने वाली ये सूक्तियां आज भी हमारे जीवन में उपयोगी हैं।

सत्य का महत्व- सत्यमेव जयते संस्कृत की प्रसिद्ध सूक्ति है। इसका अर्थ है कि अंततः सत्य की ही विजय होती है। यह हमें हर परिस्थिति में सत्य का साथ देने और ईमानदारी से आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। विद्यार्थी जीवन में सत्य और ईमानदारी का विशेष महत्व है, क्योंकि यही अच्छे चरित्र की नींव बनते हैं।

विद्या से आती है विनम्रता- विद्या ददाति विनय का संदेश है कि विद्या मनुष्य को विनम्र बनाती है। वास्तविक शिक्षा केवल अधिक जानकारी प्राप्त करना नहीं है, बल्कि व्यवहार में शिष्टता, सम्मान और विनम्रता लाना भी है। विद्यार्थी को अपनी शिक्षा के साथ अच्छे संस्कारों को भी अपनाना चाहिए।

परिश्रम से मिलती है सफ लता- उद्यमेन हि सिद्धयन्ति कार्याणि न मनोरथैः हमें बताती है कि केवल इच्छा करने से कार्य पूरे नहीं होते, बल्कि सफलता के लिए निरंतर परिश्रम आवश्यक है। विद्यार्थी यदि नियमित अध्ययन, अभ्यास और समय के सदुपयोग को अपनी आदत बना लें, तो कठिन लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

विद्यार्थी जीवन में उपयोगिता- संस्कृत सूक्तियां विद्यार्थियों को मेहनत करने, बड़ों का सम्मान करने, अनुशासन बनाए रखने और अच्छे आचरण का पालन करने की प्रेरणा देती हैं। इनके संदेश को समझकर व्यवहार में उतारने से विद्यार्थियों में अच्छे संस्कार और सकारात्मक सोच विकसित हो सकती है।

सूक्तियां पढ़ें ही नहीं, अपनाएं भी- संस्कृत सूक्तियों का उद्देश्य केवल उन्हें याद करना नहीं है। इनके संदेश को अपने व्यवहार में उतारना अधिक महत्वपूर्ण है। यदि हम सत्य बोलें, मेहनत करें, विनम्र रहें और दूसरों की सहायता करें, तो हमारा जीवन अधिक सफल और सुखी बन सकता है।

संस्कृत सूक्तियां भारतीय संस्कृति और ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर हैं। इनमें छिपी जीवन-शिक्षाएं आज भी उतनी ही उपयोगी हैं। हमें इन सूक्तियों को पढ़ने के साथ-साथ उनके अर्थ को समझकर जीवन में अपनाना चाहिए। सदाचार अपनाएं, संस्कृत सूक्तियों से जीवन सजाएं।

सवाल करने से बढ़ती है समझ

मेरे विचार से प्रश्न पूछना सीखने का सबसे आसान और प्रभावी तरीका है। जब हम किसी बात को समझ नहीं पाते, तो सवाल करने से हमारी उलझन दूर होती है। कई बार हमें लगता है कि हमारा सवाल बहुत सामान्य या अजीब है, इसलिए हम उसे पूछने से बचते हैं। लेकिन वास्तव में कोई भी प्रश्न छोटा या बड़ा नहीं होता। हर सवाल हमारी जानकारी में कुछ न कुछ जरूर जोड़ता है।

झिझक छोड़कर पूछें सवाल- एक विद्यार्थी के रूप में मैंने महसूस किया है कि कई छात्र कक्षा में प्रश्न पूछना चाहते हैं, लेकिन झिझक के कारण चुप रह जाते हैं। उन्हें डर रहता है कि कहीं दूसरे विद्यार्थी उनका मजाक न उड़ाएं। मेरा मानना है कि इस डर को छोड़ना चाहिए। अगर किसी विषय को समझने में परेशानी है तो शिक्षक से पूछना बिल्कुल सही है। इससे विषय अच्छी तरह समझ में आता है और आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

खुद से सवाल करना भी जरूरी- सिर्फदूसरों से प्रश्न पूछना ही जरूरी नहीं है, बल्कि हमें खुद से भी सवाल करने चाहिए। जब हमारे सामने कोई अवसर आता है और हम डर के कारण पीछे हटते हैं, तब हमें खुद से पूछना चाहिए, क्या मैं वास्तव में यह नहीं कर सकता या केवल डर की वजह से प्रयास नहीं कर रहा? ऐसा सवाल हमें अपनी कमजोरी पहचानने और उसे दूर करने की प्रेरणा देता है।

गलती से सीखने का मौका- कई बार हमें लगता है कि सवाल पूछने पर गलती हो सकती है। लेकिन मेरा मानना है कि गलती करना सीखने का हिस्सा है। यदि हम सवाल नहीं पूछेंगे तो हमारी गलतफहमी दूर नहीं होगी। प्रश्न पूछकर हम अपनी गलतियों को समझ सकते हैं और अगली बार बेहतर कर सकते हैं।

एक सवाल पूरी कक्षा के लिए उपयोगी- जब कक्षा में कोई विद्यार्थी प्रश्न पूछता है तो उसका फायदा केवल उसी विद्यार्थी को नहीं होता। हो सकता है कि वही बात दूसरे विद्यार्थियों को भी समझ में न आई हो। इसलिए एक विद्यार्थी का सवाल पूरी कक्षा की समझ को बेहतर बना सकता है। इससे कक्षा में चर्चा भी बढ़ती है और पढ़ाई अधिक रोचक बनती है।

प्रश्न पूछना कमजोरी नहीं- अंत में मैं यही कहना चाहूंगा कि प्रश्न पूछना किसी कमजोरी का संकेत नहीं है। यह हमारी जिज्ञासा और सीखने की इच्छा को दिखाता है। विद्यार्थी को बिना झिझक सवाल करने चाहिए, क्योंकि एक सही सवाल हमें एक नए उत्तर तक और एक नया उत्तर हमें नई सीख तक पहुंचा सकता है।

अभिषेक कुशवाहा

कक्षा 11वीं, ए
आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, गोविंदगंज,
दमोहनाका, जबलपुर।

शब्द पहेली - 8995

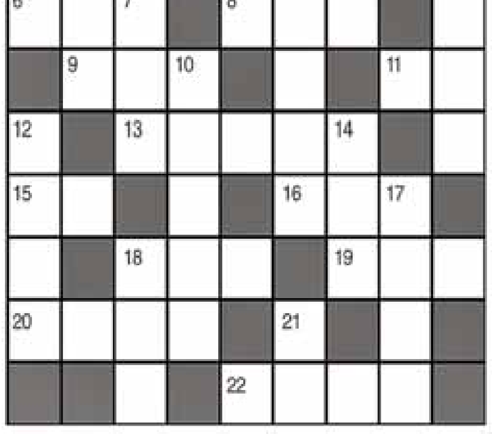

बाएँ से दाएँ

1. जंगल की आग-4
4. अयोग्य, नालायक-4
6. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
8. तैयार होना-3
9. जीभ, जिव्हा-3
11. पाश, फंदा, -2
13. नामकरण करना-2,3
15. मेरा(सं.-2)
16. खाद्य सामग्री-3
18. तहत-3
19. कक्ष, रूम-3
20. भरोसा, विश्वास-4
22. सचेत, होशियार-4

ऊपर से नीचे

1. दागी, धब्बेवाला-4
2. गीलापन, तर होना-2
3. दुनिया, जगत-3
4. अदा, हाव-भाव-5
5. भरा हुआ-4
7. टपकना, गिरना-3
10. नाम रखना-5
12. एकमत-4
14. भक्षक, विनाशकारी-3
17. खारा, क्षारीय-4
18. वन, जंगल-3
21. लाश, मुर्दा, मृतक-4

शब्द पहेली -8994 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

स्वतंत्र मत
जबलपुर
सोमवार 05 अक्टूबर 2026

वार्ड 28 में बुनियादी सुविधाओं का टोटा : रोड, नाली पानी और पीएम आवास को लेकर जनता परेशान

सतना (स्वतंत्र मत)

नगर निगम क्षेत्र के वार्ड 28 खूंथी में मूलभूत सुविधाओं का घोर अभाव है। यहां के वार्ड वासियों का कहना है कि यहां रोड नाली और सफाई की सख्त जरूरत है। गरीब परिवारों के पास पक्का घर तक नहीं है जिससे वे पन्नी लगाकर किसी तरह अपना गुजारा कर रहे हैं। लोगों ने यह भी आरोप लगाया है कि नगर निगम में बिना पैसे के कोई काम नहीं होता। वार्ड के एक बुजुर्ग का आरोप है कि पीएम आवास योजना में भी भेदभाव किया जा रहा है। उनके अनुसार यदि अन्य वर्ग के 50 लोगों को आवास मिलता है तो एक मुस्लिम परिवार को दिया जाता है। लोगों का कहना है कि निगम एकतरफा काम कर रहा है।

20 वर्षों से रोड-नाली नहीं बनी : नफीस अंसारी

वार्ड 28 बाबा डीजे के पास खूंथी मोहल्ले में रहने वाले नफीस अंसारी ने बताया कि हसन चौराहा से लेकर सतनामी तिराहे तक 20 वर्षों से रोड का निर्माण नहीं हुआ है। मोहल्ले में चार गलियां हैं जिसमें से सिर्फ एक गली में ही रोड बनाई गई है बाकी तीन गलियां आज भी कच्ची पड़ी हैं। उन्होंने कहा कि जहां रोड नहीं है वहां जल्द निर्माण होना चाहिए और नगर निगम को वार्ड वासियों की समस्याओं को देखकर उनका निराकरण करना चाहिए।

पीने का पानी नहीं आ रहा, गंदगी फैली हैः अनवर खान

इसी वार्ड में रहने वाले अनवर खान का कहना है कि खूंटी मोहल्ले में 5.6 दिन से नल में पीने का पानी नहीं आ रहा है जिससे लोग भारी परेशानी का सामना कर रहे हैं। नहानेए कपड़े धोने और खाना बनाने के लिए पानी जरूरी है लेकिन नलों में पानी नहीं आ रहा है। निगम प्रशासन को इस पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने बताया कि नालियां पुरानी होने से टूटी पड़ी हैं जिससे बदबू आ रही है और गंदगी का अंबार लगा है। जनता से टैक्स तो वसूला जा रहा है लेकिन सुविधा नहीं दी जा रही।

पीएम आवास के लिए सालों से भटक रही हूं : शीला चौधरी

जवाहर नगर सतनामी तिराहे के पास रहने वाली शीला चौधरी ने बताया कि वह सालों से पीएम आवास के लिए भटक रही हैं। उन्हें आवास मिल जाता तो बारिश से बचाव होता लेकिन वह पन्नी लगाकर किसी तरह जीवन काट रही हैं। उनका कहना है कि नगर निगम के जिम्मेदार लोग उनकी नहीं सुन रहे। निगम जाने पर कहा जाता है कि फॉर्म जांच में है फाइल आगे बढ़ाई जाएगी लेकिन सालों से फाइल जांच में ही पड़ी है।

चार साल से नगर निगम के चक्कर काट रही हूं : राजकुमारी चौधरी

वार्ड 28 जवाहर नगर गली नंबर 1 में रहने वाली राजकुमारी चौधरी पति सोखी लाल चौधरी ने बताया कि वह पुश्तैनी कच्चे मकान में रहती हैं। बारिश में उनका मकान गिर गया था दीवारें ढह गईं। वह छत पर पन्नी लगाकर गुजर.बसर कर रही हैं। यहां उनकी तीसरी पीढ़ी रह रही है फिर भी कच्चे मकान में हैं। मुआवजा भी नहीं मिला और पीएम आवास के लिए 4 साल पहले फॉर्म जमा किया था आज तक लाभ नहीं मिला। उनकी पड़ोसी रजनी चौधरी पत्नी रवि सतनामी भी 4 साल पहले फॉर्म भर चुकी हैं उन्हें भी आवास नहीं मिला। दोनों परिवार मजदूरी करके जीवन यापन कर रहे हैं।

50 आवास अन्य को मिलते हैं तो 1 मुस्लिम को : मोहम्मद आफाक

वार्ड 28 हसन चौराहा के पास रहने वाले मोहम्मद आफाक ने कहा कि पीएम आवास योजना में भेदभाव हो रहा है। उनके अनुसार अगर अन्य जाति के 50 लोगों को आवास दिया जाता है तो काफी जद्दोजहद के बाद एक मुस्लिमपरिवार को मिलता है। सरकार को सभी को साथ लेकर चलना चाहिए क्योंकि गरीबी हर जाति में है। पात्र लोगों को ही आवास मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि वार्ड में गंदगी फैली है कई जगह रोड गड्ढों में तब्दील हो गई है रोड निर्माण जरूरी है और स्ट्रीट लाइटों को भी सुधारा जाए ताकि अंधेरे से उजाला हो सके। कुल मिलाकर वार्ड 28 के लोगों की मांग है कि नगर निगम रोड नाली पानी सफाई और पीएम आवास जैसी बुनियादी समस्याओं का जल्द निराकरण करे।

फाइलें पेंडिंग होने से वार्ड का विकास ज्यादा नहीं हो सका : पार्षद सुषमा लोधी

नगर निगम में विकास की फाइले पेर्नडिंग है जिससे वार्ड 28 का विकास ज्यादा नही हो सका। जैसे ही फइले पास हो जायेगी वैसे वार्ड का विकास का कार्य तेजी से हो जायेगा। उन्होने आगे कहा कि पोंस्ट आफिस जवाहर नगर का सडक का निर्माण भी रूका हुआ है इसी तरह से वार्ड की कई सडके अभी नही बन पाई है। आगे कहा कि हसन चौराहा से लेकर सतनामी तिराहे तक हाईटेंन्सन की लाइन भी गई है इसकी उचाई करने के लिए भी प्रयास किया जा रहा है।

नागौद पुलिस की बड़ी कार्रवाई

24.73 लाख का 245 किलो गांजा बरामद, बोलेरो सहित 3 गिरफ्तार

सतना (स्वतंत्र मत)

जिले में नशे के कारोबार पर लगाम लगाने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार 2.0 के तहत नागौद थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने दो अलग.अलग ठिकानों पर छापेमारी करते हुए कुल 245 किलो गांजा बरामद किया है। जिसकी बाजार में अनुमानित कीमत 24 लाख 73 हजार रुपये बताई जा रही है। इस कार्रवाई में पुलिस ने तीन आरोपियों और एक अपचारी बालक को गिरफ्तार किया साथ ही तस्करी में उपयोग की जा रही एक बोलेरो वाहन भी जब्त की है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिले भर में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में नागौद थाना प्रभारी को मुखबिर से सूचना मिली थी कि क्षेत्र में बड़े पैमाने पर गांजे का भंडारण और परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दो टीमों का गठन किया।पहली कार्रवाई ग्राम डुड़हा में की गई। पुलिस ने गांव में घेराबंदी कर संतकुमार पाल के ठिकाने पर दबिश दी। तलाशी के दौरान उसके पास से 32 किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया।दूसरी और सबसे बड़ी कार्रवाई सुरजदीन दाहिया के घर पर की गई। पुलिस को उसके घर में भारी मात्रा में गांजा रखे होने की सूचना मिली थी। जब पुलिस टीम ने उसके घर पर छापा मारा तो वहां 215 किलो गांजा बोरियों में भरकर रखा हुआ मिला। इसके साथ ही घर के बाहर खड़ी एक बोलेरो मिली जिसका उपयोग तस्करी के लिए किया जाता था। पुलिस ने बोलेरो और गांजे को जब्त करते हुए आरोपी सुरजदीन दाहिया और उसके साथी राममिलन पाल को गिरफ्तार किया। मौके से एक अपचारी बालक भी पकड़ा गया जो इस धंधे में शामिल था।

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे यह गांजा उड़ीसा और छत्तीसगढ़ की तरफ से लाकर सतना और आसपास के जिलों में सप्लाई करते थे। बोलेरो में गुप्त चैंबर बनाकर गांजे की तस्करी की जाती थी। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। अपचारी बालक को बाल न्यायालय में पेश किया गया है। जब्त किए गए गांजे को लेकर पुलिस अब इसके नेटवर्क की जांच कर रही है कि इस रैकेट में और कौन.कौन लोग शामिल हैं।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नशे के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा और जिले में नशे का कारोबार करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेसजनों ने गांधी जी और शास्त्री जी को किया नमन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

स्थानीय पुरानी गल्ला मंडी में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी गाडरवारा द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि एवं स्मरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सुनीता पटेल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि महात्मा गांधी जी ने हमें सत्य, अहिंसा और स्वच्छता के मार्ग पर चलना सिखाया है, तो वहीं लाल बहादुर शास्त्री जी ने अपनी सादगी, ईमानदारी और जय जवान - जय किसान के अमर नारे से देश को नई दिशा दी।

उन्होंने कहा कि आज देश को इन दोनों महापुरुषों के विचारों और सिद्धांतों को आत्मसात करने की सबसे ज्यादा आवश्यकता है। उनके बताए मार्ग पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित समस्त कांग्रेसजनों ने 2 मिनट का मौन धारण कर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं शास्त्री जी के तेल चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

सेवा संकल्प अभियान के तहत अनाथ आश्रम पहुंचे जालम सिंह पटेल

नरसिंहपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, जिला भाजपा अध्यक्ष रामस्नेही पाठक एवं समाजसेवी श्रीमती सुमनलता पटेल ने रेवा नगर स्थित रामराजा अनाथ आश्रम पहुंचकर वहां निवासरत बच्चों से आत्मीय संवाद किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों का कुशलक्षेम जाना और उनके साथ समय बिताकर उनकी आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी ली आश्रम पहुंचने पर अतिथियों ने बच्चों से उनकी पढ़ाई, दैनिक दिनचर्या और अन्य आवश्यकताओं को लेकर बातचीत की।

119 मरीजों का हुआ नि: शुल्क उपचार, मिली दवाईयां

गाडरवारा (स्वतंत्र मत) । साई धामं मंदिर समिति कान्हरगाव के युवाओं द्वारा भगवान सत्य साई बाबा के बताये हुए मार्ग मानव सेवा ही माधव सेवा है।को चरितार्थ करते हुये। माह के प्रथम रविवार को साई सेवा केन्द्र साई धाम मंदिर (कान्हरगाव) में निशुल्क मेडिकल कैम्प का आयोजन हर माह के पहले रविबार को किया जाता है।जिसमें इस रविबार 86 वें कैम्प का आयोजन किया गया।जिसमें शहरों एंव अनेक गावों के लगभग 119 मरीजों ने अपना उपचार करवाया।साथ ही युवाओं द्वारा निशुल्क दवाईयों का वितरण भी किया गया। वही मेडीकल केंप को पालिथिन मुक्त रहां सभी मरीजों को कागज के पाकिट एंव कपड़े के थेले में दवाईयां वितरित कि गयी।मेडीकल कैम्प में डाक्टर स्वाती कुरचानिया,डाक्टर अरूण दोहरे,डाक्टर संजय मोदी, डाक्टर करूणा मालवीय, डाक्टर दुर्गेश पटेल, सहयोगी,राहुल गिरी गोस्वामी,प्रशांत सोनी,नीलेश कुशवाहा,आकाश रजक सहित साई धांम मंदिर समिति के युवाओं ने अपनी सेवायें प्रदान कि।

मेडीकल कैम्प में जबलपुर, रायसेन, साईखेड़ा, उदयुपुरा, स ा ल ` च ौ क ा, गाडरवारा,बरेली,तेदूखेड़ा,पनागर,सिगौठा,थलबाड़ा,सिंगपुर,बरेली,घूरपुर, मगरमुहा,कामती,दिघोरी,चौरास,देवरी,मिड़वानी,बड़ागाव तलैया,महगवां कान्हरगांव सहित अनेक गावों के मरीज उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत कलेक्टर श्रीमती सिंह ने ग्राम लिंगा का किया निरीक्षण

नरसिंहपुर। स्वतंत्र मत। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने विकासखंड चांवरपाठा की ग्राम पंचायत लिंगा का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्राम में संचालित विभिन्न शासकीय सेवाओं एवं योजनाओं की जमीनी स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान कलेक्टर ने सेवा सहकारी समिति के राशन वितरण केंद्र, एकीकृत प्राथमिक शाला एवं खाद वितरण केंद्र का निरीक्षण किया। साथ ही नल-जल योजना से लाभान्वित हितग्राहियों के घर पहुंचकर उनसे सीधे संवाद किया और योजना से मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान एसडीएम सुश्री शानू चौधरी सहित विकासखंड स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

राशन वितरण में लापरवाही पर वि `ता को हटाने के निर्देश

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने सेवा सहकारी समिति के राशन वितरण केंद्र का निरीक्षण कर खाद्यान्न वितरण व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने खाद्यान्न वितरण से संबंधित रिकॉर्ड एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान खाद्यान्न वितरण में लापरवाही पाए जाने पर कलेक्टर ने संबंधित विक्रेता महेन्द्र वैष्णव को हटाने के निर्देश दिए।

प्राथमिक शाला में 40 में से 35 विद्यार्थी मिले उपस्थित

कलेक्टर ने एकीकृत प्राथमिक शाला लिंगा का निरीक्षण कर विद्यालय में शैक्षणिक व्यवस्थाओं एवं विद्यार्थियों तथा शिक्षकों की उपस्थिति की जानकारी ली। उन्हें बताया गया कि विद्यालय में कुल 40 विद्यार्थी दर्ज हैं, जिनमें से 35 विद्यार्थी उपस्थित पाए गए। कलेक्टर ने विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा विद्यालय में बेहतर शैक्षणिक वातावरण बनाए रखने के निर्देश दिए।

घर-घर पहुंचकर नल-जल योजना के हितग्राहियों से किया संवाद

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने ग्राम लिंगा में नल-जल योजना के हितग्राहियों से घर-घर पहुंचकर संवाद किया। उन्होंने हितग्राहियों से नल के माध्यम से नियमित रूप से पानी मिलने, पानी आने के समय, जलकर/टैक्स तथा योजना से संबंधित अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। कलेक्टर ने हितग्राहियों से सीधे संवाद कर यह भी जाना कि नल-जल योजना का लाभ उन्हें नियमित रूप से मिल रहा है या नहीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को योजना के सुचारू संचालन एवं ग्रामीणों को नियमित पेयजल उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

खाद वितरण केंद्र का किया निरीक्षण

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने ग्राम लिंगा स्थित खाद वितरण केंद्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने खाद की उपलब्धता, वितरण व्यवस्था एवं संबंधित रिकॉर्ड का जायजा लिया। कलेक्टर ने रिकॉर्ड संधारण को व्यवस्थित एवं अद्यतन रखने खाद वितरण में पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि शासन की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ ग्रामीणों तक समय पर और सुचारू रूप से पहुंचे।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 5 को जिले में होंगी विभिन्न गतिविधियां

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 5 अक्टूबर को जिले में विभिन्न विभागों द्वारा जनजागरूकता, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण, खेल एवं सामाजिक सरोकार से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा पशु औषधालय गोरखपुर में विभागीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण उपसंभाग नरसिंहपुर द्वारा आरओबी-292 गोटेगांव में साइबर सिक्योरिटी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा स्कूल स्तर पर पोषण एवं एनीमिया जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों को स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूक किया जाएगा। आजीविका मिशन नरसिंहपुर द्वारा सीएलएफ गोटेगांव में किशोर कल्याण एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा जिला एवं समस्त विकासखंड स्तरीय संस्थाओं में सुरक्षित प्रसूति सहायता योजना एवं जननी सुरक्षा योजना से संबंधित शिकायतों के निराकरण की कार्यवाही की जाएगी। मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण द्वारा धूमा रोड से चंदलोन तक सोल्डर एवं अनावश्यक झाड़ियों की साफ- सफाई की जाएगी। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा ग्राम तिंसरा में पेयजल स्त्रोतों की सफाई के साथ टंकी परिसर में पौधरोपण किया जाएगा। शासकीय पीजी कॉलेज नरसिंहपुर में महाविद्यालय परिसर में कहानी बदलाव की कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। वहीं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले की समस्त आंगनबाड़ियों में आंगन मिलन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा बरमान में एथलेटिक्स खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

लोकसभा सांसद कुलस्ते का प्रवास कार्यक्रम

नरसिंहपुर, स्वतंत्र मत। सभापति, एससी/एसटी कल्याण संबंधी समिति, लोकसभा सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते सोमवार 5 अक्टूबर को गोटेगांव के ग्राम कुंडा में रानी दुर्गावती जी की जयंती समारोह में शामिल होंगे।सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते का जारी प्रवास कार्यक्रम के अनुसार सोमवार 5 अक्टूबर को मंडला जिले के जेवरा से प्रस्थान कर सायं 4 बजे जिले के गोटेगांव के ग्राम कुंडा आएंगे। यहां रानी दुर्गावती जी की जयंती समारोह में शामिल होंगे। इसके पश्चात रात्रि 8 बजे ग्राम कुंडा से जबलपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

एनसीसी संकल्प वृक्ष माटी एकत्रीकरण कार्यक्रम का आयोजन

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। जिले के एम आई एम टी कॉलेज नरसिंहपुर, पीएम श्री एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नरसिंहपुर एवं गवर्नमेंट एक्सीलेंस हायर सेकेंडरी स्कूल नरसिंहपुर के संयुक्त तत्वाधान में नरसिंहपुर के पविएनत्र एवं ऐतिहासिक नरसिंह मंदिर स्थित प्रांगण में नरसिंह तालाब की माटी का पूजन अर्चन कर एकत्रीकरण किया गया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन द्वारा मध्य प्रदेश के 55 जिलों की पवित्र माटी के माध्यम से भोपाल शोर्य स्मारक में 55 पेड़ों का रोपण आगामी समय में किया जाएगा। एनसीसी के उक्त कार्यक्रम में जिला एवं पुलिस प्रशासन का प्रतिनिधित्व करते हुए एसडीएम नरसिंहपुर महेंद्र पटेल, डीएसपी संधीर चौधरी, एम आई एम टी के चेयरमैन इंजी. रुद्रेश तिवारी, प्राचार्य एक्सीलेंस कॉलेज नरसिंहपुर डॉ. आर,.बी .सिंह, प्राचार्य एक्सीलेंस स्कूल नरसिंहपुर राजीव किशोर उपस्थित थे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत कलेक्टर कार्यालय परिसर में चला स्वच्छता अभियान

कलेक्टर सहित अधिकारी-कर्मचारियों ने किया श्रमदान

बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता कर दिया स्वच्छता का संदेश

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत रविवार को कार्यालय कलेक्टर नरसिंहपुर भवन परिसर में स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य शासकीय कार्यालय परिसर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित रखने के साथ ही स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता और जनभागीदारी को बढ़ावा देना रहा। स्वच्छता अभियान में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, अपर कलेक्टर श्री अरविंद सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए श्रमदान किया।

अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने परिसर के विभिन्न हिस्सों में सफाई करते हुए वहां फैले कचरे को झाड़ू लगाकर एकत्रित किया और उसे निर्धारित स्थान पर पहुंचाया। साथ ही परिसर में उगी अनावश्यक झाड़ियों एवं घास की भी साफ-सफाई की गई। अभियान के दौरान बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। बच्चों ने स्वच्छता कार्य में सहयोग करते हुए नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक और प्रेरित किया। उनकी सहभागिता ने अभियान को जनभागीदारी का स्वरूप प्रदान किया तथा यह संदेश दिया कि स्वच्छता केवल किसी एक व्यक्ति या विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों ने स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा आसपास के क्षेत्र को साफ-सुथरा रखने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ वातावरण स्वस्थ जीवन के लिए आवश्यक है। सार्वजनिक स्थलों एवं शासकीय परिसरों की स्वच्छता बनाए रखने में प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण है। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित इस स्वच्छता गतिविधि के माध्यम से स्वच्छता, श्रमदान और जनभागीदारी का संदेश आमजन तक पहुंचाया गया। अभियान में अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ बच्चों की सहभागिता ने स्वच्छता के प्रति सामूहिक संकल्प को और मजबूत किया।

बुनियादी साक्षरता प्रशिक्षण

मण्डला/मोहगांव(स्वतंत्रमत)। राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार व कलेक्टर जिला पंचायत अधिकारी एवं जिला परियोजना समन्वयक अशोक शुक्ला के निर्देशन में विकासखंड मोहगांव में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान प्रशिक्षण का प्रथम चरण संपन्न हुआ जनपद शिक्षा केंद्र के तत्वावधान में आयोजित प्रशिक्षण में 103 प्रशिक्षणार्थियों ने सहभागिता कर प्रशिक्षण प्राप्त किया प्रशिक्षण का आयोजन माध्यमिक शाला परिसर मोहगांव में किया गया। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष गतसिंह भवेदी एवं शिक्षा समिति अध्यक्ष शिवकुमार अड्डू मिश्रा भी उपस्थित रहे। उन्होंने प्रशिक्षक के रूप में घनश्याम यादव, पुरुषोत्तम नरते, दयाराम धुर्वे, कामता बैरागी, बैनीराम भावरे एवं सुखलाल सैयाम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पेंशनर्स की बैठक आज

मण्डला(स्वतंत्रमत)। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन की जिला शाखा की बैठक आज दोपहर बाद 1 बजे से माहिष्मति घाट स्थित गोंड़ी पब्लिक ट्रस्ट भवन में आयोजित की गई है बैठक की अध्यक्षता जिला शाखा अध्यक्ष बीके राय करेंगे इस बैठक में नई सदस्यता लेने वाले माह सितम्बर 26 में सेवानिवृत हुए पेंशनर्स तथा जिला शाखा में नव पदस्थ पदाधिकारियों का सम्मान किया जावेगा।

मनाया मोगली बाल उत्सव

मण्डला(स्वतंत्रमत)। भारत ज्योति विद्यालय परिसर में जिला स्तरीय मोगली बाल उत्सव का गरिमामयी आयोजन संपन्न हुआ। आयोजन में जिला शिक्षा अधिकारी मुन्नी वरकड़े, सहायक संचालक एमएस सेंदराम एपीसी मुकेश पांडे, वरिष्ठ पर्यावरणविद राजेश छत्री एवं सीवी जोसेफ प्राचार्य भारत ज्योति विद्यालय उपस्थित रहे। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी मुन्नी वरकड़े ने कहा कि मोगली उत्सव बच्चों को पर्यावरण ज्ञान से जोड़ने का एक अच्छा माध्यम है। सहायक संचालक एमएस सेंदराम ने कहा कि मोगली उत्सव से बच्चों को अपने परिवेश के जीव-जंतुओं वनस्पति के विषय में गहराई से जानने का अवसर मिलता है।

प्रबंधन समिति की बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक से पूर्व विद्यालय परिसर में निर्मित मंच का उद्घाटन कलेक्टर ने विद्यार्थियों के हाथों करवाया उन्होंने विद्यार्थियों को अवसर देते हुए उनके माध्यम से मंच का उद्घाटन कराया जिससे विद्यार्थियों में सहभागिता और आत्मविश्वास को बढ़ावा मिला बैठक के प्रारंभ में केंद्रीय विद्यालय की ओर से विद्यालय की शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों उपलब्ध सुविधाओं तथा विभिन्न कार्यों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया गया। बताया गया कि विद्यालय में कुल 598 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। साथ ही, विद्यार्थियों को कक्षा 6वीं से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संबंधित शिक्षा प्रदान की जा रही है।

सद्भावना शिविर आयोजित

मण्डला(स्वतंत्र मत)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती के अवसर पर जनजातीय कार्य विभाग के तत्वावधान में ग्राम पंचायत खेरीमाल जनपद पंचायत मोहगांव में अस्पृश्यता निवारणार्थ सद्भावना शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की मंत्री श्रीमती संपतिया उइके मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, निवास विधायक चैनसिंह वरकड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, एसडीएम संस्कार बावरिया सहित जनप्रतिनिधिगण अधिकारी- कर्मचारी एवं ग्रामीणजन कार्यक्रम में शामिल हुए।

मंडला केवल एक जिला नहीं बल्कि वीरता जनजातीय संस्कृति और नर्मदा सभ्यता का अद्भुत संगम : मुख्यमंत्री

मण्डला(स्वतंत्रमत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 4 अक्टूबर को तेंदूपत्ता बोनस वितरण कार्यक्रम में मंडला आगमन पर जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल, सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे, पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी सहित जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंडला के ऐतिहासिक सांस्कृतिक और प्राकृतिक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि मंडला केवल एक जिला नहीं बल्कि वीरता जनजातीय संस्कृति और नर्मदा सभ्यता का अद्भुत संगम है। गोंडवाना साम्राज्य की गौरवशाली विरासत वीरांगना रानी दुर्गावती का शौर्य गोंड एवं बैगा जनजातियों की समृद्ध संस्कृति और मां नर्मदा का आशीर्वाद मंडला को विशिष्ट पहचान प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि मंडला के महत्व को और अधिक व्यापक रूप से सामने लाने के लिए वे आने वाले समय में मंडला से जुड़े और भी महत्वपूर्ण एवं गौरवपूर्ण बिंदुओं को सामने रखेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंडला में आयोजित तेंदूपत्ता संग्राहकों को बोनस राशि वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

संग्राहकों वन समितियों को बड़ी सौगात

मुख्यमंत्री ने कहा कि मंडला की धरती पर आना सौभाग्य का विषय है। दीपावली का पर्व प्रदेशवासी उत्साह और उमंग के साथ मना सकें इसी उद्देश्य से तेंदूपत्ता संग्राहकों को बोनस राशि का वितरण किया जा रहा है। प्रदेश के 21 लाख से अधिक तेंदूपत्ता संग्राहकों को लगभग 149 करोड़ की बोनस राशि वितरित की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार वनोपज संग्राहकों के हितों और उनके आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में मंडला, डिंडौरी, जबलपुर, सिवनी, बालाघाट जिले के 9 लाख 4 हजार 126 तेंदूपत्ता संग्राहकों को वर्ष 2024 की बोनस राशि 36 करोड़ 17 लाख 37 हजार 518 का वितरण किया जा रहा है। इसी प्रकार पूर्व सामान्य एवं पश्चिम सामान्य वनमंडल मंडला की 84 वन समितियों के 39 हजार 399 सदस्यों को वर्ष 2025-26 की 26 करोड़ 56 लाख 53 हजार 929 की काष्ठ लाभांश राशि वितरित की जा रही है।

टाइगर सफारी जू और रेस्क्यू सेंटर

मुख्यमंत्री ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके की मांग पर मंडला में टाइगर सफारी-जू स्थापित करने की महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने कहा कि मंडला आने वाले पर्यटक यदि सफारी के दौरान बाघ का दीदार नहीं कर पाते हैं तो जू के माध्यम से उन्हें बाघ सहित वन्यजीवों को देखने का अवसर मिलेगा। इसके साथ ही यहां वन्यजीव रेस्क्यू सेंटर भी स्थापित किया जाएगा। जिसमें घायल एवं बीमार वन्यप्राणियों का इलाज किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इससे मंडला में पर्यटन को नई दिशा मिलेगी तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। मुख्यमंत्री ने घुघरी एवं मोहगांव में महाविद्यालय प्रारंभ करने की घोषणा करते हुए क्षेत्र में उच्च शिक्षा के अवसर बढ़ाने की बात कही। उन्होंने एमएसएमई के माध्यम से चार-चिरोंजी जैसे लघु वनोपज की प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने की घोषणा भी की, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार और लघु उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा।

स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंडला में स्वास्थ्य क्षेत्र में विस्तार हेतु मेडिकल कॉलेज का निर्माण हो रहा है तथा क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉक के लिए 16.63 करोड़ की स्वीकृति का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं से जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार होगा।

समितियों को सशक्त किया जायेगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिले में पान की खेती को विकसित किया जायेगा ताकि स्थानीय लोगों को रोजगार मिल सकेगा। इसके साथ ही पशुधन संवर्धन व दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए दुग्ध समितियों को सशक्त करने के लिए कहा ताकि दुग्ध उत्पादक किसानों को उचित लाभ मिल सके। इसके लिए गांव-गांव में दुग्ध सहकारी समितियां बनाई जाएंगी और किसानों को दूध का सही दाम दिलाया जायेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि अभी 1500 सुगम बस परिवहन सेवा प्रारंभ की गई है, आने वाले समय में गांव-गांव तक इसका विस्तार किया जायेगा, जिससे गरीबों को गांव से आने-जाने के लिए सरकारी बस और सार्वजनिक परिवहन की सेवा मिल सकेगी।

मंत्री ने सीएम का किया आभार

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि मंडला की पावन धरती पर मुख्यमंत्री का आगमन जिलेवासियों के लिए गौरव और सौभाग्य का विषय है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश के साथ-साथ मंडला जिले में भी विकास के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। आज तेंदूपत्ता संग्राहकों को बोनस राशि का वितरण होने के साथ विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया जा रहा है जिससे जिले के विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री का मंडला को विकास की महत्वपूर्ण सौगातें देने के लिए आभार व्यक्त किया।

सांसद ने दिया उद्बोधन

सांसद श्री कुलस्ते ने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकार गरीब किसान श्रमिक आदिवासी और जनजातीय समाज के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। तेंदूपत्ता संग्राहकों को बोनस राशि का वितरण सरकार की जनकल्याणकारी सोच का महत्वपूर्ण उदाहरण है। उन्होंने कहा कि मंडला सहित पूरे क्षेत्र में सड़क शिक्षा स्वास्थ्य रोजगार और पर्यटन के क्षेत्र में लगातार विकास कार्य किए जा रहे हैं। आज जिन विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया जा रहा है, उनसे आने वाले समय में जिले के विकास को और गति मिलेगी।

200 करोड़ की लागत के 27 विकास कार्यों का लोकार्पण

मुख्यमंत्री द्वारा मंडला जिले में 260 करोड़ 62 लाख 38 हजार रुपये की लागत के 47 विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं 200 करोड़ 2 लाख 38 हजार रुपये की लागत के 27 विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया। लोकार्पित प्रमुख कार्यों में बिछिया एनएच-30 से सरई गेट मार्ग, लंबाई 8.90 किलोमीटर, लागत 17.0196 करोड़ रुपये, सांदीपनि शासकीय मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल बिछिया के भवन निर्माण कार्य की लागत 39.46 करोड़ रुपये, संयुक्त तहसील कार्यालय भवन निवास का निर्माण कार्य 7.9 करोड़ रुपये, सांदीपनि विद्यालय घुटास के निर्माण कार्य की लागत 33.15 करोड़ रुपये तथा सांदीपनि विद्यालय सागर, जिला मंडला के निर्माण कार्य की लागत 27.69 करोड़ रुपये शामिल हैं। इसके साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, जनजातीय विकास, सड़क एवं अन्य अधोसंरचना से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों को भी लोकार्पित किया गया। इस प्रकार कुल 27 कार्यों का 200.02 करोड़ रुपये की लागत से लोकार्पण किया गया।

47 विकास कार्यों का भूमि पूजन

मुख्यमंत्री द्वारा मंडला जिले में 260 करोड़ 62 लाख 38 हजार रुपये की लागत से कुल 47 विकास कार्यों का भूमि पूजन किया गया। इनमें मगरदा-बोदा-तिलहरी मार्ग, लंबाई 4.50 किलोमीटर, लागत 9.3985 करोड़ रुपये, खैरी-झुरकी-पौड़ी मार्ग में बुढ़नेर नदी पर पहुंच मार्ग सहित पुल निर्माण, लागत 14.52 करोड़ रुपये, शासकीय महाविद्यालय नारायणगंज लागत 16.78 करोड़ रुपये, नवीन एकीकृत कलेक्टर कार्यालय भवन मंडला, लागत 33.92 करोड़ रुपये, नवीन नर्सिंग कॉलेज मंडला, लागत 14.80 करोड़ रुपये, पुलिस लाइन मंडला में 12 एनजीओ एवं 48 आरक्षक आवास गृह निर्माण, लागत 12.54 करोड़ रुपये तथा पुलिस अधीक्षक कार्यालय भवन निर्माण, लागत 4.11 करोड़ रुपये सहित सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, जनजातीय विकास एवं अन्य अधोसंरचना से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। इन सभी 47 कार्यों की कुल स्वीकृत लागत 260.62 करोड़ रुपये है।

मंगल दास टांडिया बने प्रांतीय सचिव

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)

मध्यप्रदेश वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन प्रांतीय शाखा भोपाल का प्रांतीय सम्मेलन जिला अनूपपुर के श्री गणेश विनायक लॉज में विभिन्न जिलों की उपस्थिति में निर्वाचन अधिकारी रामनरेश तिवारी के मार्गदर्शन में निर्वाचन प्रक्रिया प्रारंभ हुई जिसमें प्रांतीय अध्यक्ष पद पर राजकुमार दुबे को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया साथ ही विभिन्न पदों पर निर्विरोध नामों को निर्विरोध निर्वाचित किया गया इसी क्रम में भुआ बिछिया निवासी मंगल दास टांडिया सेवानिवृत्ति शिक्षक को प्रांतीय सचिव पद पर अध्यक्ष राजकुमार दुबे की अनुशंसा पर निर्वाचित घोषित किया गया जिस परिपेक्ष में 1 अक्टूबर को तहसील शाखा बिछिया की मासिक बैठक में नवनिर्वाचित प्रांतीय सचिव मंगल दास टांडिया को इसाफ बैंक शाखा प्रबंधक श्री मिश्रा के द्वारा श्रीफल एवं शॉल से सम्मान किया गया इस सम्मान समारोह में बैंक शाखा प्रबंधक हृदयेश मिश्रा, तहसील शाखा अध्यक्ष डीएल गवले, विनोद कुमार गुप्ता, गुलाब सिंह जंघेला, शिवचरण झारिया, प्रताप सिंह धुर्वे, अशोक कुमार पांडे, गिरधारी पटेल, रामस्वरूप नामदेव, तेज लाल राय, अजय पाल पटेल, विष्णु तिवारी एवं नवनियुक्त सदस्य सेवानिवृत शिक्षक रमलसिंह सिंद्रांम सीएमराइज स्कूल घुटास को सदस्यता दिलाई गई एवं तिलक एवं पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया।

कांग्रेस विधायकों की उपेक्षा से उपजा असंतोष

मण्डला(स्वतंत्रमत)

मुख्यमंत्री मोहन यादव के मंडला आगमन के दौरान कांग्रेस ने जनप्रतिनिधियों के प्रोटोकॉल में कथित उपेक्षा और छात्रों-युवाओं की गिरफ्तारी को लेकर शासन-प्रशासन के खिलाफ विरोध जताया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि तेंदूपत्ता संग्रहण बोनस वितरण कार्यक्रम में जिले के दोनों कांग्रेस विधायक नारायण सिंह पट्टा और चैनसिंह वरकड़े का नाम प्रोटोकॉल में शामिल नहीं किया गया जिससे उनके जनप्रतिनिधित्व और सम्मान की अनदेखी हुई है कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का कहना है कि निर्वाचित विधायकों की उपस्थिति वाले शासकीय कार्यक्रम में प्रोटोकॉल के तहत उनका सम्मान सुनिश्चित किया जाना चाहिए था इसी मुद्दे को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला कांग्रेस कार्यालय में एकत्र होकर मुख्यमंत्री और शासन-प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की रणनीति बनाई तथा काले झंडे दिखाकर विरोध दर्ज कराया लेकिन उन्हें कार्यक्रम स्थल तक जाने नही दिया गया। डॉक्टर अशोक मर्सकोले अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी ने बताया कि पुलिस ने जिला कांग्रेस कार्यालय के पास ही नजर बंद करते हुए बैरीकेट लगा दिए। जिससे कार्यकर्ता विरोध दर्ज कराने कार्यक्रम स्थल नही पहुंच पाए लेकिन उनकी आवाज दबने वाली नही हैं। वहीं मुख्यमंत्री के आगमन के दौरान छात्रों की समस्याओं को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से ज्ञापन सौंपने जा रहे एनएसयूआई कार्यकर्ता जिसमें नगर अध्यक्ष अंकित रजक, प्रशांत बर्मन, युवा कांग्रेस कार्यकर्ता संजय आर्मो और शुभम तिवारी को पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर थाने में बैठाए जाने का कांग्रेस एवं युवा संगठनों ने विरोध किया एनएसयूआई और युवा कांग्रेस नेताओं ने कहा कि छात्र और युवा अपनी समस्याओं को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने जा रहे थे ऐसे में उन्हें गिरफ्तार किया जाना लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है उन्होंने सवाल उठाया कि क्या छात्रों की आवाज उठाना अपराध है और क्या लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखना अब गुनाह हो गया है कांग्रेस नेताओं ने पुलिस कार्यवाही की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि सत्ता के दबाव में छात्रों और युवाओं की आवाज को दबाने का प्रयास स्वीकार नहीं किया जाएगा।

नैनपुर बस स्टैंड बना बसों का पार्किंग अड्डा

हाल्टिंग के नाम पर कई-कई दिनों तक खड़ी रहती हैं बसें, दुकानदार और यात्री परेशान

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नगर के बस स्टैंड में बसों की अनियंत्रित हाल्टिंग अब यात्रियों और दुकानदारों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही है। बस स्टैंड परिसर में कई बसें निर्धारित समय के बजाय घंटों ही नहीं, बल्कि कई दिनों तक एक ही स्थान पर खड़ी रहती हैं। वहीं कुछ पुरानी और कबाड़नुमा बसें भी लंबे समय से परिसर में खड़ी दिखाई दे रही हैं। बसों के लगातार खड़े रहने से बस स्टैंड की व्यवस्था प्रभावित हो रही है। कई दुकानों के सामने बसें खड़ी रहने के कारण दुकानदारों के कारोबार पर असर पड़ रहा है, वहीं यात्रियों के आवागमन में भी बाधा उत्पन्न हो रही है। स्थिति यह है कि बसों की आड़ में खाने-पीने की दुकानों और सुलभ शौचालय तक का रास्ता और सामने का हिस्सा तक दिखाई नहीं देता। इससे यात्रियों, विशेषकर बाहर से आने वाले लोगों को आवश्यक सुविधाएं तलाशने में परेशानी होती है।

बस हटाने को कहने पर विवाद की स्थिति- दुकानदारों का कहना है कि दुकान के सामने अनावश्यक रूप से बस खड़ी होने पर जब वाहन हटाने के लिए कहा जाता है, तो कई बार विवाद की स्थिति निर्मित हो जाती है। ऐसे में दुकानदारों को अपने ही प्रतिष्ठानों के सामने खड़ी बसों के कारण असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

नियम हैं तो पालन भी जरूरी- बस स्टैंड में बसों के खड़े होने और हाल्टिंग को लेकर निर्धारित व्यवस्था है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब हाल्टिंग के नियम निर्धारित हैं, तो लंबे समय तक बसों को एक ही स्थान पर खड़े रहने की अनुमति कैसे मिल रही है? लंबे समय से खड़ी बसों की जांच और अनावश्यक हाल्टिंग पर कार्रवाई कब होगी? दुकानदारों और यात्रियों ने प्रशासन से मांग की है कि बस स्टैंड की व्यवस्था का निरीक्षण कर अनावश्यक एवं लंबे समय तक की जा रही हाल्टिंग पर रोक लगाई जाए, पुरानी एवं अनुपयोगी बसों को परिसर से हटाया जाए तथा बस स्टैंड में आवागमन और यात्री सुविधाओं को व्यवस्थित किया जाए। इससे बस स्टैंड का उपयोग सुचारु रूप से हो सकेगा और यात्रियों एवं दुकानदारों को राहत मिलेगी।

विभिन्न मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा अखिल भारतीय ओबीसी महासभा एवं किसान संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने विभिन्न जनहित एवं किसान समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा है। जिसमें राष्ट्रीय जनगणना के फॉर्म में ओबीसी का अलग कॉलम शामिल किए जाने सहित किसानों और क्षेत्रीय विकास से जुड़ी कई मांगें उठाई गई हैं। मांग है कि धान खरीदी में किसानों को 3500 प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य दिया जाए। इसके अलावा शहर में पार्किंग की समुचित व्यवस्था करने तथा सीवर लाइन के कारण क्षतिग्रस्त हुई सड़कों का शीघ्र निर्माण कराने मांग की गई राष्ट्रीय राजमार्ग की खराब स्थिति में सुधार कर सड़क को दुरुस्त करने मांग भी ज्ञापन में शामिल रही ज्ञापन में ग्राम काछरी को स्वतंत्र ग्राम पंचायत घोषित करने सुरपन नदी में स्टॉप डेम निर्माण तथा करियागांव एवं मरारटोला क्षेत्र में मटियारी नदी पर स्टॉप डेम बनाने की मांग रखी गई इससे क्षेत्र में जल संरक्षण और सिंचाई की सुविधा बढ़ने की उम्मीद जताई गई इसके साथ ही मरारटोला से माधोपुर के बीच सड़क निर्माण कराने आंगनबाड़ी के लिए शाला भवन का निर्माण करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने मांग की गई।

हत्या का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

मण्डला/घुघरी(स्वतंत्रमत)। ग्राम भैंसवाही में 80 वर्षीय बुजुर्ग सोहन सिंह सरौते की धारदार हथियार से हत्या के मामले का घुघरी पुलिस ने 48 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए 60 वर्षीय आरोपी धौकल धुर्वे को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी को संदेह था कि मृतक तंत्र-मंत्र और जादू-टोना करता है इसी रंजिश के चलते उसने वारदात को अंजाम दिया पुलिस के मुताबिक 29 सितंबर को चौकी सलवाह में सूचना मिली थी कि सोहन सिंह सरौते की उनके घर के कमरे में हत्या कर दी गई है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। प्रार्थी रतन सिंह सरौते की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 208/2026, धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया विवेचना के दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने धौकल धुर्वे, निवासी स्कूलटोला भैंसवाही को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त बका जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया कार्यवाही पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा एवं एसडीओपी बिछिया सौरभ तिवारी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी घुघरी निरीक्षक प्रकाश चन्द्रसेन और चौकी प्रभारी सलवाह निरीक्षक हितेश शर्मा के नेतृत्व में की गई।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
सोमवार 05 अक्टूबर 2026

संपादकीय

उपलब्धियां और सबक

जापान के आइची-नागोया में आयोजित हुए एशियन गेम्स के समापन के साथ ही भारतीय खेल इतिहास में एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। महाद्वीपीय खेलों के इस महाकुंभ में भारतीय दल ने कुल 85 पदकों (21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य) पर कब्जा जमाते हुए पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया। भले ही पदकों की कुल संख्या पिछले संस्करण (हांगझोउ, 2023) के ऐतिहासिक आंकड़े से थोड़ी कम रही हो, किंतु यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि भारतीय खेल संस्कृति अब एकमुश्त चमकने के बजाय निरंतरता और स्थिरता की ओर बढ़ रही है। यह प्रदर्शन कई मायनों में ऐतिहासिक और प्रेरणादायक है। पिछले संस्करणों की तुलना में यदि आकलन करें, तो भारत का यह अब तक का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। पारंपरिक रूप से जिन खेलों में भारत का दबदबा रहा है, वहां खिलाड़ियों ने अपनी श्रेष्ठता साबित की है।

इस बार के एशियन गेम्स की सबसे बड़ी खूबी हमारे पारंपरिक और टीम खेलों का बेजोड़ प्रदर्शन रहा है। भारत ने क्रिकेट, हॉकी और कबड्डी जैसी लोकप्रिय और चुनौतीपूर्ण स्पर्धाओं में पुरुष और महिला दोनों ही वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। इसके साथ ही, कुश्ती, शूटिंग, तीरंदाजी और गोल्फ जैसे व्यक्तिगत स्पर्धाओं में खिलाड़ियों ने अनुकरणीय जज्बा दिखाया। इस बार के एशियन गेम्स की सबसे बड़ी खूबी पारंपरिक खेलों से परे नए क्षेत्रों में भारत की पहुंच रही है। सॉफ्टबॉल, मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स और वाटर स्पोर्ट्स जैसी विधाओं में भारत का पदक तालिका में खाता खोलना यह बताता है कि अब देश की खेल प्रतिभा महानगरों के सीमित दायरे से निकलकर छोटे शहरों और गांवों के युवाओं तक फैल चुकी है। जमीनी स्तर पर 'खेलो इंडिया' जैसे अभियानों, आधुनिक खेल विज्ञान केंद्रों की स्थापना और एथलीटों को मिल रही वित्तीय पारदर्शिता ने इस बदलाव में उत्प्रेरक की भूमिका निभाई है।

इस समग्र प्रगति के पीछे पिछले कुछ वर्षों में देश के खेल इकोसिस्टम में आए सकारात्मक बदलाव है। 'खेलो इंडिया' अभियान, टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम और खिलाड़ियों को मिलने वाली वित्तीय व तकनीकी सहायता ने धरातल पर काम करना शुरू कर दिया है। एथलीटों को अब अंतरराष्ट्रीय स्तर की ट्रेनिंग, स्पोर्ट्स साइंस, फिजियोथेरेपी और डायटीशियन की सुविधा समय पर मिल रही है। प्रशासनिक पारदर्शिता और राष्ट्रीय महासंघों के बेहतर समन्वय ने खिलाड़ियों का आधा मानसिक बोझ कम कर दिया है, जिससे वे पूरी तरह से अपने खेल पर ध्यान केंद्रित कर पा रहे हैं। हालांकि, सफलता के इन चमकते पहलुओं के बीच कुछ ऐसे क्षेत्र भी हैं, जिन पर आत्मविश्लेषण की सख्त आवश्यकता है। कुछ प्रमुख स्पर्धाओं में पिछले संस्करण की तुलना में स्वर्ण पदकों का बचाव न कर पाना यह संकेत देता है कि हमें अपनी खेल अकादमियों में प्रशिक्षण के स्तर को और अधिक वैश्विक मानकों के अनुरूप ढालना होगा। खेल प्रशासन में पेशेवर रवैया और युवा प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर के अधिक से अधिक अवसर देना ही भविष्य की सफलताओं की कुंजी है। आइची-नागोया एशियन गेम्स के यह नतीजे सिर्फ पदकों का हिसाब नहीं हैं, बल्कि यह एक उभरते हुए और आश्वस्त भारत की तस्वीर पेश करते हैं। वर्ष 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तरफ कदम बढ़ाने से पहले यह जरूरी है कि हम अपनी सफलताओं का जश्न मनाने के साथ-साथ कमियों को सुधारें। सरकार, खेल संघों और नागरिकों- तीनों को मिलकर एक ऐसा मजबूत स्पोर्ट्स इकोसिस्टम तैयार करना होगा, जहां हर प्रतिभाशाली युवा को सपने देखने और उन्हें सच करने का पूरा अवसर मिले।

नीरजा भनोट से स्मित मच्छार तक

हिन्दुओं की शूरवीरता की कायल दुनिया

राकेश सैन

30 सितम्बर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड-1073 में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब कॉकपिट के अंदर दोनों पायलटों के बीच हिंसक झड़प हो गई। घटना के दौरान भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद विमान अचानक तेजी से नीचे जाने लगा।

कैप्टन स्मित मच्छार की बहादुरी को जहां आज पूरी दुनिया सलाम कर रही है वहीं इस घटना ने आज से लगभग चालीस साल पहले हुई इसी तरह की घटना की याद दिलवा दी है जब एक अन्य हिंदू विरांगना नीरजा भनोट ने अपनी जान दे कर जहाज में सवार कई दर्जन यात्रियों की जान बचाई थी। आज पूरी दुनिया हिन्दुओं की इसी बहादुरी व कर्तव्यपरायणता को सलाम कर रही है।

30 सितम्बर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड-1073 में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब कॉकपिट के अंदर दोनों पायलटों के बीच हिंसक झड़प हो गई। घटना के दौरान भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद विमान अचानक तेजी से नीचे जाने लगा। विमान ने बेहद कम समय में हजारों फीट की ऊंचाई खो दी। स्थिति बिगड़ती देख यात्रियों और चालक दल के सदस्यों ने कॉकपिट तक पहुंचने की कोशिश की। घायल होने के बावजूद कैप्टन मच्छार ने कॉकपिट का दरवाजा खोलने में मदद की, जिससे अंदर मौजूद हमलावर को काबू करना का रास्ता बना।

इसके बाद इजरायली यात्री यानिव हयून ने कॉकपिट के अंदर पहुंचे, हयून ने हमलावर को पीछे से पकड़कर नियंत्रण से दूर किया और पायलट की सीट पर पहुंचकर विमान को संभालने में मदद की। इस तरह स्मित मच्छार ने जहाज में सवार 174 लोगों की जान बचाई, जिनमें अधिकतर इस्राइली नागरिक थे। विमान को क्रैश करने की कोशिश करने वाला को-पायलट ओमान का निवासी था।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत दुनिया भर के बड़े नेताओं ने इस हिन्दू सपूत की बहादुरी की प्रशंसा की है। नेतन्याहू ने कैप्टन स्मित मच्छार के साहस को 'अविस्मरणीय' बताया। उन्होंने कहा कि घायल होने के बावजूद भारतीय पायलट ने जिस तरह स्थिति का सामना किया, उसने यात्रियों और चालक दल को हस्तक्षेप का मौका दिया। पीएम मोदी ने उन्हें 'हीरो' बताते हुए कहा कि उनके साहस ने सैकड़ों लोगों की जान बचाने और एक बड़ी त्रासदी को टालने में मदद की। डोनाल्ड ट्रंप ने भी घटना को लेकर कैप्टन मच्छार और यात्री यानिव हयून की तारीफ की। ट्रंप ने कहा कि गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद पायलट ने दरवाजा खोलकर अहम भूमिका निभाई। वैसे इस घटना का आधिकारिक कारण सामने नहीं आया है परंतु समझा जा रहा है कि अगर दुर्घटना हो जाती तो यह अमेरिका के ट्विन टावरों पर हुए आतंकी घटना का ही दूसरा रूप होती, संभव है इसके बाद इस्राईल की भी सैनिक प्रक्रिया होती और दुनिया में शांति व्यवस्था को नया खतरा पैदा हो जाता, जो पहले ही ईरान-अमेरिका और रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते संकट में चली आ रही है। स्मित मच्छार की बहादुरी ने न केवल पौने दो सौ लोगों का जीवन बचाया बल्कि दुनिया को भी एक बड़े संकट से बचा लिया।

30 सितम्बर को हुई इस घटना ने एक और हिन्दू विरांगना नीरजा भनोट का पुण्य स्मरण करवा दिया है जो इसी तरह की घटना में शहीद हुई थीं परंतु जीवन के अंतिम क्षण तक अपहृत जहाज के यात्रियों की सुरक्षा के लिए आतंकियों से लड़ती रहीं। उनकी बहादुरी को देख कर पाकिस्तान ने भी उन्हें तमगा-ए-इंसानियत पुरस्कार से सम्मानित किया। 5 सितंबर 1986 की सुबह कराची का जिन्ना अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पैन अमेरिकन वर्ल्ड की फ्लाइट 73 मुंबई से न्यूयॉर्क के सफर पर थी और कराची उसका एक पड़ाव था। विमान में करीब 360 यात्री और 19 क्रू सदस्य मौजूद थे। लेकिन अचानक विमान में चार हथियारबंद आतंकी घुस आए और उन्होंने फ्लाइट को हाईजैक कर लिया। उस समय विमान की सीनियर फ्लाइट पर्सर थीं 22 साल की नीरजा भनोट। हालात बेहद खतरनाक थे, लेकिन नीरजा ने घबराने के बजाय तुरंत समझ लिया कि यात्रियों को बचाने के लिए क्या करना जरूरी है। उन्होंने कॉकपिट तक हाईजैक का संकेत पहुंचाया। इसकी वजह से पायलट और दूसरे कॉकपिट क्रू सदस्य विमान से बाहर निकलने में कामयाब रहे जिससे विमान के उड़ान भरने की संभावना खत्म हो गई और आतंकवादी अंदर फंस गए यात्रियों पर नियंत्रण बनाए रखने की कोशिश करने लगे। आतंकवादियों की नजर अमेरिकी यात्रियों पर थी। नीरजा ने अमेरिकी यात्रियों के पासपोर्ट छिपाने शुरू कर दिए। पासपोर्ट कूड़ेदान में डाल दिए गए, ताकि आतंकवादियों को यह पता न चल सके कि विमान में कौन-कौन से अमेरिकी नागरिक मौजूद हैं। करीब 17 घंटे तक विमान जमीन पर खड़ा रहा। जब विमान की बिजली चली गई, तो स्थिति अचानक और ज्यादा खतरनाक हो गई। अंधेरे का फायदा उठाकर आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। अफरा-तफरी के बीच नीरजा ने इमरजेंसी गेट खोल दिया। उनके सामने मौका था कि वह खुद सबसे पहले विमान से बाहर निकल जाएं, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।

उन्होंने यात्रियों को बाहर निकालने में मदद करना शुरू किया। नीरजा ने बच्चों समेत कई यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकलने में मदद की। इसी दौरान वह आतंकवादियों की गोली का निशाना बन गईं। तीन बच्चों को बचाने की कोशिश करते हुए उन्हें गोली मार दी गई। गंभीर रूप से घायल नीरजा को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। इस घटना में 20 लोगों की मौत हुई। हालांकि, नीरजा की सूझबूझ और साहस के कारण सैकड़ों यात्री सुरक्षित बच पाए।

नीरजा भनोट की बहादुरी को भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में सम्मान मिला। भारत सरकार ने उन्हें मरणोपरांत अशोक चक्र से सम्मानित किया। पाकिस्तान ने भी उनकी बहादुरी को मान्यता देते हुए उन्हें 'तमगा-ए-इंसानियत' से सम्मानित किया। अमेरिका में भी उनकी बहादुरी के लिए उन्हें कई सम्मान मिले। बाद के वर्षों में उनके सम्मान में डाक टिकट जारी किया गया और मुंबई में एक चौक का नाम भी उनके नाम पर रखा गया। आज स्मित मच्छार ने नीरजा भनोट की उसी बहादुरी की पुनः स्मृति करवा दी है और दुनिया हिन्दुओं की शूरवीरता व कर्तव्यपरायणता को सलाम कर रही है।

मानसिक अवसाद, सामाजिक अकेलापन और बिखरती युवा चेतना

विनोद पाठक

नोएडा की एक ऊंची इमारत से एक युवक की मौत की खबर सामने आती है। कुछ देर के लिए खबर लोगों को विचलित करती है। सोशल मीडिया पर चर्चा होती है, परिवार की तस्वीरें सामने आती हैं और फिर जीवन अपनी गति से आगे बढ़ जाता है। कुछ दिनों बाद शायद किसी को यह भी याद न रहे कि वह युवक कौन था। लेकिन क्या किसी युवा की असमय मौत को महज एक खबर मानकर आगे बढ़ जाना हमारे समाज के लिए खतरनाक सामान्यीकरण नहीं है?

यहां सावधानी भी जरूरी है। किसी आत्महत्या को एक ही कारण से जोड़ना न वैज्ञानिक रूप से उचित है और न सामाजिक रूप से। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार इसके पीछे मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, व्यक्तिगत संकट, रिश्तों में टूटन, सामाजिक अलगाव, आर्थिक कठिनाइयां, बीमारी और कई अन्य परिस्थितियां एक-दूसरे से एक-दूसरे से जुड़ी हो सकती हैं। इसलिए हर घटना को उसके पूरे संदर्भ में समझना जरूरी है। फिर भी, ऐसी घटनाएं हमें समाज के भीतर मौजूद उन दरारों को देखने के लिए मजबूर करती हैं, जिनसे होकर निराशा धीरे-धीरे व्यक्ति के जीवन में प्रवेश करती है। भारतीय समाज में परिवार लंबे समय तक संकट के समय सबसे बड़ी सुरक्षा-व्यवस्था रहा है। संयुक्त परिवार में कई पीढ़ियां साथ रहती थीं। बुजुर्गों की मौजूदगी, भाई-बहनों का साथ और रोजमर्रा का संवाद व्यक्ति को यह एहसास देते थे कि वह अकेला नहीं है। आज शिक्षा और रोजगार के लिए युवाओं का दूसरे शहरों में जाना सामान्य है।

छोटे परिवार बढ़े हैं और जीवन की गति तेज हुई है, लेकिन असली समस्या परिवार के आकार से अधिक भावनात्मक उपलब्धता की है। एक घर में चार लोग साथ रह सकते हैं और फिर भी उनमें से कोई भीतर से पूरी तरह अकेला हो सकता है। दूसरी ओर, परिवार से सैकड़ों किलोमीटर दूर रहने वाला युवा नियमित संवाद और भरोसे के रिश्तों के कारण मानसिक रूप से सुरक्षित हो सकता है। आज का युवा पहले की किसी भी पीढ़ी से अधिक कनेक्टेड दिखाई देता है। फोन में सैकड़ों संपर्क और सोशल मीडिया पर हजारों फॉलोअर्स हैं, लेकिन डिजिटल संपर्क और मानवीय जुड़ाव एक ही चीज नहीं हैं। सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाली दूसरों की चमकदार जिंदगी भी मानसिक दबाव बढ़ा सकती है। किसी की नई नौकरी, विदेश यात्रा, महंगी कार या उपलब्धि देखकर अपने जीवन को कमतर आंकने का भाव पैदा हो सकता है। फोमो यानी फियर ऑफ मिसिंग आउट जैसी प्रवृत्तियां पहले से मौजूद तनाव को और गहरा कर सकती हैं। इसे अवसाद का अकेला कारण नहीं माना जा सकता, लेकिन यह मानसिक दबाव बढ़ाने वाला कारक जरूर हो सकता है। समस्या कर्ज लेने में नहीं है। समस्या तब पैदा होती है, जब व्यक्ति अपनी आय, ब्याज और भुगतान क्षमता को समझे बिना लगातार वित्तीय दायित्व लेता जाता है। इसलिए वित्तीय साक्षरता अब केवल अर्थशास्त्र का विषय नहीं, बल्कि युवाओं के लिए जरूरी जीवन-कौशल है। इसके साथ कर्ज में फंसे व्यक्ति के साथ व्यवहार भी महत्वपूर्ण है।

वसूली के नाम पर धमकी, अपमान, अनुचित समय पर लगातार फोन या परिजनों को परेशान करना स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक ने ऋण वसूली में अनुचित और उत्पीड़नकारी व्यवहार पर स्पष्ट दिशानिर्देश जारी किए हैं। आर्थिक संकट में फंसे व्यक्ति को समस्या से बाहर निकालने की कोशिश होनी चाहिए, उसे और गहरे मानसिक संकट में धकेलने की नहीं। युवाओं के मानसिक दबाव का एक बड़ा कारण हमारी सफलता की परिभाषा भी है, अच्छे अंक, प्रतिष्ठित कॉलेज, बड़ा पैकेज, महंगी कार, अपना घर और ऊंचा पद। मानो जीवन का मूल्य उपलब्धियों की इसी सूची से तय होता हो। बच्चों को बचपन से सबसे आगे रहने की सीख दी जाती है, लेकिन यह कम बताया जाता है कि पीछे रह जाना जीवन का अंत नहीं है। किसी का करियर 22 वर्ष में शुरू होता है, किसी का 30 में। कोई पहली कोशिश में सफल होता है, किसी को कई बार असफल होने के बाद रास्ता मिलता है।

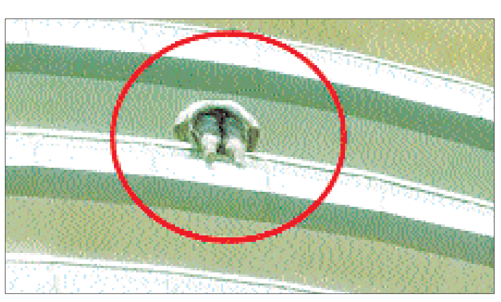

एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार परीक्षा में असफलता के कारण दर्ज आत्महत्याएं कुल मामलों का 1.4 प्रतिशत थीं। हर संख्या के पीछे एक परिवार और एक जीवन है। बच्चों को यह समझाना होगा कि परीक्षा के अंक उनका मूल्य तय नहीं करते, नौकरी का पैकेज उनकी पहचान नहीं है और असफलता उनका अंतिम परिचय नहीं है।

शारीरिक बीमारी होने पर हम डॉक्टर के पास जाते हैं, लेकिन मानसिक परेशानी की बात आते ही समाज में संकोच और चुप्पी छा जाती है। अवसाद, अत्यधिक चिंता, सामाजिक रूप से कट जाना, व्यवहार में अचानक बड़ा बदलाव, लगातार निराशा या खुद को असहाय महसूस करना ऐसे संकेत हो सकते हैं जिन पर ध्यान देने की जरूरत है। भारत में केंद्र सरकार की टेली-मानस सेवा 24 घंटे मानसिक स्वास्थ्य सहायता उपलब्ध कराती है। इसके लिए 14416 या 1800-891-4416 पर संपर्क किया जा सकता है। जरूरत इस बात की है कि ऐसी सेवाओं की जानकारी स्कूलों, कॉलेजों, कार्यस्थलों और स्थानीय समुदायों तक पहुंचे और मानसिक स्वास्थ्य सामान्य बातचीत का हिस्सा बने। हमारी शिक्षा व्यवस्था बच्चों को परीक्षाओं के लिए तैयार करती है, लेकिन क्या वह उन्हें असफलता के लिए भी तैयार करती है? क्या उन्हें बताया जाता है कि रिजल्ट उम्मीद के मुताबिक न आए तो क्या करना है? क्या उन्हें यह विश्वास दिया जाता है कि मानसिक परेशानी होने पर वे माता-पिता, शिक्षक या विशेषज्ञ से मदद मांग सकते हैं?

मनपसंद गाना सुनना, खुशियां बांटना व बेवजह तारों को निहारना भी खुशी दे सकता है

ज्योति भास्कर

जिंदगी को खुशनुमा बनाने के लिए बड़े बदलाव जरूरी नहीं। मनपसंद गाना सुनना, खुशियां बांटना व बेवजह तारों को निहारना भी खुशी दे सकता है।

रोजमर्रा की आपाधापी में हम अक्सर उन छोटे-छोटे पलों को नजरअंदाज कर देते हैं, जो हमारे चेहरे पर सहज मुस्कान ला सकते हैं, लेकिन मेरा मानना है कि जीवन का असली सुकून इन्हीं साधारण चीजों में छिपा है। जब आपका पसंदीदा गाना बजे, तो दुनिया की परवाह किए बिना झूम उठिए। संगीत में पूरी तरह खो जाने की यह मासूम खुशी दिल का बोझ हल्का कर देती है।

दूसरों के साथ छोटी-सी खुशी साझा करना भी आपके दिन को खुशनुमा बना सकता है। इंटरनेट के कुछ कोने हमें अनोखे तरीके से लोगों से जोड़े रखते हैं। जैसे, ताश के पत्तों का वही पुराना खेल, जिसे हम कभी बोरियत मिटाने के लिए खेला करते थे। अगर उसे कुछ ऐसे खेला जाए कि आप अपने साथ-साथ दुनियाभर के अजनबियों को भी उसमें?शामिल कर सकें, तो खेल का पूरा एहसास ही बदल जाता है। सब अपनी-अपनी जगह पर अकेले हैं, मगर एक ही जैसी छोटी-छोटी जीतों का जश्न एकसाथ मना रहे हैं। यह हमें एहसास दिलाता है कि हम अपने दायरों में अकेले होकर भी वास्तव में अकेले नहीं हैं। इसके अलावा, जिंदगी में आने वाले लोगों और मुलाकातों को किसी गेस्ट बुक या तस्वीरों के जरिये सहेजना हमें इस बात का आभास कराता है कि हमारा जीवन कितने आत्मीय रिश्तों से समृद्ध रहा है।

अकेलेपन के इस दौर में दोस्तों और परिवार के साथ मिलकर रहना, खाना खाना और खुशियां बांटना एक आदर्श जीवनशैली है, जो व्यावहारिक चुनौतियों के बावजूद, अपनापन महसूस कराती है। वहीं जब मन संदेह और उलझनों से घिर जाए, तो अमेरिकी उपन्यासकार ऐनी लैमॉट के 'चार अटल नियम' हमें स्वीकार्यता का गहरा सुकून देते हैं कि जो मौजूद हैं, वही सही लोग हैं, जो शुरू हुआ, वही सही वक्त था, जो हुआ, वही हो सकता था, और जो खत्म हुआ, वह पूरा हो चुका है। अंत में, हवाई जहाज की खिड़की से या जमीन पर रहकर बादलों व तारों को निहारना अपने आप में सुकून भरा है। यह हमें सिखाता है कि हमारी परेशानियां उनके सामने कितनी छोटी हैं।

शायद जिंदगी को खुशनुमा बनाने के लिए बहुत कुछ बदलने की जरूरत नहीं। कभी पसंदीदा गाना सुनिए, कभी किसी के साथ खुशियां बांटिए, यादें सहेजिए, कुछ चीजें छोड़ दीजिए और तारों को निहारना मत भूलिए।

4 साल में पहली बार एक सुर में बोले रूस और यूक्रेन, दोनों को पसंद आया मोदी का प्रस्ताव

नीरज कुमार दुबे
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

नीरज कुमार दुबे चार साल से ज्यादा समय से जंग लड़ रहे रूस और यूक्रेन के मोर्चे भले आज भी आमने-सामने हों, लेकिन शांति के सवाल पर दोनों तरफ से निकली आवाज पहली बार एक ही दिशा में जाती दिखाई दी है। और यह दिशा दी है भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने भारत के प्रस्ताव को युद्ध समाप्त करने के लिए सामने आए चार प्रस्तावों में सबसे व्यापक बताया है। दूसरी तरफ रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी खुलकर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी लगातार इस संघर्ष को खत्म करने का सवाल उठाते रहे हैं और उनके पास दोनों पक्षों को स्वीकार्य समाधान के लिए卐बहुत अच्छे विचार卐 हैं। देखा जाये तो युद्ध के मैदान में एक-दूसरे पर हमला कर रहे मॉस्को और कीव की तरफ से आई इन टिप्पणियों ने भारत की उस कूटनीतिक पहल को अचानक केंद्र में ला दिया है, जो अब तक बंद कमरों की बातचीत से निकलकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर दिखाई देने लगी है।

यह घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पहली बार यूक्रेन की ओर से भारत की पहल को सार्वजनिक रूप से इतनी स्पष्ट मान्यता मिली है। सिबिहा के अनुसार भारत ने पहली बार इस प्रक्रिया में भूमिका निभाने की इच्छा का संकेत दिया है। यूक्रेन ऊर्जा क्षेत्र और काला सागर में युद्धविराम पर विचार करने को तैयार है, बशर्ते ऊर्जा तथा बंदरगाह ढांचे पर हमले भी रुकें। साथ ही कीव ने संपर्क रेखा पर बिना शर्त युद्धविराम के विकल्प को भी खुला बताया है।

उधर, भारत की पहल की व्यापकता का सबसे बड़ा संकेत यही है कि यह केवल गोलाबारी रोकने तक सीमित नहीं दिखती। इसमें ऊर्जा सुरक्षा, बंदरगाहों, काला सागर में व्यापार और कृषि आपूर्ति जैसे उन क्षेत्रों को जोड़ने की कोशिश है, जिनका सीधा संबंध युद्ध से बाहर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा से है। वहीं तुर्किये और मिस्र की पहल मुख्यतः काला सागर तथा अनाज निर्यात से जुड़ी बताई गई है, जबकि अमेरिका की पहल ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमले रोकने पर केंद्रित है।

यहीं पुतिन का बयान बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा कि मोदी रूस के साथ अच्छे और मित्रतापूर्ण संबंध होने के बावजूद लगातार युद्ध समाप्त करने का प्रश्न उठाते हैं और दोनों पक्षों के लिए स्वीकार्य समाधान खोजने में उनकी गहरी रुचि है। पुतिन ने मोदी के शांतिपूर्ण तरीके से और जल्द से जल्द संघर्ष समाप्त करने के प्रयासों के लिए आभार भी जताया।

देखा जाये तो मोदी की यह भूमिका अचानक पैदा नहीं हुई। वर्ष 2022 में ही उन्होंने कहा था कि 卐यह युद्ध का युग नहीं है卐 जुलाई 2024 में रूस की यात्रा के दौरान उन्होंने साफ कहा था कि बम, बंदूक और गोलियों के बीच शांति वार्ता सफल नहीं हो सकती और समाधान युद्धभूमि पर नहीं निकलेगा। 31 अगस्त 2026 को बिश्केक में पुतिन से मुलाकात के दौरान भी उन्होंने अनंत युद्ध से युद्ध की समाप्ति की दिशा में बढ़ने की बात कही थी। यहीं इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा सामरिक संदेश छिपा है। रूस से भारत के गहरे संबंध हैं, जबकि यूक्रेन के साथ भी भारत ने संवाद के रास्ते खुले रखे हैं। ऐसे समय में यदि भारत रूस तक अपनी बात पहुंचा सकता है और यूक्रेन भी उसकी पहल को व्यापक प्रस्ताव मानता है, तो नई दिल्ली के पास संवाद के लिए एक ऐसा कूटनीतिक स्थान बनता है जो कई पश्चिमी शक्तियों के लिए उपलब्ध नहीं है। दूसरी ओर, इसी कूटनीतिक हलचल के बीच रूस ने अपनी सैन्य शक्ति का भी जबरदस्त प्रदर्शन किया है। दो अक्टूबर को पुतिन ने यूराल क्षेत्र में चल रहे सेंटर-2026 सैन्य अभ्यास के अंतिम चरण का निरीक्षण किया। रूस के अनुसार इस अभ्यास में लगभग 47 हजार सैनिक, 11 प्रशिक्षण क्षेत्र और कैस्पियन सागर शामिल रहे। अंतिम चरण में करीब छह हजार सैनिक उतरे। चीन, बेलारूस, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, मंगोलिया और पाकिस्तान सहित कई देशों की सेनाएं इसमें शामिल रहीं तथा 55 देशों के प्रतिनिधियों ने अभ्यास देखा। इस अभ्यास में रूस ने करीब 700 सैन्य उपकरणों, 600 से अधिक मानवरहित विमानों और 60 से अधिक रोबोटिक प्रणालियों का इस्तेमाल दिखाया। पुतिन ने नए जेट-चालित जेरान मानवरहित विमानों का भी निरीक्षण किया, जिनका इस्तेमाल रूस यूक्रेन युद्ध में कर चुका है। इसका अर्थ साफ है कि मास्को युद्ध से मिले अनुभव को अगली पीढ़ी की युद्धक क्षमता में बदल रहा है। इसलिए तस्वीर बेहद दिलचस्प है। एक तरफ रूस युद्ध के मैदान में अपनी सैन्य क्षमता, मानवरहित युद्ध प्रणाली और दूर तक मार करने वाली तकनीक का प्रदर्शन कर रहा है; दूसरी तरफ उसी रूस के राष्ट्रपति भारत के प्रधानमंत्री के युद्ध समाप्त करने वाले विचारों की सार्वजनिक रूप से प्रशंसा कर रहे हैं। यही भारत की कूटनीति की असली परीक्षा और संभावित ताकत दोनों है।

लेकिन रास्ता आसान नहीं है। यूक्रेन में रूसी हमले जारी हैं, ऊर्जा ढांचा लगातार निशाने पर है और काला सागर में सुरक्षा तथा अनाज आपूर्ति का संकट बना हुआ है। आधिकारिक रिपोर्टों के अनुसार रूस और यूक्रेन दोनों एक-दूसरे के ऊर्जा तथा ईंधन ढांचे पर हमले कर रहे हैं। ऐसे माहौल में भारत की चुनौती केवल प्रस्ताव देने की नहीं, बल्कि प्रस्ताव को युद्धभूमि से वार्ताकक्ष तक पहुंचाने की है। यदि नई दिल्ली रूस और यूक्रेन दोनों से संवाद कायम रखते हुए ऊर्जा, कृषि, काला सागर अंततः व्यापक युद्धविराम को एक ही ढांचे में जोड़ पाती है, तो यह केवल एक युद्ध को रोकने की कूटनीतिक पहल नहीं होगी, यह बदलती विश्व व्यवस्था में भारत की बढ़ती कूटनीतिक भूमिका का बड़ा प्रमाण बन सकता है। फिलहाल इतना जरूर स्पष्ट है कि मोदी की शांति पहल को अब केवल भारतीय दावा नहीं कहा जा सकता; यूक्रेन ने उसे व्यापक प्रस्ताव बताया है, पुतिन ने स्वयं उसके पीछे मोदी की लगातार कोशिशों को स्वीकार किया है।

दक्षिणी मोर्चों पर 97 अभियानों में 260 हूती मारे गए : यमनी सेना

सना, (वार्ता)। यमन के ताइज़ और लाहज प्रांतों के मोर्चों पर सैन्य टुकड़ियों को निशाना बनाकर चलाए गए 97 अभियानों में 260 हूती लड़ाके मारे गए हैं। यमन की सेना ने रविवार को यह जानकारी दी।सेना के प्रवक्ता कर्नल माजिद अल-नुज़ैली ने बताया कि इन अभियान में लड़ाकू विमानों, ड्रोन, तोपखाने, मिसाइलों और स्नाइपर्स का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने बताया कि इस अभियान में 44 सैन्य वाहन, ट्रांसपोर्ट वाहन और सप्लाई का सामान नष्ट या क्षतिग्रस्त हो गया। यह घोषणा सेना के उस बयान के कुछ घंटों बाद आई जिसमें कहा गया था कि कई मोर्चों पर 257 ऑपरेशन में कम से कम 700 हूती लड़ाके मारे गए। सेना के इन दावों पर हूतियों की ओर से कोई टिप्पणी नहीं आई।हूतियों द्वारा राजधानी सना और कई प्रांतों पर कब्ज़ा करने के बाद से यमन संघर्ष में फंसा हुआ है। इसके बाद सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 2015 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार के समर्थन में दखल दिया। वर्ष 2022 में हुआ युद्धविराम जुलाई में टूट गया और तब से लड़ाई तेज हो गई है।

ईरान ने परमाणु हथियार बनाने का विचार लगभग छोड़ ही दिया है : ट्रंप

वाशिंगटन, (वार्ता)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान परमाणु हथियार बनाने का विचार लगभग त्याग ही चुका है।श्री ट्रंप ने यह भी कहा कि कच्चे तेल के दाम फिलहाल गिर रहे हैं जो 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हमले के बाद से लगातार बढ़े गए थे। श्री ट्रंप ने ओहायो में एक रैली में शामिल होने के लिए व्हाइट हाउस से रवाना होने से पहले संवाददाताओं से कहा, तेल की कीमत कम हो रही है। तेल इस समय सस्ता है और बाइडेन प्रशासन के दौरान जितना था, उससे बहुत कम है। उन्होंने ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने के लिए कुछ नहीं किया था। उन्होंने कहा, और आपको यह पता होना चाहिए कि ईरान ने परमाणु हथियार बनाने का विचार लगभग त्याग ही दिया है।उल्लेखनीय है कि ईरान ने अमेरिका और इजरायल के इन आरोपों को हमेशा खारिज किया है कि वह परमाणु हथियार बना रहा है, हालांकि अमेरिका-इजरायल ने इसे आठ महीने पहले शुरू हुई जंग का एक प्रमुख कारण करार दिया था। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियान ने पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र महासभा में भी इस बात को दोहराया था कि उनका देश परमाणु हथियार नहीं बना रहा।उन्होंने कहा कि ईरान धार्मिक प्रतिबंधों के कारण परमाणु हथियार नहीं बना रहा है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय निगरानी में अपने संवर्धित यूरेनियम की क्षमता कम करने पर भी सहमति जताई है, बशर्ते अमेरिका ईरान पर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों को हटाए।

हमास ने अमेरिका एवं मध्यस्थों से इज़रायल को गाज़ा पर हमला करने से रोकने की अपील की

बेरूत, (स्पुतनिक/वार्ता)। फ़िलिस्तीनी संगठन हमास ने अमेरिकी प्रशासन और इज़रायल के साथ बातचीत में शामिल अन्य मध्यस्थों से कहा कि वे इज़रायल को गाज़ा पट्टी में हुए युद्धविराम समझौते के दौरान फ़िलिस्तीनी इलाक़ों पर हमले जारी रखने से रोकें।हमास ने शनिवार को एक बयान में कहा, हम मध्यस्थों और अमेरिकी प्रशासन से अपील करते हैं कि वे इज़रायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को युद्धविराम समझौते का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर हत्याएं जारी रखने के बहाने के तौर पर न करने दें। स्थानीय चिकित्सा सेवाओं के अनुसार, शनिवार को गाज़ा शहर में एक रिहायशी इमारत पर इज़रायली हवाई हमले में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जिनमें चार महिलाएं शामिल थीं। हालांकि इज़रायली सेना ने इस हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की। उल्लेखनीय है कि नौ अक्टूबर 2025 को, मिस्र, कतर, अमेरिका और तुर्की की मध्यस्थता से इज़रायल और हमास, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पेश की गई शांति योजना के पहले चरण को लागू करने पर सहमत हुए। अगले दिन, गाज़ा पट्टी में युद्धविराम लागू हो गया।

लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई, अल-कायदा की फ्लाईदुबई जैसे और हमले करने की धमकी

वाशिंगटन

अल-कायदा ने अमेरिकियों और इस्राइलियों को ले जाने वाले विमानों पर हमले के लिए अपने समर्थकों और दूसरे हमलावरों को अल-बयान के ताजा अंक में उकसाया है। आतंकी संगठन ने 9/11 हमलों का जिक्र करते हुए बुधवार को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान को कथित तौर पर हाईजैक करने की कोशिश करने वाले सह-पायलट की तारीफ भी की है। इस मामले ने उस वक्त और गंभीर मोड़ ले लिया, जब आरोपी सह-पायलट हमाम अल-हमामी के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर अल-कायदा के पूर्व प्रमुख अयमान अल-जवाहिरी और संगठन से जुड़े एक चर्चित आत्मघाती हमलावर का संदर्भ सामने आया।

यह अपील शुक्रवार को अल-बयान के ताजा अंक में सामने आई। यह साप्ताहिक प्रकाशन जुलाई में अल-कायदा समर्थक लोगों ने शुरू किया था। अरबी भाषा में प्रकाशित लेख में 11 सितंबर 2001 के आतंकी हमलों और बुधवार को फ्लाईदुबई की उड़ान स्र्1073 पर हुई घटना, दोनों का जिक्र किया गया। लेख में बेहद भड़काऊ अंदाज में कहा गया कि जंग अभी खत्म नहीं हुई है। इसमें अमेरिकी, इस्राइली और इस्लाम के खिलाफ लड़ने वाले दूसरे लोगों को ले जाने वाले विमानों को निशाना बनाने की बात कही गई। लेख ने 11 सितंबर के हमलों को इसका उदाहरण बताया। लेख में 9/11 के दौरान वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के ट्विन टावर्स से विमान टकराने की तस्वीर भी लगाई

गई थी। इसके साथ बुधवार की फ्लाईदुबई घटना से जुड़ी तस्वीर दिखाई गई। अल-बयान में लिखा गया कि आज अमेरिका और 'जायनिस्टों' के दुश्मन पहले की तुलना में कहीं ज्यादा हैं। लेख में यह भी कहा गया कि संभव है कोई ऐसा व्यक्ति, जो ईश्वर में विश्वास नहीं करता, उन्हें निशाना बनाए और उसका ऑपरेशन आखिरकार इस्लाम के फायदे में जाए। लेख के अंत में धमकी भरे अंदाज में कहा गया, वह दिन आएगा जब बुराई का साम्राज्य अमेरिका खत्म हो जाएगा।

अल-कायदा समर्थक टेलीग्राम चैनलों पर यह सामग्री शनिवार को तेजी से शेयर की गई। हालांकि, बाद में यह पोस्ट वहां से कथित तौर पर हटा दी गई। आतंकवाद विशेषज्ञ इवान कोलमैन ने शुरुआत में द पोस्ट से बातचीत में कहा था कि ऐसा लगता है कि अल-कायदा समर्थक फ्लाईदुबई की घटना का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन आरोपी सह-पायलट के सोशल मीडिया अकाउंट्स से सामने आई सामग्री ने मामले को एक नया मोड़ दे दिया। कोलमैन ने कहा कि अगर सामने आई जानकारी सही है, तो संभव है कि अल-हमामी आईएसआईएस का समर्थक न हो। उनके मुताबिक सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाली बात हमाम अल-बलावी का संदर्भ है। फ्लाईदुबई की उड़ान पर कथित हमले की कोशिश नाकाम होने के करीब नौ घंटे बाद, जब हमाम अल-हमामी पहले ही हिरासत में था, उसके लिंक्डइन और इंस्टाग्राम अकाउंट्स पर कई पोस्ट अचानक दिखाई दीं।

दक्षिणी मोर्चों पर 97 अभियानों में 260 हूती मारे गए : यमनी सेना

सना(वार्ता)। यमन के ताइज़ और लाहज प्रांतों के मोर्चों पर सैन्य टुकड़ियों को निशाना बनाकर चलाए गए 97 अभियानों में 260 हूती लड़ाके मारे गए हैं। यमन की सेना ने रविवार को यह जानकारी दी। सेना के प्रवक्ता कर्नल माजिद अल-नुज़ैली ने बताया कि इन अभियान में लड़ाकू विमानों, ड्रोन, तोपखाने, मिसाइलों और स्नाइपर्स का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने बताया कि इस अभियान में 44 सैन्य वाहन, ट्रांसपोर्ट वाहन और सप्लाई का सामान नष्ट या क्षतिग्रस्त हो गया। यह घोषणा सेना के उस बयान के कुछ घंटों बाद आई जिसमें कहा गया था कि कई मोर्चों पर 257 ऑपरेशन में कम से कम 700 हूती लड़ाके मारे गए। सेना के इन दावों पर हूतियों की ओर से कोई टिप्पणी नहीं आई। हूतियों द्वारा राजधानी सना और कई प्रांतों पर कब्ज़ा करने के बाद से यमन संघर्ष में फंसा हुआ है। इसके बाद सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 2015 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार के समर्थन में दखल दिया।

क्यों अंदर से टूट रहे होनहार स्टूडेंट्स? आईआईटी दिल्ली के दो छात्रों की मौत पर एक्सपर्ट्स ने जताई चिंता

नई दिल्ली। आईआईटी जैसे उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश पाने वाले छात्र पढ़ाई में असाधारण रूप से सक्षम होते हैं। कठिन प्रतियोगी परीक्षा पास करने, जटिल विषयों को समझने और लंबे समय तक एकाग्र होकर मेहनत करने की क्षमता उनकी बड़ी ताकत होती है।इसके बावजूद यही मेधावी छात्र भावनात्मक दबाव में टूट रहे हैं। आईआईटी दिल्ली में डेढ़ महीने के भीतर दो छात्रों की मौत ने सवाल खड़ा किया है कि तेज दिमाग होने के बावजूद छात्र जिंदगी की मुश्किल परिस्थितियों से क्यों नहीं निपट पा रहे हैं। पीएचडी छात्र मनीष आनंद ने 18 अगस्त को कटवारिया सराय स्थित पीजी में नींद की गोलियां खाने के बाद तबीयत बिगड़ने पर एम्स के जेपीएन एपेक्स ट्रामा सेंटर में उपचार कराया। करीब डेढ़ माह तक उपचार के बाद 3 अक्टूबर को उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस घटना की परिस्थितियों की जांच कर रही है और आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। इससे पहले 22 अगस्त को एमएससी फिजिक्स के छात्र ऋषिकेश कुमार की मौत हुई थी। मामले की जांच के लिए आईआईटी दिल्ली ने बाहरी जांच समिति गठित की थी।

तेज छात्र भी घबरा सकते हैं

विशेषज्ञों का कहना है कि पढ़ाई-लिखाई की क्षमता और व्यावहारिक व सामाजिक समझ अलग-अलग बातें हैं। विपरीत परिस्थितियों में तेज छात्र भी घबरा सकते हैं। इसलिए पढ़ाई के साथ भावनाओं को समझने, असफलताओं से उबरने, सामाजिक रूप से जुड़े रहने और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें मदद मांगने का अवसर मिलना जरूरी है।

जनादेश का अपमान करना कांग्रेस की पुरानी आदत : शिवराज

नयी दिल्ली (वार्ता)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक नागरिक, एक वोट को निष्पक्ष चुनावों की नींव बताते हुए कहा है कि चुनाव हारने के बाद जनादेश का अपमान करने का कांग्रेस की पुरानी आदत है। श्री चौहान ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर रविवार को जारी बयान में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में धांधली के मुद्दे पर चुनाव आयोग की निंदा करने और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा मांगने को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर निशाना साधा और कहा, हारने पर जनादेश का अपमान करना कांग्रेस की पुरानी आदत है। चुनाव आयोग को बदनाम करना और संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करना कांग्रेस के डीएनए में है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चुनाव जीत जाए तो चुनाव आयोग ठीक और हार जाए तो चुनाव आयोग खराब? उन्होंने सवाल किया कि कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल में कांग्रेस चुनाव कैसे जीती? उन्होंने मतपत्रों के जरिये चुनाव कराने की कांग्रेस की मांग पर सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस इस मांग के जरिए देश को 80 और 90 के दशक में ले जाना चाहती है? उन्होंने कहा, अब वे मतपत्र से चुनाव कराने की बात कर रहे हैं। 1980 और 1990 के दशक याद करें, जब मत पेटियां लूट ली जाती थीं। एक ही आदमी बैलेट पेपर पर मुहर लगा देता था। क्या कांग्रेस देश को उस दौर में वापस ले जाना चाहती है? उन्होंने कहा कि तकनीक से चुनाव में पारदर्शिता आई, आखिर कांग्रेस इसका विरोध क्यों करना चाहती है? उन्होंने कहा कि कांग्रेस देश में आपातकाल लगाकर पहले भी लोकतंत्र को कमजोर कर चुकी है और अब संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने का खतरनाक खेल खेल रही है। केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि संस्थाएं गलत हैं, व्यवस्थाएं गलत है, सबको ध्वस्त कर दो, देश को अराजक बना दो, ये पाप है और कांग्रेस इस पाप को करने पर उतारू है, लेकिन कांग्रेस के नापाक इरादे और मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे। उन्होंने कहा, एक नागरिक, एक वोट यही निष्पक्ष चुनावों की नींव है। मतदाता सूची में पूरी तरह से बदलाव से चुनावों में पारदर्शिता बढ़ती है और लोगों का भरोसा बढ़ता है।

फ्रांस में छात्र प्रदर्शनों के बीच पांच हजार लोग गिरफ्तार, ज्यादातर नाबालिग

पेरिसर (वार्ता)। फ्रांस में शिक्षा संबंधी मांगों को लेकर छात्रों का प्रदर्शन फैलता जा रहा है तथा प्रशासन ने अब तक 5000 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। एनपीआर की एक रिपोर्ट में फ्रांस के गृह मंत्रालय के हवाले से कहा गया कि अब तक 5,000 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें अधिकांश नाबालिग हैं।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शुक्रवार तक 400 से अधिक स्कूल और कॉलेज बंद रहे। प्रदर्शनों के दौरान कुछ स्थानों पर हिंसा भी हुई। शिक्षा मंत्री एडुआर्ड गेफ्रे ने पत्रकारों से कहा कि शुक्रवार को 735 शिक्षण संस्थान किसी न किसी रूप में प्रभावित हुए, जो गुरुवार की तुलना में 30 प्रतिशत कम है। उन्होंने बताया कि प्रदर्शन से निपटने के दौरान आपातकालीन सेवाओं के तीन कर्मी घायल हुए, जबकि एक दिन पहले यह संख्या 31 थी। श्री गेफ्रे ने प्रदर्शन के दौरान हुई अत्यधिक हिंसा की घटनाओं की निंदा कीपिछले कुछ दिनों से हजारों आक्रोशित छात्रों ने देशभर के हाई स्कूलों के प्रवेश और निकास को अवरुद्ध कर प्रदर्शन किया है। शिक्षा व्यवस्था की स्थिति को लेकर शुरू हुए प्रदर्शनों के दौरान दंगारोधी पुलिस के साथ झड़पें भी हुई हैं। ये प्रदर्शन ऐसे समय हो रहे हैं जब सरकार खर्च में कटौती वाले बजट को पारित कराने की कोशिश कर रही है और फ्रांस अगले वर्ष होने वाले राष्ट्रपति चुनाव की तैयारी कर रहा है। शिक्षक संगठनों और कुछ राजनीतिक नेताओं ने भी छात्रों के साथ एकजुटता जताते हुए प्रदर्शनों में समर्थन दिया है। फ्रांसीसी सरकार ने छात्रों की कुछ मांगों को जायज बताया है लेकिन शहरी हिंसा की निंदा की है और वामपंथी पार्टी %फ्रांस अनबोउ% पर प्रदर्शनों को भड़काने का आरोप लगाया है। पार्टी ने इस आरोप से इनकार किया है। मुख्य छात्र संगठनों में से एक के अनुसार, छात्र जर्जर बुनियादी ढांचे, कक्षाओं में अत्यधिक भीड़, जरूरत से अधिक पढ़ाई के कार्यक्रम, शिक्षकों और कर्मचारियों की कमी तथा स्कूलों के लिए अपर्याप्त धन के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। कुछ छात्र उच्च शिक्षा और विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए इस्तेमाल होने वाले सरकारी प्रवेश प्लेटफॉर्म को समाप्त करने की भी मांग कर रहे हैं।

स्पेन में आवास संकट को लेकर मैड्रिड में करीब पांच लाख लोगों का प्रदर्शन

मैड्रिड, (वार्ता)

स्पेन में बढ़ते आवास संकट के खिलाफ शनिवार को मैड्रिड समेत कई शहरों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए। आयोजकों के अनुसार, राजधानी मैड्रिड में करीब पांच लाख लोगों ने प्रदर्शन में हिस्सा लिया, जबकि अधिकारियों ने यह संख्या लगभग 70,000 बतायी। ये प्रदर्शन संसद द्वारा किरायेदारों को अधिक सुरक्षा देने संबंधी सरकार के दो अध्यादेशों को खारिज किये जाने के एक दिन बाद हुए। मैड्रिड के प्रमुख पर्यटन स्थल पुएर्ता देल सोल में प्रदर्शनकारी करीब एक सप्ताह से डेरा डाले हुए हैं।

प्रदर्शनकारियों के हाथों में सामान्य हड़ताल जैसे नारे लिखी तख्तियां थीं और वे किरायाखोरी खत्म करो जैसे नारे लगा रहे थे। मैड्रिड में प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा और बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किये गये। किरायेदार संघ ने कहा कि जनता की मांगों और राजनीतिक दलों द्वारा मतदान में लिये गये फैसलों के बीच अपूरणीय दूरी पैदा हो गयी है। संघ किराये में 50 प्रतिशत कटौती, अनिश्चित अवधि वाले किराया अनुबंध और निवेश कंपनियों से मकानों के अधिग्रहण की मांग कर रहा है। संघ की प्रवक्ता वलेरिया राकु ने कहा कि सामान्य हड़ताल की तारीख अभी तय नहीं हुई है और अन्य संगठनों के साथ इस पर बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि संगठन इसे ऐतिहासिक बनाना चाहता है। नियोक्ता महासंघ सीईओई के अध्यक्ष एंतोनियो गारामेंदी ने प्रदर्शन के अधिकार का सम्मान करने की बात कही, लेकिन चेतावनी दी कि सामान्य हड़ताल का आह्वान होने पर वह कार्रवाई करेंगे, क्योंकि उनके अनुसार ऐसी हड़ताल अवैध होगी।

वालेंसिया में प्रदर्शनकारियों ने रियल एस्टेट निवेश सम्मेलन स्थल पालाउ दे लेस आर्ट्स रीना सोफिया की ओर मार्च किया। प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों ने बैरिकेड और पुलिस घेरा हटाया तथा अधिकारियों पर वस्तुएं फेंकीं। पुलिस ने रबर की गोलियां और आंसू गैस का इस्तेमाल किया। कुछ प्रदर्शनकारी इमारत के ऊपरी हिस्से तक पहुंच गये। मार्च का आयोजन चार संगठनों ने किया था, जिनमें किरायेदार संघ और आवास संघ शामिल थे। देश के कई अन्य शहरों में भी प्रदर्शन हुए। सैन सेबेस्टियन में प्रदर्शन लगातार दूसरे दिन जारी रहा। काडिज में प्रदर्शनकारियों ने नगर निगम के सामने मार्च समाप्त कर घोषणापत्र पढ़ा। लास पालमास दे ग्रान कैनारिया के अलावा लांजारोते, फुएरतेवेंतुरा और तेनेरिफे में भी रैलियां हुईं।

बार्सिलोना में प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उनका शिविर अनिश्चितकाल तक जारी रहेगा। शिविर से जुड़ी लुआना रोचा ने टीवीई से कहा, हम सामान्य हड़ताल की ओर बढ़ रहे हैं। तेरेल में रविवार को शाम साढ़े छह बजे प्लाजा देल तोरिको से प्रदर्शन शुरू करने की घोषणा की गयी है।

संसद ने शुक्रवार को सरकार के दोनों आवास संबंधी अध्यादेशों को खारिज कर दिया। पहले अध्यादेश के पक्ष में 172 और विपक्ष में 178 मत पड़े, जबकि दूसरे को 166 मत मिले और 184 सांसदों ने इसके खिलाफ मतदान किया। पीपी, वॉक्स और यूपीएन ने इनके खिलाफ मतदान किया, जबकि जुंत्स ने समर्थन नहीं किया। इस बीच, मैड्रिड के पुएर्ता देल सोल में प्रदर्शनकारियों का शिविर सातवीं रात में प्रवेश कर गया और वहां करीब 2,000 लोगों के मौजूद रहने का अनुमान है। आवास संकट के खिलाफ मौजूदा आंदोलन की शुरुआत 87 वर्षीय मारिकारमेन अबास्कल को उनके घर से बेदखल किये जाने के बाद हुई थी। उन्हें स्ट्रेचर पर घर से बाहर ले जाया गया था और फिलहाल वह अस्पताल में स्वास्थ्य लाभ कर रही हैं। आवास अधिकार कार्यकर्ताओं के अनुसार, एक निवेश कंपनी ने वह संपत्ति खरीद ली थी जिसमें अबास्कल करीब सात दशक से रह रही थीं और उनका किराया बढ़ाने की मांग की गयी थी। विरोध के बाद नये मालिक उन्हें कम किराये पर वापस रहने देने पर सहमत हो गये हैं।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

कैप्टन स्मित मच्छार के मुरीद हुए सलमान खान बोले- कमाल कर दिया पायलट जी, आपके साथ उड़ान भरना खुशी की बात होगी

अभिनेता सलमान खान ने फ्लाईदुबई की इजराइल जा रही उड़ान को कथित तौर पर सह-पायलट द्वारा दुर्घटनाग्रस्त करने की कोशिश को नाकाम करने वाले पायलट कैप्टन स्मित मच्छार की सराहना की है। खान ने सोशल मीडिया पर मच्छार की बहादुरी को सलाम किया। अभिनेता ने 'एक्स' में अपने पोस्ट में कहा, " कमाल कर दिया पायलट जी, हम सब आपके साहस को सलाम करते हैं... आपके साथ उड़ान भरना खुशी की बात होगी... बहुत बढ़िया भाई... कैप्टन स्मित मच्छार।" दुबई से तेल अवीव जा रही उड़ान एफजेड1073 ने बुधवार को आपात संकेत भेजे थे और इसके बाद विमान 34,000 फुट की ऊंचाई से तेजी से 17,000 फुट से अधिक नीचे आ गया। बाद में, उसे सऊदी अरब के तबूक शहर स्थित प्रिंस सुल्तान बिन अब्देल अजीज हवाई अड्डे की ओर मोड़ दिया गया। विमान में 27 बच्चों समेत 174 यात्री सवार थे। सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे वीडियो में पायलट खून से लथपथ, ऑक्सीजन मास्क पहने और विमान की 'गैली' में पीठ के बल लेटे हुए दिखाई दे रहे हैं। शुक्रवार को मच्छार ने अस्पताल से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से वीडियो कॉल पर बातचीत की और घटना के बारे में जानकारी दी। मोदी ने पायलट के साहस, सूझबूझ और संयम की सराहना करते हुए कहा कि उनके क्षण भर में लिए गए फैसले से विमान में सवार लोगों की जान बचाने में मदद मिली। सह-पायलट द्वारा कथित हमले के पीछे का मकसद अभी जांच के दायरे में है।

अभिनेता अजय देवगन ने भी की कैप्टन स्मित मच्छार की तारीफ, कहा - हर मायने में हीरो

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने कैप्टन स्मित मच्छार की बहादुरी की तारीफ़ करते हुए उन्हें हीरो कहा। कैप्टन मच्छार ने फ्लाईदुबई की एक उड़ान में सवार 174 यात्रियों की जान बचाई और एक बड़े हादसे को टाल दिया। देवगन ने एक्स पर शनिवार को एक पोस्ट में लिखा, कुछ लोग हीरो होते हैं, और कुछ ऐसे होते हैं जो हमें सच्चे साहस का अर्थ दिखाते हैं। कैप्टन स्मित मच्छर, आप हर मायने में एक सच्चे हीरो हैं। आपके जल्द ठीक होने और हिम्मत बनी रहने की कामना करता हूं। सिर्फ अजय देवगन ही नहीं, बल्कि अभिनेता सनी देओल ने भी अपने एक्स अकाउंट पर कैप्टन स्मित मच्छार की तारीफ की। उन्होंने हवा में आए संकट के दौरान कैप्टन की असाधारण हिम्मत और सूझ-बूझ की सराहना की।उन्होंने लिखा, कैप्टन स्मित मच्छार, जब सबसे ज़्यादा ज़रूरत थी, तब आपने असाधारण हिम्मत और सूझ-बूझ दिखाई। आपने एक बड़ी दुर्घटना को टालने और लोगों की जान बचाने में मदद की। आपके जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। आपको सलाम। इससे पहले, शाहरुख खान, सलमान खान, जैकी श्रॉफ, विक्की कौशल, रणवीर सिंह और अनुपम खेर और विशाल मिश्रा जैसे कलाकारों ने भी 30 सितंबर को उड़ान के दौरान 174 यात्रियों की जान बचाने में पायलट कैप्टन स्मित मच्छार की बहादुरी की तारीफ़ की थी।

चूज़े से एमिवे बंटाई ने बॉलीवुड में रखा पहला कदम

लोकप्रिय हिप-हॉप कलाकार एमिवे बंटाई ने फिल्म उड़ता तीर के गाने चूज़े से बॉलीवुड म्यूज़िक में कदम रखा है।सचिन-जिगर के संगीत, अमिताभ भट्टाचार्य और एमिवे बंटाई के गीत तथा एमिवे बंटाई और जिगर सरैया की आवाज में तैयार चूज़े में रैप और मेलोडी का मिश्रण सुनने को मिलता है। गाने में एमिवे ने अपनी पहचान वाली रैप शैली और ऊर्जा को पेश किया है। आयुष्मान खुराना और सारा अली खान अभिनीत उड़ता तीर 23 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में रघुबीर यादव, बृजेंद्र काला, गुलशन ग्रोवर, सुहैल नैय्यर, राहुल बोस, मुकुल देव, राम कपूर और सुप्रिया पिलगांवकर भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। आकाश कौशिक लिखित एवं निर्देशित इस फिल्म का निर्माण करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता, गुनीत मोंगा और अचिन जैन ने किया है। चूज़े सोनी म्यूज़िक इंडिया के माध्यम से प्रमुख स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर जारी हो चुका है।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
सोमवार 05 अक्टूबर 2026

विधायक दिनेश राय मुनमुन के नेतृत्व में 8 अक्टूबर को सिवनी में सेवा का महाआयोजन, स्वास्थ्य शिविर के साथ मातृशक्ति को स्वरोजगार की सौगात

बाहुबली लॉन में लगेगा भव्य नि :शुल्क चिकित्सा शिविर, आयुष्मान कार्ड से लेकर नाक-कान-गला, हड्डी, महिला, नेत्र, दंत और हृदय रोग की जांच

सिवनी। स्वतंत्र मत। सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन के नेतृत्व में सेवा संकल्प अभियान के तहत 8 अक्टूबर को सिवनी में सेवा और जनकल्याण का व्यापक आयोजन किया जा रहा है। सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम के अंतर्गत बाहुबली लॉन में सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक भव्य निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित होगा। शिविर में आयुष्मान कार्ड बनाने की सुविधा के साथ नाक-कान-गला, हड्डी, महिला, नेत्र, दंत एवं हृदय रोग विशेषज्ञों की सेवाएं उपलब्ध रहेंगी।

कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंद नागरिकों को एक ही स्थान पर विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ उन्हें स्वास्थ्य सुविधाओं और शासन की योजनाओं से जोड़ना है। वहीं ओमकला केंद्र से प्रशिक्षण प्राप्त मातृशक्ति को 50 सिलाई मशीनें, चयनित प्रशिक्षणार्थियों को ब्यूटी पार्लर किट एवं डिप्लोमा प्रदान कर उन्हें स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ाया जाएगा। चिकित्सा शिविर में नेत्र परीक्षण के दौरान चयनित मोतियाबिंद मरीजों के 10 अक्टूबर को झोतेश्वर में ऑपरेशन किए जाएंगे। जरूरतमंद मरीजों को चश्मे एवं अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की भी व्यवस्था रहेगी। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष मीना बिसेन, सांसद भारती पारधी, सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन सहित विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्तरों के जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

दिनेश राय मुनमुन की पहल से स्वास्थ्य सेवा और स्वरोजगार को एक साथ बढ़ावा

सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम के माध्यम से सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन ने स्वास्थ्य सेवा और महिला सशक्तिकरण को एक साथ जोड़ने की पहल की है। एक ओर जरूरतमंद नागरिकों को विशेषज्ञ चिकित्सकों की निःशुल्क सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, वहीं दूसरी ओर प्रशिक्षण प्राप्त मातृशक्ति को स्वरोजगार के साधन देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जाएगा। भाजपा जिला महामंत्री संतोष अग्रवाल ने बताया कि शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा मरीजों की जांच और चिकित्सकीय परामर्श दिया जाएगा।

नाक-कान-गला सहित कई विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं

शिविर में नाक-कान-गला, हड्डी रोग, महिला रोग, नेत्र रोग, दंत रोग एवं हृदय रोग विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। इसके अलावा आयुष विभाग एवं पैथोलॉजी की सुविधाएं भी शिविर में रहेंगी। मरीजों की आवश्यकता के अनुसार जांच के बाद चिकित्सकीय परामर्श और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। इससे नागरिकों को अलग-अलग स्थानों पर जांच और विशेषज्ञ परामर्श के लिए भटकना नहीं पड़ेगा।

आयुष्मान कार्ड भी बनेंगे- शिविर में पात्र नागरिकों को आयुष्मान कार्ड बनवाने की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को शासन की स्वास्थ्य योजनाओं से जोड़ने का प्रयास होगा।

मोतियाबिंद मरीजों के 10 अक्टूबर को झोतेश्वर में होंगे ऑपरेशन- नेत्र जांच शिविर का विशेष आकर्षण मोतियाबिंद मरीजों का चयन रहेगा। साई नेत्रा ऑप्टिकल के संचालक योगेंद्र पटेल द्वारा निःशुल्क नेत्र परीक्षण किया जाएगा। जांच के दौरान मोतियाबिंद सहित अन्य नेत्र संबंधी समस्याओं से पीड़ित मरीजों को चिन्हित किया जाएगा। चयनित मोतियाबिंद मरीजों के 10 अक्टूबर को झोतेश्वर में ऑपरेशन किए जाएंगे। जरूरतमंद मरीजों को आवश्यकतानुसार चश्मे एवं अन्य स्वास्थ्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी।

दिव्यांगजनों को मिलेंगे आवश्यक उपकरण

कार्यक्रम में स्वास्थ्य परीक्षण के साथ दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकता के अनुसार उपयोगी सहायक उपकरणों का वितरण भी किया जाएगा। इस तरह आयोजन का उद्देश्य स्वास्थ्य जांच के साथ जरूरतमंद नागरिकों को उपचार और सहायक सुविधाओं से जोड़ना भी है।

50 सिलाई मशीनों से मातृशक्ति को मिलेगा स्वरोजगार का संबल-सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन द्वारा ओमकला केंद्र से प्रशिक्षण प्राप्त प्रशिक्षणार्थियों को 50 सिलाई मशीनों का वितरण किया जाएगा।

इसके साथ ही चयनित प्रशिक्षणार्थियों को ब्यूटी पार्लर किट एवं डिप्लोमा भी प्रदान किए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को उनके हुनर के आधार पर स्वरोजगार शुरू करने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना है, ताकि वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। **सेवा से स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता तक का संदेश**

सेवा संकल्प अभियान के तहत 8 अक्टूबर का आयोजन स्वास्थ्य सेवा, जरूरतमंदों की सहायता और मातृशक्ति के सशक्तिकरण को समर्पित रहेगा। कार्यक्रम में सेवा संकल्प अभियान की जिला एवं मंडल टोली के साथ विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मंडलों के अध्यक्ष, पदाधिकारी, विभिन्न मोर्चों एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारी तथा भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

8 अक्टूबर को बाहुबली लॉन पहुंचने की अपील

भाजपा जिला महामंत्री संतोष अग्रवाल ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे 8 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक बाहुबली लॉन में आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर में पहुंचकर विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाओं का लाभ लें। सेवा संकल्प अभियान के तहत सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन की पहल से आयोजित यह आयोजन स्वास्थ्य सेवा के साथ मातृशक्ति को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

विशेष ग्राम सभाओं में जल अर्पण दिवस के रूप में मनाया गया जल महोत्सव

सिवनी। स्वतंत्र मत। गांधी जयंती के अवसर पर जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खंड सिवनी के कार्यपालन यंत्री के निर्देशानुसार इन ग्राम सभाओं में जल अर्पण दिवस को जल महोत्सव के रूप में मनाया गया। इस दौरान ग्रामीणों को जल संरक्षण, स्वच्छ जल के उपयोग तथा जलजनित बीमारियों की रोकथाम के संबंध में जागरूक किया गया।

जल महोत्सव के अंतर्गत सिवनी विकासखंड की ग्राम पंचायत छुई, केवलारी विकासखंड की ग्राम पंचायत कालोनीखापा के ग्राम तुरगा एवं ग्राम पंचायत मोहगांव रैयत, कुरई विकासखंड की ग्राम पंचायत घटकोहका एवं ग्राम हरदुली, छपारा विकासखंड की ग्राम पंचायत डागवानी तथा लखनादौन विकासखंड के ग्राम मोहगांव गुजर में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। कार्यक्रम के दौरान नल-जल योजनाओं का हस्तांतरण, स्वच्छ जल संकल्प की शपथ तथा प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया गया। साथ ही ग्रामीणों को फील्ड टेस्ट किट के माध्यम से जल गुणवत्ता परीक्षण का प्रशिक्षण दिया गया तथा प्रशिक्षित प्रतिभागियों को स्त्रज्ञ्य प्रदान की गई। ग्रामीणों को स्वच्छ जल के महत्व, जल स्वच्छता तथा जलजनित बीमारियों से बचाव के उपायों की जानकारी भी दी गई।

सेवा सेतु अभियान अंतर्गत सरकार आपके द्वार शिविर का आयोजन

नगर पालिका अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया ने हितग्राहियों को वितरित किए हितलाभ एवं प्रमाण पत्र

सिवनी। स्वतंत्र मत। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवा सेतु अभियान-सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत रविवार को नगर पालिका परिषद सिवनी के मानस भवन में शिविर का आयोजन किया गया।

प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित शिविर में जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राहीमूलक योजनाओं के लिए अलग-अलग काउंटर लगाए गए। शिविर में 130 से अधिक नागरिकों का पंजीयन किया गया तथा उन्हें शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करते हुए पात्र हितग्राहियों से आवेदन भी प्राप्त किए गए।

शिविर का शुभारंभ मां

सरस्वती के पूजन-अर्चन एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात उपस्थित अतिथियों का नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा स्वागत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद सनोडिया ने अपने उद्बोधन में शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा गरीब एवं जरूरतमंद वर्ग के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। पात्र हितग्राहियों को इन योजनाओं का लाभ सुगमता से मिल सके, इसी उद्देश्य से शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सेवाकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नगर पालिका सिवनी द्वारा 02 से 10 अक्टूबर 2026 तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर नरेन्द्र गुड्डु ठाकुर ने भी प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्नजनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान मंचासीन अतिथियों द्वारा विभिन्न योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इनमें पेंशन योजना, संबल योजना, पीएम स्ट्रीट वेंडर्स योजना एवं लाड़ली लक्ष्मी योजना के हितग्राही शामिल रहे। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद सनोडिया, अपर कलेक्टर श्री नीलमणि अग्निहोत्री, परियोजना अधिकारी श्री अभिषेक जैन, सीएमओ सुश्री दिशा डेहरिया, तहसीलदार श्री नितिन चौधरी, सुश्री दीक्षा पटेल, पार्षद श्री रविशंकर गुड्डा भांगरे, श्री सुरेश भांगरे, श्रीमती कविता शर्मा, श्रीमती वंदना बैस, श्रीमती एकता चौरसिया, भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्री संतोष नगपुरे, श्री नरेन्द्र गुड्डू ठाकुर, श्री मनोज नामदेव, श्री मुनिया टांक, श्री पापे चौरसिया सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। नगर पालिका के राजस्व निरीक्षक श्री गजेन्द्र पाण्डे, उपयंत्री श्री विकास मेहरा, जोतेश मंडाले सहित निकाय के अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

अगासी रेलवे ओवरब्रिज का गुणवत्तापूर्ण निर्माण पूरा

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे अंतर्गत वारासिवनी-कटंगी रेलखंड के ग्राम अगासी स्थित रेलवे फाटक पर यात्रियों एवं राहगीरों की सुविधा तथा क्षेत्र में अधोसंरचना विकास को ध्यान में रखते हुए रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) बीके 60 के निर्माण, उन्नयन एवं विस्तार का कार्य पूरा हो गया हैं। आरओबी शुरू होने से रेलवे फाटक पर फाटक खुलने का घंटो इंतजार करने वाले वाहन चालकों और राहगीरों को आवागमन में सुविधा मिल रही हैं। बताया गया कि करीब छहः माह से आरओबी से आवागमन प्रारंभ है।

अगासी रेलवे फाटक पर आरओबी का निर्माण गर्रा-तुमसर सेक्शन परियोजना के तहत स्वीकृत किया गया था। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, परियोजना का उद्देश्य रेलवे फाटक पर आवागमन को सुगम बनाने के साथ-साथ सड़क और रेल यातायात को अधिक सुरक्षित एवं व्यवस्थित करना था। आरओबी के

निर्माण से रेलवे फाटक पर वाहनों के रुकने की समस्या कम होने के साथ यात्रियों को निर्बाध आवागमन की सुविधा मिल रही है।

तकनीकी मानकों और सुरक्षा पर विशेष जोर...

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, आरओबी का निर्माण रेलवे प्रशासन द्वारा निर्धारित तकनीकी गाइडलाइन, सुरक्षा मानकों और गुणवत्ता के मापदंडों के अनुरूप किया गया है। निर्माण के दौरान उपयोग की गई सामग्री की जांच से लेकर निर्माण प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में गुणवत्ता नियंत्रण पर विशेष निगरानी रखी गई। अधिकारियों का कहना हैं कि निर्माण कार्य में तकनीकी मानकों का पालन इसलिए सुनिश्चित किया गया, ताकि लंबे समय तक आरओबी सुरक्षित और उपयोगी बना रहे।

निर्माण एजेंसी ने पूरा किया कार्य...अगासी आरओबी के निर्माण कार्य का निष्पादन निर्माण एजेंसी मेसर्स डी.आर.एल. कंस्ट्रक्शन, गोंदिया द्वारा किया गया। निर्माण एजेंसी के साथ फील्ड इंजीनियरों और संबंधित तकनीकी अमले ने कार्य को निर्धारित मानकों के अनुसार पूरा करने में भूमिका निभाई। निर्माण के दौरान सुरक्षा एवं गुणवत्ता को प्राथमिकता देने का दावा किया गया है।

क्षेत्रवासियों को मिली आवागमन की सुविधा...आरओबी का निर्माण पूरा होने और आवागमन शुरू होने से अगासी सहित आसपास के क्षेत्र के लोगों को सुविधा मिली हैं। पहले रेलवे फाटक बंद होने से रहागिरों को घंटो इंतजार करना होता कि कब खुलेंगा फाटक लेकिन अब रेलवे फाटक से गुजरने वाले सड़क यातायात को अब ओवरब्रिज के माध्यम से आवागमन का विकल्प मिल गया हैं। रेलवे अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी के अनुसार, कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूरा किया गया हैं। आरओबी से क्षेत्रवासियों, यात्रियों और वाहन चालकों को सुरक्षित तथा सुविधाजनक आवागमन की सुविधा मिलने की उम्मीद है।

आजीविका मिशन से संवरी संतोषी इनवाती की जिंदगी

सिवनी, स्वतंत्र मत। ग्राम तुलकरैय्यत की निवासी श्रीमती संतोषी इनवाती का जीवन कभी घर-परिवार की जिम्मेदारियों तक सीमित था। आर्थिक तंगी और सीमित आय के बीच परिवार की जरूरतों को पूरा करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण था। वर्ष 2017 में मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ने के बाद उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव की शुरुआत हुई। उन्होंने 'सरस्वती आजीविका स्व-सहायता समूह' की सदस्यता ली। समूह की गतिविधियों में उनकी सक्रियता और लगन को देखते हुए उन्हें समूह का सचिव बनाया गया। नेतृत्व से बढ़ा आत्मविश्वास, शुरू किया स्वरोजगार- समूह की गतिविधियों में बेहतर कार्य के चलते संतोषी इनवाती ने ग्राम स्तर परभावना महिला आजीविका ग्राम संगठन' तथा संकुल स्तर पर 'रानी दुर्गावती महिला संकुल स्तरीय संगठन बीजादेवरीमें अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी संभाली।

जमीन पर कॉलोनियां, कागजों में नहीं

एक दशक में शहर का विस्तार, पर विकास के नक्शे से गायब दर्जनों कॉलोनियां

कटंगी(स्वतंत्र मत)। बीते एक दशक में कटंगी शहर ने जितनी तेजी से अपना आकार बदला है, उतनी ही तेजी से व्यवस्थागत खामियां भी उजागर हुई हैं। जहां कभी खेत और ऊंची-ऊंची झाड़ियां थीं, वहां आज चमचमाती बहुमंजिला इमारतें और कॉलोनियां खड़ी हैं। भूमि का मद परिवर्तन (डायवर्शन) और नगर परिषद से भवन निर्माण की अनुमति लेकर लोगों ने अपने आशियाने तो बना लिए, लेकिन इन आशियानों से बनी कॉलोनियों का अस्तित्व आज भी नगर परिषद के रिकॉर्ड में नहीं है। यानी जमीन पर कॉलोनी है, मकान हैं, परिवार रह रहे हैं, लेकिन कागजों पर वह अवैध है। नियमानुसार नगर परिषद में दर्ज अवैध कॉलोनी में बिजली विभाग स्थाई कनेक्शन नहीं देता। नगर परिषद भी वहां सड़क, पानी,

साफ-सफाई जैसी बुनियादी जरूरते नहीं पहुंचाती। ऐसे में कटंगी की इन नई विकसित कॉलोनियों में सैकड़ों परिवार पिछले कई सालों से टीसी यानी अस्थाई कनेक्शन पर अपना घर रोशन करने को मजबूर हैं। स्वयं के व्यय से सड़क बना रहे है। खतरनाक तरीके से घरों तक बिजली के तारों को पहुंचाया जा रहा है। अस्थाई कनेक्शन की दर स्थाई कनेक्शन से 2 से 3 गुना ज्यादा है। बिल हर महीने 2000 से 4000 रुपये तक आ रहा है, जो एक मध्यमवर्गीय परिवार की कमर तोड़ रहा है। गर्मी में एक पंखा और एक बल्ब जलाने की कीमत भी उन्हें भारी पड़ रही है। लोगों का कहना है कि हमने जमीन का डायवर्शन कराया, नगर परिषद से नक्शा पास कराया, हाउस टैक्स भर रहे हैं, फिर भी हमें अवैध बताकर सुविधाओं से वंचित किया जा रहा है।

दोहरा मापदंड कई कॉलोनियों में सब कुछ...इसी पीड़ा को लेकर वार्ड क्रमांक 02 के रहवासियों ने पूर्व सांसद बोधसिंह भगत को मौके पर निरीक्षण के लिए बुलाया। रहवासियों ने उन्हें अस्थाई बिजली बिल, कीचड़ भरी सड़कें और नालियों की समस्या दिखाई। पूर्व सांसद ने रहवासियों को आश्वस्त किया कि वह इस मामले में एसडीएम और नगर परिषद सीएमओ से चर्चा कर वैधता और सुविधाओं का समाधान निकालने का प्रयास करेंगे।

गोंडीटोला में जंगली सुअर के शिकार मामले में तीन आरोपी जेल भेजे गए, खैरलांजी फॉरेस्ट की कार्रवाई

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

खैरलांजी वन विभाग द्वारा वन्यप्राणियों के अवैध शिकार के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन थंडर के तहत जंगली सुअर के अवैध शिकार के मामले में गिरफ्तार तीन आरोपियों को 4 अक्टूबर की शाम करीब 5 बजे न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय के आदेश पर तीनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।यह कार्रवाई वन संरक्षक, वन वृत्त बालाघाट एवं वन मंडल अधिकारी, दक्षिण सामान्य वन मंडल बालाघाट के निर्देशन में की गई। कार्रवाई में महर्षि कुमार भारतीय वन सेवा (प्रशिक्षु), यशपाल महेरा उपवन मंडल अधिकारी कटंगी सामान्य तथा डी.सी. वासनिक प्रभारी परिक्षेत्र अधिकारी खैरलांजी के निर्देशन में वन अमले की टीम शामिल रहीं। वन विभाग के अनुसार, ग्राम गोंडीटोला (सावरी) क्षेत्र में जंगली सुअर के अवैध शिकार की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना के आधार पर वन विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए बसंत पिता हरिचंद धुर्वे, शैलेश पिता नरेंद्र बंसोड़ और महेश पिता रामेश्वर उइके, सभी निवासी ग्राम गोंडीटोला (सावरी), को गिरफ्तार किया।

बगैर निर्माण के पंचायत ने निकाली राशि, क्या होगी कार्यवाई?

बैहर जनपद के ग्राम पंचायत पाथरी के आंगनबाड़ी केन्द्र माड़ी और देवडोगरी का मामला

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। जिले की आदिवासी बाहुल्य दक्षिण बैहर तीन दशकों से नक्सल प्रभावित रहा और जब नक्सल मुक्त हुआ तो जिम्मेदार उसे खोखला साबित करने की कोशिश कर रहें हैं या कहें भष्टाचार की नई इबादत लिख रहें है। कुछ ऐसा ही मामला बैहर जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत पाथरी से सामने आया हैं जहां पंचायत के अंतर्गत आंगनबाड़ी के मरम्मत के नाम पर बगैर मरम्मत के करीब 40 हजार रूपए की राशि आहरण कर ली गई हैं। जिसको लेकर अब ग्रामीणों ने आवाज उठाई हैं कि सरपंच श्रीमती नेहा धुर्वे, सचिव मोहनपुरी गोस्वामी, उपयंत्री अनिल बागड़े

और रोजगार सहायक राशि की वसूली सहित कठोर कार्यवाई की जाए।

जानकारी अनुसार, ग्राम पंचायत पाथरी अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्र माड़ी और देवड़ोगरी की छत मरम्मत के नाम पर करीब दो माह पहले ही राशि आहरण कर ली गई हैं।

हैरान! करने वाली बात तो यह हैं कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कहती हैं कि छत तो टपकती ही नहीं... तो फिर राशि क्या अपने निजी स्वार्थ के लिए सरपंच व सचिव ने

आहरण कि हैं। वहीं सचिव कहते हैं कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने कहा था छत टपकती हैं इसलिए राशि आहरण कि हैं मरम्मत करवाएगें। ग्रामीणों ने बताया कि जब से पंचायत में सचिव की भुमिका मोहनपुरी गोस्वामी को मिली हैं तब से पंचायत की पांचवा वित्त व 15 वां वित्त की राशि को फर्जी तरिके से आहरण किया जा रहा हैं कभी कम्प्युटर रिपेंरिग के नाम, लोहा गिट्टी की फर्म पर मिठाई के नाम पर तो कभी मरम्मत के नाम पर राशि को आहरण किया जा रहा हैं।

फर्जी बिलों से राशि का आहरण...पंचायत के सरपंच नेहा धुर्वे व सचिव मोहनपुरी गोस्वामी की हस्ताक्षर से देवडोगरी व माड़ी की आंगनवाड़ी के मरम्मत के नाम पर बिल आदित्य इंटरप्राईजेस उकवा के सीमेंट, गिट्टी, रेत और वाटर पेकिंग के नाम से 39,950 रूपए की राशि आहरण किया गया हैं। याने की पंचायत के सरपंच व सचिव के द्वारा राशि आहरण के नए-नए तरिके अपना रहें हैं जो राशि आदिवासी क्षेत्र में विकास के नाम पर आ रहीं हैं वहा सचिव अपना भ्रष्ट दिमांग लगाकर राशि आहरण का तरिका अपना रहें है। अब देखना होंगा कि आखिर सरपंच,सचिव व रोजगार सहायक पर क्या कार्यवाही होती हैं या फिर जनपद के अधिकारी जांच के नाम पर खानापूर्ती कर मामले को रफा-दफा कर देते है। माड़ी आंगनबाड़ी कार्याकर्ता शशी नेताम से सम्पर्क किया गया तो उन्होने कॉल रिसिव नहीं किया।

इनका कहना हैं

हमारी आंगनबाड़ी सहीं हैं छत भी नहीं टपकती हैं, कोई मरम्मत का काम नहीं हुआ हैं। अगर पंचायत से मरम्मत के नाम पर राशि निकाली हैं तो हमें नहीं पता सरपंच व सचिव ही जाने। हमने तो केवल आंगनबाड़ी में बाउड्रीवाल निर्माण के लिए आवेदन किया था वह भी नहीं बनी हैं।

माधुरी कुसरे, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता देवड़ोगरी

आंगनबाड़ी के छत टपकी हैं इसलिए ही राशि निकाली हैं और सामग्री पंचायत में रखी हैं जल्द ही काम किया जाएगा।

मोहनपुरी गोस्वामी, सचिव
ग्राम पंचायत पाथरी

इस मामले में जनपद पंचायत सीईओं बैहर के बी.एस. मेरावी से सम्पर्क किया गया तो उन्होने कॉल रिसिव नहीं किया वहीं जिला पंचायत सीईओं तनुश्री मीणा से भी सम्पर्क किया गया तो उन्होने भी कॉल रिसिव नहीं किया गया।

सरकारी मदद से बनाया पीएम आवास, अब तोड़ रहा प्रशासन

इंदिरानगर में जमीन खाली कराने की कार्रवाई से सड़क पर आ गया गरीब परिवार

2017 में नगर निगम के जरिए मिला था योजना का लाभ, परिवार ने प्रशासन से लगाई राहत की गुहार

कटनी (स्वतंत्रमत)।

कुठला थाना क्षेत्र के अंतर्गत इंदिरानगर में जमीन खाली कराने की प्रशासनिक कार्रवाई के बीच प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने एक मकान का मामला सामने आया है। यहां कई सालों से मकान बनाकर रह रहे भानु वंशकार के परिवार का कहना है कि वर्ष 2017 में नगर निगम के माध्यम से उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिला था, जिसके बाद इसी भूमि पर मकान का निर्माण करवाया गया।

अब हाईकोर्ट के आदेश के बाद जमीन खाली कराने की प्रशासनिक कार्रवाई शुरू होने से परिवार के सामने अपने आशियाने को बचाने की चुनौती खड़ी हो गई है। परिवार के मुताबिक वे लंबे समय से इस क्षेत्र में रह रहे हैं। उनका कहना है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्रता और आवश्यक दस्तावेजों की प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें आवास निर्माण का लाभ मिला था। सरकारी योजना के तहत मकान बनने के वर्षों बाद अब जमीन खाली कराने की कार्रवाई की जिद में मकान जाने से परिवार परेशान है। इस मामले में खास बात यह है कि यदि संबंधित परिवार को सरकारी प्रक्रिया के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिया गया था, तो आवास स्वीकृति के समय भूमि की स्थिति की जांच किस स्तर पर हुई थी।

योजना के तहत पात्र हितग्राहियों के दस्तावेजों और निर्माण से जुड़ी प्रक्रिया पूरी किए जाने के बाद ही आवास निर्माण की कार्रवाई आगे बढ़ती है। ऐसे में अब परिवार द्वारा यह सवाल उठाया जा रहा है कि यदि भूमि को लेकर कोई कानूनी अथवा प्रशासनिक स्थिति थी तो आवास स्वीकृत किए जाने से पहले इसकी जानकारी संबंधित विभागों को क्यों नहीं हुई।

परिवार ने कहा, सरकारी योजना के भरोसे बनाया आशियाना

भानु वंशकार के परिवार का कहना है कि उन्होंने सरकारी योजना के भरोसे अपना मकान बनाया और वर्षों से इसी घर में रह रहे हैं। अब जमीन खाली कराने की कार्रवाई के चलते परिवार के सामने रहने की समस्या उत्पन्न होने की आशंका है। परिवार ने जिला प्रशासन और नगर निगम से मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा उनकी स्थिति को ध्यान में रखते हुए राहत देने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि सरकारी योजना के तहत आवास दिया गया था, तो वर्तमान कार्रवाई से पहले संबंधित विभागों द्वारा पूरे मामले की जांच की जानी चाहिए।

फोटो : विकास गुप्ता

कलेक्टर ने विकसित हो रहे औद्योगिक क्षेत्र तखला-टिकरिया का किया निरीक्षण

कटनी (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर आशीष तिवारी ने शनिवार को तखला-टिकरिया पहुंचकर औद्योगिक क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने सड़क, बिजली, पानी सहित सभी जरूरी बुनियादी सुविधाओं के शीघ्र विकास के निर्देश दिये।बेहतर आधारभूत सुविधाओं के साथ विकसित हो रहा यह औद्योगिक क्षेत्र आने वाले समय में जिले में निवेश, औद्योगिक इकाइयों की स्थापना और स्थानीय रोजगार के नए अवसरों का महत्वपूर्ण आधार बनेगा। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर, वनमंडलाधिकारी गर्वित गंगवार एवं महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र ज्योति सिंह मौजूद रहीं। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि औद्योगिक क्षेत्र में शेष बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए, ताकि भूखंड आवंटित हो चुके उद्यमियों को जल्द से जल्द आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें और वे अपनी औद्योगिक इकाइयों की स्थापना का कार्य प्रारंभ कर सकें।

89 भूखंड, करीब 90 प्रतिशत का आवंटन-नवीन औद्योगिक क्षेत्र 19.52 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित किया गया है। यहां कुल 89 भूखंड तैयार किए गए हैं, जिनमें से करीब 90 प्रतिशत भूखंडों का आवंटन किया जा चुका है। बड़ी संख्या में भूखंडों के आवंटन से क्षेत्र में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना की संभावनाएं मजबूत हुई हैं और आने वाले समय में यहां औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार का रास्ता तैयार हुआ है।

करीब 12 करोड़ रुपये से विकसित हो रहा आधारभूत ढांचा-औद्योगिक क्षेत्र में सड़क, विद्युत सहित आवश्यक बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए लगभग 12 करोड़ रुपये की लागत से कार्य किए जा रहे हैं। मजबूत आधारभूत संरचना उपलब्ध होने से आवंटित भूखंडों पर औद्योगिक इकाइयों की स्थापना और संचालन को आवश्यक सुविधाएं मिल सकेंगी।

विद्युतीकरण और लाइट फिटिंग का कार्य तेज

निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक उद्योग ज्योति सिंह ने कलेक्टर को विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी दी। औद्योगिक क्षेत्र में विद्युतीकरण एवं लाइट फिटिंग का कार्य तेजी से जारी हैए जिसे शीघ्र पूर्ण किया जाना है। कलेक्टर ने मौके पर विकास कार्यों की स्थिति का अवलोकन करते हुए अधिकारियों से कार्यों की समय-सीमा और शेष आवश्यक सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली।

सेवा सेतु अभियान के तहत लाभान्वित हो रहे बिजली उपभोक्ता

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना दर्ज हो रहे आवेदन

कटनी (स्वतंत्रमत)। मध्य प्रदेश शासन ऊर्जा विभाग के निर्देशन में पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी क्षेत्र के समस्त वृत्त में सेवा सेतु अभियान के तहत विशेष कैंप आयोजन किया जा रहा है, जिसमें हितग्राहियों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत उपभोक्ता नेट मीटरिंग के कनेक्शन प्राप्त करते हुए 78 हजार तक की सब्सिडी प्राप्त कर सकते हैं, ऊर्जा के गैर नवीनीकृत स्त्रोत का उपयोग कम करने एवं नवीनीकृत ऊर्जा के स्त्रोत का उपयोग बढ़ाने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश शासन ऊर्जा विभाग के द्वारा कंपनी क्षेत्र के समस्त क्षेत्र में लगातार विशेष अभियान चलाया जाकर बिजली उपभोक्ताओं को पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत कनेक्शन प्रदान करने की कार्रवाई की जा रही है, कटनी शहर में दिनांक 4 अक्टूबर को नगर निगम क्षेत्र में आयोजित किए गए सभी शिविरों में कार्यपालन अभियंता शहर संभाग कटनी के द्वारा स्टॉल लगाया जाकर शिविर का आयोजन किया गया था सेवा सेतु अभियान के अंतर्गत लगातार 5 अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक गणेश चौक कार्यालय के समीप विशेष कैंपियन चलाया ।

तेजस्विनी युवती सम्मेलन का भव्य आयोजन

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कटनी के तत्वाधान में हुआ विशाल आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के पावन निमित्त अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, कटनी (महाकौशल प्रांत) के तत्वावधान में आज तेजस्विनी युवती सम्मेलन का अत्यंत भव्य और उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य युवतियों और छात्राओं में नेतृत्व क्षमता, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक सरोकार की भावना को प्रज्वलित करना तथा उन्हें रानी लक्ष्मीबाई जैसी वीरांगनाओं के आदर्शों से अवगत कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। इस गरिमामयी आयोजन में क्षेत्र एवं जिले की कई प्रमुख व गणमान्य महिला नेत्रियों की विशेष उपस्थिति रही।

प्रमुख अतिथि एवं गणमान्य उपस्थिति

कार्यक्रम में क्षेत्रीय छात्रा प्रमुख शालिनी वर्मा, नीतू कनकने, नीति ठाकुर, सोनाली कन्नौजिया, किटी गुप्ता, नगर उपाध्यक्ष शिखा सोनी, और जिला छात्रा प्रमुख दिव्या मिश्रा मंच पर उपस्थित रहीं। अपने प्रेरणादायी वक्तव्य में शालिनी वर्मा ने कहा कि आज की नारी केवल परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि वह राष्ट्र निर्माण, समाज सुधार और हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही है। उन्होंने संघ के शताब्दी वर्ष के महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं से आह्वान किया कि वे अपने अंदर की शक्ति को पहचानें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी परिषद छात्राओं को नेतृत्व का अवसर प्रदान करता है और हमें देश की संस्कृति व सुरक्षा के प्रति हमेशा सजग रहना चाहिए। नीतू कनकने ने अपने संबोधन में कहा कि इतिहास गवाही देता है कि जब-जब देश और समाज पर संकट आया हैए तब-तब नारी शक्ति ने दुर्गा और काली का रूप लेकर उसका सामना किया है। उन्होंने छात्राओं को शिक्षा के साथ-साथ वैचारिक दृढ़ता और सामाजिक सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया। आवश्यकता है कि युवतियां आत्मनिर्भर बनें और समाज में सकारात्मक बदलाव की वाहक बनें। कार्यक्रम के दौरान अन्य अतिथियों ने भी अपने विचार रखे और छात्राओं को संगठित होकर राष्ट्रहित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। सम्मेलन में कटनी जिले के विभिन्न महाविद्यालयों और विद्यालयों से बड़ी संख्या में छात्राएं एवं युवतियां उत्साहपूर्वक उपस्थित रहीं।

मवेशी चराने गए ग्रामीण पर बाघ ने किया हमला, हालत नाजुक

कटनी (स्वतंत्रमत)। बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान की सीमा से लगे बरही वन परिक्षेत्र के मचमचा बीट में शनिवार दोपहर बाघ के हमले से एक ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गया। मवेशी चराने गए 50 वर्षीय कोमल सिंह पर झाड़ियों में घात लगाकर बैठे बाघ ने अचानक हमला कर दिया। ग्रामीणों के शोर मचाने और लाठी डंडे लेकर मौके पर पहुंचने के बाद बाघ घायल ग्रामीण को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मचमचा गांव निवासी कोमल सिंह पिता रामकृपाल सिंह शनिवार की दोपहर करीब 3 बजे रोजाना की तरह मवेशियों को लेकर मचमचा बीट के पास गए थे। इसी दौरान झाड़ियों से अचानक निकले बाघ ने उन पर हमला कर दिया। हमले में कोमल सिंह के गले और पीठ पर गंभीर चोटें आई तथा काफी रक्तस्राव हुआ। ग्रामीणों ने शोर मचाकर बाघ को भगाया। हमले के दौरान कोमल सिंह की चीख पुकार सुनकर आसपास मौजूद चरवाहे और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने लाठी डंडे लेकर एकजुट होकर शोर मचाया और बाघ को भगाने का प्रयास किया। भारी शोर शराबे के बाद बाघ घायल ग्रामीण को छोड़कर जंगल की ओर चला गया।

स्वामित्व योजना के काम से विरत पटवारियों पर कार्रवाई के विरोध में संघ मुखर

24 घंटे बाद भी निलंबन और वेतन वृद्धि रोकने के आदेश वापस नहीं, आज से ऑनलाइन कार्यों के बहिष्कार का ऐलान

कटनी (स्वतंत्रमत)। स्वामित्व योजना के कार्य से विरत रहने पर पटवारियों के खिलाफ की गई निलंबन एवं वेतन वृद्धि को संचयी प्रभाव से रोकने की कार्रवाई के विरोध में मध्यप्रदेश पटवारी संघ, जिला कटनी ने मोर्चा खोल दिया है। रविवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में संघ पदाधिकारियों ने विभिन्न मांगों और पटवारी संवर्ग से जुड़े मुद्दों पर संगठन का पक्ष रखा। संघ ने कहा कि पटवारी संवर्ग स्वामित्व योजना के उद्देश्य के खिलाफनहीं है, लेकिन योजना के तहत पटवारियों को ई-केवाईसी, पंजीयन सहित व्यक्तिगत दायित्व वाले कार्य सौंपे जाने से कानूनी एवं व्यावहारिक समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। इसी के चलते प्रदेश संगठन के निर्णय के अनुसार पटवारी इन कार्यों से विरत हैं। संघ पदाधिकारियों के अनुसार कटनी जिले में स्वामित्व योजना का कार्य नहीं करने पर कुछ पटवारियों के खिलाफनिलंबन और वेतन वृद्धि को संचयी प्रभाव से रोकने की कार्रवाई की गई है। इस संबंध में प्रशासन को ज्ञापन देकर कार्रवाई वापस लेने की मांग की गई थी, लेकिन 24 घंटे बाद भी आदेश निरस्त नहीं किए गए।

आज से ऑनलाइन कार्यों से विरत रहेंगे पटवारी-संघ ने घोषणा की कि कार्रवाई वापस नहीं लिए जाने के विरोध में 4 अक्टूबर से कटनी जिले में पटवारी ऑनलाइन माध्यम से संपादित होने वाले समस्त कार्यों से विरत रहेंगे। संघ ने कहा कि आमजन, किसान और ग्रामीणों को होने वाली असुविधा के लिए जिला प्रशासन जिम्मेदार होगा।

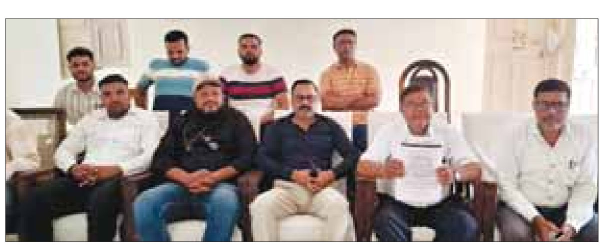

फार्मर आईडी और जीओ-टेग गिरदावरी पर भी जताई आपत्ति-संघ ने फार्मर आईडी निर्माण में पटवारियों के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि सीमित समय में बड़ी संख्या में फार्मर आईडी तैयार की गई हैं। शेष कार्य तकनीकी समस्याओं के निराकरण के साथ सतत प्रकिया के रूप में जारी रह सकता है। तकनीकी दिक्कतों के बीच पटवारियों पर अनावश्यक दबाव या कार्रवाई उचित नहीं है। संघ ने ऐसी कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की है। जीओ टेग गिरदावरी को लेकर भी संघ ने व्यावहारिक कठिनाइयों का मुद्दा उठाया। हाल ही में गिरदावरी के दौरान एक स्थानीय युवा की मृत्यु की घटना पर संवेदना व्यक्त करते हुए संघ ने व्यवस्था में आवश्यक सुधार होने तक इस कार्य से विरत रहने की बात कही।

वेतन विसंगति और कैडर रिव्यू का मुद्दा भी उठाया-पटवारी संघ ने वेतन विसंगति, ग्रेड-पे, कैडर रिव्यू, पदोन्नति समेत लंबित सेवा संबंधी मांगों का स्थायी निराकरण करने की मांग की। संघ का कहना है कि मूल सेवा समस्याओं का समाधान किए बिना लगातार नए तकनीकी एवं प्रशासनिक दायित्व पटवारियों पर डाले जा रहे हैं। संघ ने शासन और जिला प्रशासन से स्वामित्व योजना के कार्य से विरत रहने पर की गई निलंबन एवं वेतन वृद्धि रोकने की कार्रवाई तत्काल वापस लेने तथा लंबित मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की।

मांगों का समाधान नहीं होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी भी दी गई। पत्रकार वार्ता में पटवारी संघ अध्यक्ष दादूराम पटेल, मोहम्मद नासिर, राजेश दुबे, प्रकाश गुप्ता, देवेंद्र भगत, तेजभान पाल, पवन पटेल, दुर्गा शुभेद्र तिवारी, मोहम्मद इमरान, संजीत धुर्वे, पुनीत अवस्थी सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

रेत माफियाओं पर शिकंजा कब कसेगा जिला प्रशासन ?

कटनी (स्वतंत्रमत)। बरही क्षेत्र की नदियों में रेत के कथित अवैध कारोबार को लेकर शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं, लेकिन सवाल यह है कि कार्रवाई का असर जमीन पर कब दिखाई देगा? ग्रामीणों का आरोप है कि बहिरघटा, छिंदहाई पिपरिया, जाजागढ़, सुतरी, कुठिया, महंगवा-सलैया, सिहोरा की पीपही तथा खितौली क्षेत्र की भदार और उमरार नदियों में रात के अंधेरे में ट्रैक्टर लगाकर रेत निकाली जा रही है। उत्खनन के बाद रेत को अलग-अलग स्थानों पर स्टॉक कर बेचने के भी आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि यदि नदी से बिना अनुमति रेत निकाली जा रही है तो यह केवल पर्यावरणीय नुकसान का मामला नहीं, बल्कि शासन के राजस्व से जुड़ा गंभीर सवाल भी है। इसके बावजूद लंबे समय से शिकायतें सामने आने के बाद भी कथित गतिविधियों पर स्थायी रोक यों नहीं लग पा रही, इसे लेकर ग्रामीण प्रशासन से जवाब मांग रहे हैं।

शिकायतों के बीच निगरानी व्यवस्था भी सवालों में-ग्रामीणों ने रेत कंपनी से जुड़ी बताई जा रही फ्लाइंग टीम की गतिविधियों की भी जांच की मांग की है। आरोप है कि टीम से जुड़े कुछ लोग रात में ग्रामीण क्षेत्रों में घूमते हैं और उनके साथ कथित अभद्रता व मारपीट की जाती है। कुछ बाहरी लोगों के हथियार लेकर घूमने के आरोप भी लगाए गए हैं। यदि ये शिकायतें सही हैं तो निगरानी के नाम पर सक्रिय लोगों की भूमिका और अधिकार क्षेत्र की जांच भी जरूरी है।

उमरिया सीमा की घटना ने बढ़ाए सवाल-ग्रामीणों के अनुसार कटनी से लगी उमरिया सीमा के अमरपुर चौकी क्षेत्र में गुरुवार-शुक्रवार की रात फ्लाइंग टीम ने एक ट्रैक्टर पकड़ा और पुलिस के हवाले किया। इस दौरान चालक से कथित मारपीट का आरोप भी लगाया गया है।

ग्रामीणों का सवाल है कि यदि घटना हुई है तो इसकी जांच और जिम्मेदारी तय करने की कार्रवाई कहां तक पहुंची? ग्रामीणों ने कटनी-उमरिया प्रशासन, पुलिस और खनिज विभाग से संयुक्त जांच की मांग की है। उनका कहना है कि नदियों में उत्खनन से लेकर परिवहन, भंडारण और निगरानी के नाम पर सक्रिय टीमों की भूमिका तक की जांच एक साथ होनी चाहिए।

सेमरी कला में स्वच्छता एवं वृक्षारोपण का कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न

सतना स्वतंत्रमत। जन अभियान परिषद् के तत्वाधान में जिला समन्वयक आशीष ताम्रकार के मार्गदर्शन में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ग्राम सेमरी कला में स्वच्छता एवं वृक्षारोपण का कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सेमरी कला की सरपंच श्रीमती राजकुमारी यादव मुख्य अतिथि तथा सेमरी कला पंचायत के सचिव मुकेश सिंह अध्यक्ष रहें। कार्यक्रम के संयोजक प्रस्फुटन समिति सेमरी कला के बलराम चौधरी रहे। कार्यक्रम में स्वच्छता एवं नशामुक्ति विषय पर उत्कर्ष जन कल्याण समिति के अध्यक्ष आलोक सिंह ने बताया। प्रसफुटन समिति प्रौराणिक टोला वार्ड नम्बर 4 के अध्यक्ष विनोद गुप्ता ने जन अभियान परिषद के कार्यों की चर्चा की आभा फाउंडेशन की अध्यक्षा श्रीमती वर्षा तिवारी ने वृक्षारोपण के लिए जागरूकता क्यों। इस विषय पर चर्चा की कार्यक्रम का संचालन उत्कर्ष जन कल्याण समिति की उपाध्यक्ष सुश्री साजिदा खान ने किया। स्वल्पाहार वितरण में एमएसडब्ल्यू की छात्रा संध्या गुप्ता एवं मीडिया प्रभारी उत्कर्ष जनकल्याण सुश्री आयुषी टंडन किया ।विजय यादव एवं विशाल त्रिपाठी ने कार्यक्रम मे विशेष सहयोग किया ।

सतना-रीवा बसों में आरटीओ नियमों की खुलेआम अनदेखी

यात्री सुरक्षा भगवान भरोसे

सतना स्वतंत्रमत । दो प्रमुख जिलों के बीच दौड़ रही यात्री बसों में यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आ रही है। रीवा.सतना मार्ग पर संचालित अधिकांश बसों में परिवहन विभाग के अनिवार्य नियमों का पालन नहीं हो रहा है। न बसों में किराया सूची चस्पा है न आपातकालीन निकास गेट की स्पष्ट व्यवस्था है और न ही आग बुझाने वाला अग्निशमन यंत्र लगा हुआ है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आरटीओ की जांच आखिर हो कहां रही हैघ् क्या फिटनेस सिर्फ कागजों पर दी जा रही है। प्रतिदिन इस मार्ग पर हजारों यात्री सफर करते हैं। छात्र कर्मचारी व्यापारी और मरीज सभी बसों पर निर्भर हैं। लेकिन बस में चढ़ते ही पहला सवाल किराये को लेकर होता है। नियमानुसार हर बस में किराया सूची ड्राइवर के केबिन के पास स्पष्ट रूप से चस्पा होना चाहिए ताकि यात्री निर्धारित किराया जान सके और मनमानी वसूली से बच सके। हकीकत यह है कि अधिकांश बसों में यह सूची है ही नहीं और जहां है भी वहां वह इतनी धुंधली है कि पढ़ी नहीं जा सकती। यात्रियों का आरोप है कि इसका फायदा उठाकर मनमाना किराया वसूला जा रहा है।

आपात स्थिति में कैसे निकलेगा यात्री

इससे भी बड़ा सवाल सुरक्षा का है। नियमानुसार हर बस में दो आपातकालीन निकास द्वार हथौड़ी और वैध अग्निशमन यंत्र होना अनिवार्य है। रीवा.सतना की बसों में आपातकालीन खिड़कियों पर सामान लदा रहता है कई बसों में तो निकास गेट को वेल्डिंग करके बंद कर दिया गया है। आग लगने की स्थिति में काम आने वाला सिलेंडर या तो एक्सपायर हो चुका है या बस में है ही नहीं। पिछले कुछ महीनों में प्रदेश के कई जिलों में बसों में आग लगने की घटनाएं सामने आ चुकी है फिर भी सबक नहीं लिया जा रहा।

दो जिलों की सीमा जिम्मेदारी से किनारा

रीवा से सतना के बीच बसें दो आरटीओ की सीमा में चलती हैं।

रीवा आरटीओ और सतना आरटीओ दोनों की जिम्मेदारी है कि वे अपने क्षेत्र में बसों की जांच करें। लेकिन यात्रियों का कहना है कि सड़क पर जांच के नाम पर सिर्फ परमिट और बीमा के कागज देखे जाते हैं। कोई भी अधिकारी बस के अंदर चढ़कर यह नहीं देखता कि अग्निशमन यंत्र है या नहीं आपात कालीन गेट खुल रहा है या नहीं।

कागजों में फिट जमीन पर अनफिट

सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब बसों की सालाना फिटनेस होती है तो ये कमियां कैसे छूट जाती हैं क्या फिटनेस के दौरान बसों का भौतिक सत्यापन नहीं होता क्या अग्निशमन यंत्र की एक्सपायरी डेट चेक नहीं की जाती।

यात्रियों ने दोनों जिलों के परिवहन अधिकारियों से मांग की है कि रीवा.सतना मार्ग पर औचक जांच अभियान चलाया जाए। जांच सिर्फ कागजों तक सीमित न रखकर बस के अंदर की सुरक्षा व्यवस्थाओं का लाइव सत्यापन किया जाए और नियम तोड़ने वाले बस संचालकों पर चालान ही नहीं परमिट निरस्त करने जैसी सख्त कार्रवाई की जाए। अब देखना होगा कि यात्रियों की सुरक्षा से जुड़ी इस शिकायत के बाद परिवहन विभाग फाइलों से निकलकर सड़क पर उतरता है या नहीं।

24 साल बाद लड़कों से आगे भारत की लड़कियां

4 गोल्ड ज्यादा जीते, हॉकी का ओलिंपिक टिकट मिला

नई दिल्ली

एशियन गेम्स 2026 में भारत का अभियान पूरा हो चुका है। आखिरी दिन घुड़सवारी के दो गोल्ड मेडल इवेंट हैं लेकिन इनमें कोई भारतीय खिलाड़ी शिरकत नहीं कर रहा है। भारत ने जापान के आइची-नागोया में 21 गोल्ड सहित कुल 85 मेडल जीते हैं। उज्बेकिस्तान ने भी भारत के बराबर ही गोल्ड जीते हैं लेकिन ज्यादा सिल्वर के आधार पर भारत चौथे स्थान पर है। रविवार को अगर उज्बेकिस्तान कोई गोल्ड नहीं जीतता है तो भारत चौथे स्थान पर ही फिनिश करेगा भारत ने इस बार लड़कियों के इवेंट में 11 तो लड़कों के इवेंट में 7 गोल्ड जीते। 3 गोल्ड मिक्स्ड इवेंट में आए। इससे पहले 2002 में बुसान में हुए एशियन गेम्स में भारत की लड़कियां आगे रही थीं। तब भारत ने लड़कियों के इवेंट में 6 और लड़कों के इवेंट में 5 गोल्ड जीते थे।

बॉक्सिंग, रेसलिंग में बेहतर हुआ प्रदर्शन, शूटिंग-एथलेटिक्स में पिछड़े

भारत ने 2023 में चीन के ग्वांग्झू में हुए एशियन गेम्स में 28 गोल्ड के साथ 106 मेडल जीते थे। तब भारत ने शूटिंग में 7 और एथलेटिक्स में 6 गोल्ड जीते थे। इस बार शूटिंग में 3 और एथलेटिक्स में 1 ही गोल्ड आया। यानी इन दो खेलों में ही भारत को 9 गोल्ड का नुकसान हो गया। भारत ने पिछली बार स्क्वॉश में 2 और टेनिस, बैडमिंटन और घुड़सवारी में 1-1 गोल्ड जीता था। इन खेलों में इस बार भारत को कोई गोल्ड नहीं मिला। बॉक्सिंग और रेसलिंग में अच्छे प्रदर्शन ने कुछ हद तक गोल्ड में कमी की भरपाई की है। पिछली बार भारत को इन दोनों खेलों में एक भी गोल्ड नहीं मिला था। इस बार बॉक्सिंग में 3 और रेसलिंग में 2 गोल्ड आए हैं। आखिरी में भारत ने पिछले प्रदर्शन को दोहराया है।

हॉकी में गोल्ड के साथ 2 ओलिंपिक टिकट भी

टीम इवेंट्स में भारत ने शानदार प्रदर्शन किया है। क्रिकेट, हॉकी और कबड्डी में भारत ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों के गोल्ड मेडल जीते हैं। हॉकी में एशियाड गोल्ड जीतने पर सीधे ओलिंपिक का टिकट मिलता है, लिहाजा भारत की दोनों हॉकी टीम लॉस एंजिल्स में होने वाले 2028 ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई कर गई है। यह पहला मौका है जब भारत की दोनों वर्गों की हॉकी टीमों ने एक ही इवेंट में गोल्ड जीता है।

ध्वजवाहक नीरू ढांडा की अगुवाई में आइची-नागोया को कहा अलविदा

ट्रैप शूटर नीरू ढांडा ने रविवार को नागोया सिटी मिज़ुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में आयोजित एशियन गेम्स 2026 के समापन समारोह में ध्वजवाहक रहीं और भारतीय तिरंगा अपने हाथों में थामे रखा। इसके साथ ही महाद्वीपीय खेलों के 20वें संस्करण का समापन हो गया। नीरू ढांडा को ध्वजवाहक बनने का सम्मान आइची-नागोया में एशियन गेम्स 2026 के यादगार अभियान के बाद मिला, जहां उन्होंने दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीता। नीरू उन चार भारतीयों में से एक थीं जिन्होंने तीन पदक के साथ अपना अभियान खत्म किया। बाकी खिलाड़ियों में आर्चर कुमकुम मोहोद, लॉन्ग-डिस्टेंस रनर गुलवीर सिंह और क्वार्टर-माइलर विथ्या रामराज शामिल थे।

सबालेंका चाइना ओपन के तीसरे राउंड में हारीं

बार्टुनकोवा ने 6-4, 6-3 से हराया, रायबाकिना के बाद दूसरी टॉप सीड बाहर

नई दिल्ली

चाइना ओपन टेनिस टूर्नामेंट में दुनिया की नंबर-2 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका तीसरे राउंड में हारकर बाहर हो गईं। चेकिया की 34वें नंबर की खिलाड़ी निकोला बार्टुनकोवा ने उन्हें सीधे सेटों में 6-4, 6-3 से हराया। मुकाबला डेढ़ घंटे से थोड़ा ज्यादा चला। इसके साथ ही बीजिंग में खेले जा रहे डब्ल्यूटीए-1000 टूर्नामेंट में दोनों टॉप सीड खिलाड़ी पहले ही हफ्ते में बाहर हो गईं। नंबर-1 एलेना रायबाकिना शनिवार को हारकर बाहर हुई थीं। 28 साल की बेलारूसी खिलाड़ी का बीजिंग में संघर्ष जारी रहा। वे चाइना ओपन में कभी क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई हैं। पिछले महीने यूएस ओपन में भी उन्हें एलेना रायबाकिना ने हराया था। इस हार के साथ सबालेंका का चाइना ओपन में एक और निराशाजनक अभियान खत्म हो गया।

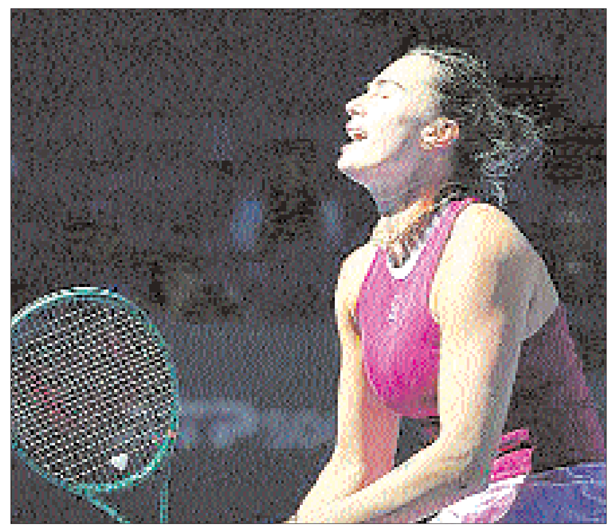

बार्टुनकोवा का अगला मुकाबला सिंजा क्रॉस से

सबालेंका को हराने के बाद बार्टुनकोवा अब ऑस्ट्रिया की 24 साल की सिंजा क्रॉस से खेलेंगी। क्रॉस ने तीसरे राउंड के मुकाबले में यूक्रेन की दायाना यास्त्रेम्स्का को 6-1, 6-4 से हराया। बार्टुनकोवा के लिए यह जीत खास है, क्योंकि उन्होंने चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सबालेंका को सीधे सेटों में हराया। वे अब टूर्नामेंट के अगले दौर में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखना चाहेंगी।मेंस कैटेगरी में टॉप सीड और यूएस ओपन चैंपियन अलेक्जेंडर ज्वेरेव का क्वार्टर फाइनल में नोवाक जोकोविच से मुकाबला होगा। यह मैच रविवार को खेला जाएगा। ज्वेरेव ने यूएस ओपन का खिताब जीतने के बाद चाइना ओपन में अपना अभियान जारी रखा है।

शैफेलबर्ग के दो गोल से कनाडा ने पेरू को हराया

मॉन्ट्रियल। जैकब शैफेलबर्ग ने पहले हाफ में किए गए दो गोल की बदौलत कनाडा ने अपने घरेलू फ्रेंडली मैच में पेरू को 2-0 से हरा दिया। मेजबान टीम को 19वें मिनट में उस समय बढ़त मिली जब शैफेलबर्ग ने लियाम मिलर के सेट-पीस पास पर दूर वाले पोस्ट के पास गेंद को कंट्रोल किया और गोलकीपर डिएगो रोमेरो को छकाते हुए शॉट लगाकर गोल कर दिया। 16 मिनट बाद मिलर ने फिर से मदद की, उन्होंने दाईं ओर से तेज़ी से दौड़ते हुए क्रॉस पास दिया जो फिर से शैफेलबर्ग के पास पहुँचा, और उन्होंने पीछे वाले पोस्ट पर हेडर से गोल कर दिया। पेरू के पास गेंद पर कब्जा 43 प्रतिशत रहा और वे सपुटो स्टेडियम में एक भी शॉट टारगेट पर नहीं मार पाए। दक्षिण अमेरिकी टीम मौजूदा फीफा इंटरनेशनल विंडो का समापन छह अक्टूबर को मियामी में कोलंबिया के खिलाफ फ्रेंडली मैच के साथ करेगी। उसी दिन कनाडा का मुकाबला सेंट पॉल, मिनेसोटा में अमेरिका से होगा।

रेस्ट ऑफ इंडिया ने 31वीं बार ईरानी कप जीता

-जम्मू-कश्मीर को 167 रन से हराया, स्मरण का शतक, मुकेश कुमार ने 6 विकेट लिए

नई दिल्ली

रेस्ट ऑफ इंडिया ने 31वीं बार ईरानी कप का खिताब जीत लिया है। टीम ने जम्मू-कश्मीर को 167 रन से हराया। श्रीनगर में 1 से 5 अक्टूबर तक खेले गए मुकाबले में रेस्ट ऑफ इंडिया ने पहली पारी में 237 और दूसरी पारी में 319 रन बनाए। इसके जवाब में जम्मू-कश्मीर की टीम पहली पारी में 278 और दूसरी पारी में 111 रन पर ऑलआउट हो गई। दूसरी पारी में जम्मू-कश्मीर की बल्लेबाजी पूरी तरह लड़खड़ा गई। टीम 28.4 ओवर में 111 रन पर ऑलआउट हो गई। कामरान इकबाल ने 32 और शुभम खजूरिया ने 36 रन बनाए। इनके अलावा कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। रेस्ट ऑफ इंडिया के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार ने दूसरी पारी में शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने 10.4 ओवर में 33 रन देकर 6 विकेट लिए। आकाश दीप ने 3 और मुकेश चौधरी ने एक विकेट हासिल किया। रेस्ट ऑफ इंडिया की दूसरी पारी में रविचंद्रन स्मरण ने शानदार शतक लगाया। उन्होंने 153 गेंदों पर 135 रन बनाए। उनकी पारी में 16 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। स्मरण के अलावा सनत सांगवान ने 55 और सुधीप कुमार घरामी ने 33 रन बनाए।

हार्दिक पंड्या ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर

मार्च में आखिरी इंटरनेशनल मैच खेला था, उनकी जगह सूर्यांश शेडगे को मौका

नई दिल्ली। हार्दिक पंड्या चोट की वजह से ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। सीरीज इसी महीने 6 से 11 अक्टूबर के बीच पुडुचेरी में खेली जाएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, उनकी जगह ऑलराउंडर सूर्यांश शेडगे को टीम में शामिल किया गया है। सूर्यांश ने बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। वे पहले ही टीम के साथ जुड़ गए हैं। हार्दिक ने आखिरी बार आईपीएल 2026 में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेला था। उन्होंने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच मार्च में हुए टी-20 वर्ल्ड कप में खेला था। सूर्यांश ने जून 2026 में आयरलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में डेब्यू किया था। वे 3 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। इंडिया ए टीम में चुने जाने के कारण अब वे मुंबई के रणजी ट्रॉफी ओपनर में नहीं खेल पाएंगे। मुंबई को 11 अक्टूबर से वानखेड़े स्टेडियम में चंडीगढ़ के खिलाफ पहला मैच खेलना है।

आरबीआई के बयान पर रहेगी निवेशकों की नजर

मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर रिजर्व बैंक (आरबीआई) के बयान पर रहेगी। केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक सोमवार पांच अक्टूबर से शुरू हो रही है। रेपो दर तथा नीतिगत दरों पर फैसले की घोषणा सात अक्टूबर को जाएगी। साथ ही अर्थव्यवस्था की स्थिति पर भी बयान जारी किया जाएगा। आरबीआई की घोषणाओं का सीधा असर शेयर बाजार पर दिखेगा। इसके अलावा, कच्चे तेल की कीमत तथा अन्य वैश्विक कारकों का असर भी निवेश धारणा पर देखा जा सकता है। निवेशकों का अनुमान है कि रिजर्व बैंकों रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की वृद्धि कर सकता है। इससे बीते सप्ताह सभी सभी चार कारोबारी दिन बाजार में

बिकवाली हावी रही। शुक्रवार को गांधी जयंती के मौके पर बाजार बंद रहे। बीएसई की 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1,986.04 अंक (2.69 प्रतिशत) की साप्ताहिक गिरावट में 71,909.70 अंक पर बंद हुआ। यह डेढ़ साल का इसका निचला स्तर है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी सप्ताह के दौरान 641.15 अंक यानी 2.78 प्रतिशत नीचे छह महीने के निचले स्तर 22,421.95 अंक पर आ गया। वृहत बाजार में भी बिकवाली हावी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 3.87 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 3.20 प्रतिशत टूट गया। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से पिछले सप्ताह दो ही हरे निशान में रहीं। कोटक महिंद्रा बैंक का शेयर 4.07 फीसदी और इंफोसिस का 3.40 फीसदी मजबूत बंद हुआ। टाइटन में सबसे ज्यादा 7.05 प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट रही। इटरनल का शेयर 6.36 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा का 5.95, मारुति सुजुकी का 5.56, पावरग्रिड का 5.42 और हिंदुस्तान यूनीलिवर का 5.10 प्रतिशत टूट गया। एलएंडटी में 4.99 प्रतिशत, रिलायंस इंडस्ट्रीज में 4.89, बजाज फाइनेंस में 4.59, टाटा स्टील में 4.58 और आईसीआईसीआई बैंक में 4.46 प्रतिशत की गिरावट रही। एनटीपीसी का शेयर 2.91 फीसदी, भारतीय स्टेट बैंक का 2.90, अल्ट्राटेक सीमेंट का 2.71, अडानी पोर्ट्स का 2.58 और भारती एयरटेल तथा ट्रेंट दोनों के 2.57 फीसदी लुढ़क गए। बीईएल में 2.42 प्रतिशत, सन फार्मा में 2.35, एचडीएफसी बैंक में 2.24, बजाज फिनसर्व में 2.21, एशियन पेंट्स तथा आईसीआईसीआई बैंक दोनों में 1.58 और एचसीएल टेक्नोलॉजीज में 1.06 प्रतिशत की गिरावट रही। टेक महिंद्रा का शेयर 0.52 प्रतिशत, एक्सिस बैंक का 0.49, इंडिगो का 0.28 और टीसीएस का 0.22 प्रतिशत के नुकसान में रहा।

ओवन एआई के सेफ्टी एक्सपर्ट ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली। चैट जीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनी-एआई के सेफ्टी एक्सपर्ट डेविड रॉबिंसन ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियां नया एआई बनाने की होड़ में बहुत जल्दबाजी कर रही हैं और इससे जुड़े बड़े खतरों को नजरअंदाज कर रही हैं। रॉबिंसन ने अमेरिका की द अटलांटिक मैगजीन में एक लेख में लिखा कि एआई कंपनियां आम लोगों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही हैं। एआई को आम सॉफ्टवेयर की तरह नहीं, बल्कि न्यूक्लियर पावर प्लांट की तरह संभाला चाहिए। जैसे न्यूक्लियर पावर प्लांट में सुरक्षा के ढेरों इंतजाम होते हैं और हर काम बहुत सोच-समझकर धीरे-धीरे किया जाता है, ताकि इंसान की एक भी गलती से कोई बड़ी तबाही न हो, ठीक वैसे ही नियम-कानून एआई के लिए भी बनने चाहिए। एआई के मामले में हमें पहली बार में ही 100 प्रतिशत सुरक्षा रखनी होगी, यहां गलती की कोई गुंजाइश नहीं है।

एवरेस्ट जीरा पाउडर सैंपल टेस्ट में निकला अनसेफ

फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने वापस मंगाने का आदेश दिया

नई दिल्ली

फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने एवरेस्ट फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के प्री-पैक्ड जीरा पाउडर के एक बैच को बाजार से वापस मंगवाने का आदेश जारी किया है। इसके अलावा कंज्यूमर हेल्थ से जुड़े उल्लंघन के एक अन्य मामले में कार्रवाई करते हुए एफएसएसएआई ने मेसर्स क्रिएटिव बेकर्स एंड कन्फेक्शनर्स प्राइवेट लिमिटेड का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। एवरेस्ट के खिलाफ यह कदम लैब जांच में तय सीमा से ज्यादा पेस्टिसाइड यानी कीटनाशक अवशेष मिलने के बाद उठाया गया है, जबकि बेकरी पर साफ-सफाई, स्वच्छता और फूड सेफ्टी में कई गंभीर खामियां मिलने पर यह कार्रवाई हुई है। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने

एवरेस्ट फूड प्रोडक्ट्स के प्री-पैक्ड जीरा पाउडर को लेकर रिकॉल ऑर्डर जारी किया है। इंस्पेक्शन के लिए सैंपल गोवा स्थित मेसर्स रिवरसाइड रिसॉर्ट्स एंड हॉलीडे होम्स प्राइवेट लिमिटेड के परिसर से लिया गया था। फूड एनालिस्ट की रिपोर्ट में प्रोडक्ट के अंदर एज़ॉक्सीस्ट्रोबिन और थियामेथोक्सम नाम के पेस्टिसाइड अवशेष तय अधिकतम सीमा से ज्यादा पाए गए। फूड एनालिस्ट ने सैंपल को फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट-2006 के तहत अनसेफ यानी असुरक्षित घोषित किए जाने के बाद कंपनी को रिपोर्ट को चुनौती देने का मौका दिया गया। अपील प्रक्रिया के तहत सैंपल को आगे की जांच के लिए रेफरल फूड लेबोरेटरी भेजा गया। रेफरल लैब ने भी कंफर्म किया कि सैंपल असुरक्षित है और दोनों कीटनाशक तय मानकों से ज्यादा मात्रा में मौजूद हैं।

एफपीआई ने अक्टूबर में एक ही दिन में पूंजी बाजार से निकाले 9,508 करोड़ रुपये

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अक्टूबर के पहले ही दिन भारतीय पूंजी बाजार से 9,508 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की। इससे पहले सितंबर में भी एफपीआई का निवेश 58,443 करोड़ रुपये कम हो गया था। शुद्ध निकासी निवेशकों द्वारा बाजार में लगाई गई पूंजी और बाजार से निकाली गई पूंजी का अंतर है। केंद्रीय डिपॉजिटरी सेवा के आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में अवतक हुए एक मात्र दिन के कारोबार में पहली तारीख को एफपीआई ने इक्विटी से 9,232 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की। डेट और हाइब्रिड उपकरणों में भी शुद्ध रूप से बिकवाल रहे जबकि म्यूचुअल फंड में उन्होंने मामूली सकारात्मक निवेश किया। डेट में उन्होंने शुद्ध रूप से 199 करोड़ डॉलर की बिकवाली की। हाइब्रिड उपकरणों से उन्होंने 82 करोड़ डॉलर निकाले। म्यूचुअल फंड में उन्होंने पांच करोड़ डॉलर का शुद्ध निवेश किया। मौजूदा कैलेंडर वर्ष में अब तक एफपीआई भारतीय पूंजी बाजार से 2,15,301 करोड़ डॉलर निकाल चुके हैं। इसमें अकेले इक्विटी में उनका निवेश 2,69,535 करोड़ डॉलर कम हो चुका है। डेट और म्यूचुअल फंड में वे शुद्ध रूप से लिवार रहे हैं जबकि हाइब्रिड उपकरणों में उनका निवेश कम हुआ है।

विक्रम सोलर को एग्री-सोलर परियोजनाओं के लिए 400 मेगावाट मॉड्यूल आपूर्ति का ऑर्डर मिला

कोलकाता। भारत की प्रमुख सौर पीवी मॉड्यूल निर्माता कंपनियों में शामिल विक्रम सोलर को महाराष्ट्र के कई स्थानों पर विकसित की जा रही विकेंद्रीकृत सोलर परियोजनाओं के लिए एक प्रतिष्ठित ईपीसी कंपनी से 400 मेगावाट मॉड्यूल की आपूर्ति का ऑर्डर मिला है। यह ऑर्डर भारत में तेजी से बढ़ रहे कृषि-फीडर सोलराइजेशन क्षेत्र में विक्रम सोलर की मौजूदगी को और मजबूत करता है। यह क्षेत्र देश में विकेंद्रीकृत और भरोसेमंद अक्षय ऊर्जा ढांचे की दिशा में हो रहे बदलाव में लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। समझौते के तहत विक्रम सोलर क्षमता वाले ज्वाई-एफिशिएंसी एन-टाइप टॉपकॉन जी12आर मॉड्यूलज़ की आपूर्ति करेगा। इन मॉड्यूल में ग्लास-टू-ग्लास, बाइफेशियल तकनीक और हाफ-कट सेल का इस्तेमाल किया गया है। इनकी आपूर्ति अक्टूबर 2026 से शुरू होने वाली है।

भारत में सोलर एनर्जी के विस्तार में तेजी जारी रहने के बीच विकेंद्रीकृत अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं देश के क्लीन एनर्जी चेंज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन रही हैं। इनके जरिए बिजली उत्पादन को बिजली की खपत वाले केंद्रों के करीब लाया जा रहा है। इससे बिजली ग्रिड को अधिक मजबूत बनाने में भी मदद मिल रही है। खास तौर पर कृषि फीडर सोलराइजेशन से किसानों और कृषि समुदायों तक बिजली की बेहतर पहुंच बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। साथ ही, यह भारत के व्यापक अक्षय ऊर्जा और ऊर्जा सुरक्षा लक्ष्यों में भी योगदान देगा। विक्रम सोलर के लिए यह ऑर्डर बड़े स्तर पर और अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों में फैले सोलर एनर्जी कार्यक्रमों को पूरा करने की कंपनी की बढ़ती क्षमता को दर्शाता है। इसमें कंपनी के बढ़ते विनिर्माण नेटवर्क और उन्नत तकनीक वाले उत्पादों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

चीनी में 61 रुपये की साप्ताहिक गिरावट

चावल नरम, दालों और खाद्य तेलों के भाव चढ़े

नयी दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चीनी औसतन 61 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। चीनी के साथ चावल के भाव भी टूट गए। दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। बीते सप्ताह मीठे के बाजार में चीनी का औसत भाव 61 रुपये फिसलकर सप्ताहांत पर 5,101 रुपये प्रति क्विंटल रह गया। गुड़ का भाव चार रुपये प्रति क्विंटल उतर गया। सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 17 रुपये घटकर सप्ताहांत पर 4,153 रुपये प्रति क्विंटल रह गई। गेहूं की कीमत 2,887 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रही। आटा 10 रुपये चढ़कर 3,364 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। सप्ताह के दौरान चना दाल की औसत कीमत 92 रुपये और तुअर दाल की 66 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। मसूर दाल 34-34 रुपये महंगी हो गई। उड़द दाल के दाम पांच रुपये प्रति क्विंटल टूट गए। बीते सप्ताह मूंगफली तेल 99 रुपये और सूरजमुखी तेल 95 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। सरसों तेल का भाव 60 रुपये और वनस्पति का 39 रुपये चढ़ गया। सोया तेल 26 रुपये महंगा हुआ। पाम ऑयल की कीमत कमोबेश पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर ही रही।

नागरिकों की सुविधा और द्रुत गति से नवीन जिलों का विकास शासन की प्राथमिकता : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

बड़ी संख्या में युवाओं को जोड़ा जाएगा उद्योगों और स्वरोजगार से, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पांढुर्णा में ली जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पांढुर्णा सहित प्रदेश के नवीन जिलों के विकास, नागरिक सुविधाओं और जिलों का द्रुत गति से विकास शासन की प्राथमिकता है। यहां के युवाओं को उद्योगों और रोजगार से जोड़ने के लिए उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा। कृषि और स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम बनाये जायेंगे। यहां पशुपालन और दुग्ध उत्पादन की संभावनाओं को और बढ़ाएंगे। पांढुर्णा जिले के विकास में कोई भी बाधा नहीं आएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को पांढुर्णा जिले में जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक में अध्यक्षता करते हुए समिति के सदस्यों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि पांढुर्णा जिले के नवीन निर्माण कार्यों की स्वीकृतियां लगातार जारी की जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने हनुमान लोक के अगले चरण के निर्माण कार्यों में प्रगति की जानकारी प्राप्त की और तीव्र गति से कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बैठक में पांढुर्णा जिले के विकास और उपलब्धियों के बारे में बताया गया कि जिले में अभी तक 112 करोड़ रूपये के विकास कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं, जिनमें मुख्य रूप से सांदीपनि विद्यालय पांढुर्णा, सांदीपनि विद्यालय सौंसर, पुलिस कंट्रोल रूम पांढुर्णा और चमत्कारिक श्री हनुमान मंदिर जामसांवली हनुमान लोक के प्रथम चरण का निर्माण कार्य शामिल है। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा सांदीपनी प्राथमिक शाला पांढुर्णा को स्कूल सर्टिफिकेशन योजना के अंतर्गत गोल्ड अवॉर्ड प्रदान किया गया है। सांदीपनि विद्यालय सौंसर में 1654 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। जिले में कुल 248 करोड़ रूपये की लागत के विकास कार्य निर्माणाधीन हैं, जिनमें विभिन्न शासकीय कार्यालयों, सड़क, पुल, नलजल योजनाओं के कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने लोकहित परिसर नवीन कलेक्टर कार्यालय भवन पांढुर्णा के प्रस्तावित योजना का अवलोकन किया।

हनुमान लोक के लोकार्पण के बाद मासिक आय हुई दोगुनी

बैठक में बताया गया कि मुख्यमंत्री डॉ.यादव द्वारा हनुमान लोक के लोकार्पण के बाद से यहां की औसत मासिक आय 25 लाख रूपये से बढ़कर 60 लाख रूपये हो गई है। प्रथम चरण में हनुमान लोक की 57 दुकानों की नीलामी से लगभग 11 करोड़ रूपये की प्राप्ति हुई है, प्राप्त आय का उपयोग मंदिर और श्रद्धालु सुविधाओं के विकास एवं रख - रखाव में किया जा रहा है। बैठक की शुरुआत में जिला विकास सलाहकार समिति के सदस्य छिंदवाड़ा - पांढुर्णा सांसद विवेक बंटी साहू, पूर्व मंत्री नाना भाऊ मोहोड़, पांढुर्णा विधायक निलेश ऊईके और सौंसर विधायक विजय रेवनाथ चौरे ने मुख्यमंत्री डॉ.यादव का पौधा भेंट कर स्वागत किया। जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक में अशासकीय सदस्यों के साथ ही जबलपुर संभाग के आयुक्त धनंजय सिंह, आईजी जबलपुर प्रमोद वर्मा, कलेक्टर नीरज वशिष्ठ, डीआईजी राकेश सिंह, पुलिस अधीक्षक प्रकाश चंद्र परिहार, सीईओ जिला पंचायत अग्रिम कुमार सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

महिला स्व-सहायता समूहों के हस्तशिल्प की सराहना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सांदीपनी स्कूल पांढुर्णा में आयोजित सेवा सेतु अभियान सरकार आपके द्वार शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल एवं प्रदर्शनियों का अवलोकन किया। उन्होंने स्वरोजगार मूलक योजनाओं के हितग्राहियों द्वारा किए जा रहे कार्यों तथा स्थानीय स्तर पर तैयार किए जा रहे उत्पादों की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने हितग्राहियों को हितलाभ वितरण के साथ मुख्यमंत्री स्कूटी योजना अंतर्गत कक्षा 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को स्कूटी वितरित की। मुख्यमंत्री ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोरडोंगरी की छात्रा श्वेता साबले, विद्यार्थी दीपांशु पराड़कर तथा सांदीपनी स्कूल की छात्रा दिव्या करबे को स्कूटी प्रदान की और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन मंडल सामान्य के स्टॉल का अवलोकन करते हुए वहां प्रदर्शित आयुर्वेदिक एवं औषधीय उत्पादों की जानकारी ली। उन्होंने स्थानीय स्तर पर उपलब्ध वन एवं औषधीय संसाधनों से तैयार किए जा रहे उत्पादों को उपयोगी बताते हुए इनके बेहतर प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए।

योजनाओं के हितग्राहियों को वितरित किए हितलाभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए गए। खेड़ीकला निवासी तुषार सुभाष काकड़े को ड्रिप इरिगेशन हेतु अनुदान राशि 1 लाख रुपए, भंदारगोंदी निवासी मोहन हिवसे को औजार अनुदान योजना तथा पुनम दुधकवरे, अश्विनी राजू सावकर, वैशाली हेमंत सौदागर, हर्षला वानखेड़े एवं किशोर दुधकवरे निवासी पांढुर्णा को प्रधानमंत्री श्रम योगी पेंशन योजना का लाभ प्रदान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रमेश कोहले एवं सुरेश वघाले निवासी पांढुर्णा को वृद्धा पेंशन स्वीकृति, पांढुर्णा निवासी मनिषा बारंगे को दिव्यांग पेंशन योजना, कुरेशा बी को श्रवण यंत्र प्रदान किया गया। पांढुर्णा निवासी योगिता तायवाडे को व्हीलचेयर एवं ब्रेलीकेट, पांढुर्णा निवासी ओम प्रकाश मानकर एवं अशोक शहगल को प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 का लाभ मिला। पांढुर्णा निवासी मंदा वानखड़े, पूजा योगेश, अपूर्वा ठोमेरे एवं तरुण ठोमेरे को खाद्यान्न पात्रता पर्ची प्रदान की गई।

युवाओं की आकांक्षाओं को अवसरों से जोड़ेगा सीएम यूथ कॉन्क्लेव-2026

रोजगार, कौशल, स्वरोजगार, उद्यमिता, नवाचार और उभरती प्रौद्योगिकियां होंगी प्रमुख केंद्र

भोपाल (स्वतंत्र मत)। प्रदेश की युवा शक्ति की प्रतिभा, आकांक्षाओं और नवाचार को नई संभावनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से उच्च शिक्षा विभाग के तत्वावधान में सीएम यूथ कॉन्क्लेव-2026 का आयोजन 6 अक्टूबर को भोपाल के लाल परेड मैदान में किया जाएगा। कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 20 हजार से अधिक युवाओं से सीधा संवाद करेंगे।उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने लाल परेड मैदान में कार्यक्रम स्थल, प्रदर्शनी कक्षों सहित आयोजन से जुड़ी विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने तैयारियों की प्रगति की जानकारी लेते हुए आयोजन से संबंधित व्यवस्थाओं को समय-सीमा में पूर्ण करने तथा युवाओं की सुविधा और कार्यक्रम की सुव्यवस्थित संचालन व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन एवं आयुक्त, उच्च शिक्षा प्रबल सिपाहा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे। कॉन्क्लेव में रोजगार, कौशल विकास, स्वरोजगार, उद्यमिता, नवाचार, अनुसंधान तथा उभरती प्रौद्योगिकियों पर विशेष फोकस रहेगा। विशेषज्ञों, शैक्षणिक संस्थानों, उद्योगों और नवोदित उद्यमों की सहभागिता से युवाओं को शिक्षा एवं रोजगार की बदलती आवश्यकताओं और उपलब्ध संभावनाओं की जानकारी मिलेगी।

17 विभागों और विभिन्न संस्थाओं की सहभागिता

आयोजन में 17 शासकीय विभागों एवं विभिन्न संस्थाओं की सहभागिता रहेगी। उच्च शिक्षा, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, तकनीकी शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, श्रम, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, परिवहन, आयुष तथा पुलिस एवं साइबर सुरक्षा सहित विभिन्न विभाग अपने-अपने क्षेत्र से संबंधित योजनाओं और गतिविधियों से युवाओं को परिचित कराएंगे। मध्यप्रदेश स्टार्टअप सेंटर एवं सेडमैप द्वारा स्वरोजगार, उद्यमिता, कौशल विकास और नवाचार से संबंधित गतिविधियां प्रस्तुत की जाएंगी। कॉन्क्लेव में विभागों, संस्थाओं, विश्वविद्यालयों और नवोदित उद्यमों के 80 से अधिक प्रदर्शनी कक्ष लगाए जाएंगे। इनमें रोजगार, प्रशिक्षण, कॅरियर, उद्यमिता, अनुसंधान, प्रौद्योगिकी और शासकीय योजनाओं से संबंधित गतिविधियां प्रदर्शित की जाएंगी।

दोषियों पर होगी कठोर कार्रवाई : कलेक्टर गौवंश की रक्षा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

दमोह (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने गोकशी से संबंधित मामले को गंभीरता से लेते हुए चौकी प्रभारी को तत्काल निलंबित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को भी मामले में नियमानुसार कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा खुले में संचालित मांस की दुकानों को चिन्हित कर आज ही तत्काल बंद कराने की कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि गौ माता एवं गौवंश की रक्षा हम सभी का कर्तव्य है और प्रशासन इसके लिए पूरी तरह समर्पित है। इस संबंध में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि गोकशी अथवा गौवंश से संबंधित इस प्रकार की घटनाओं को अंजाम देने वालों तथा कार्रवाई में लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदारों के विरुद्ध प्रशासन द्वारा कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सोयाबीन भावांतर योजना अंतर्गत 17 अक्टूबर तक

दमोह (स्वतंत्र मत)। जिला उपार्जन समिति एवं योजना क्रियान्वयन समिति की बैठक 3 अक्टूबर को लिए गए निर्णय अनुसार कलेक्टर प्रताप नारायण यादव द्वारा सोयाबीन भावांतर योजना अंतर्गत जिले में निशुल्क पंजीयन हेतु 23 पंजीयन केंद्र निर्धारण किए जाने हेतु आदेश जारी किया गया है। किसान बंधु 3 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक निर्धारित पंजीयन केंद्रो में नि:शुल्क पंजीयन करा सकेंगे।

यूथ कॉन्फ्रेंस में युवाओं से आत्मीय संवाद

दमोह (स्वतंत्र मत)। सामुदायिक भवन जबेरा में जीएसयू दमोह के तत्वावधान में आयोजित यूथ कॉन्फ्रेंस में संस्कृति एवं पर्यटन राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी के अनुज एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सत्येंद्र सिंह लोधी शामिल हुए। उन्होंने कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद करते हुए उनके सपनोंए लक्ष्यों और भविष्य को लेकर उनकी सोच जानी तथा विभिन्न विषयों पर खुलकर चर्चा की। कार्यक्रम में उमराव सिंह सेवानिवृत्त डीएसपी, पूर्व बीएमओ डॉ. डीके राय, सेवानिवृत्त आर्मी जवान संतोष तिवारी, भाजपा मंडल अध्यक्ष बंटी दुबे, मयंक जैन एवं सहारा ठाकुर ने भी युवाओं का मार्गदर्शन किया। अतिथियों ने विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए विभिन्न जिज्ञासा भरे प्रश्नों का समाधान करते हुए उन्हें भविष्य निर्माण के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में गोंडवाना स्टूडेंट यूनियन संगठन की जिलाध्यक्ष हर्षिता ठाकुर, उपाध्यक्ष सरस्वती, जिला महासचिव पूनम, ब्लॉक अध्यक्ष राज तेकाम, जितेंद्रए रश्मि, अरविंद एवं रिमझिम, नीरज, विकास, छत्रपाल जिला मीडिया प्रभारी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सेवा सेतु अभियान आपके द्वार विकासखंड स्तरीय शिविर आयोजित

दमोह (स्वतंत्र मत)। हटा जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत हिनोता कला में सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा सेतु अभियान सरकार आपके द्वार विकासखंड स्तरीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मप्र राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया, हटा विधायक उमादेवी खटीक, जनपद पंचायत अध्यक्ष गंगाराम पटेल सहित गोपाल पटेल, कमलेश चौधरी एवं प्रदीप गुप्ता उपस्थित रहे।कार्यक्रम में हटा एसडीएम राकेश मरकाम, जनपद पंचायत सीईओ संजीव गोस्वामी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को शासन की योजनाओं की जानकारी एवं पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया गया।

त्यौहारों की तैयारियों को लेकर बैठक आज

दमोह (स्वतंत्र मत)। शारदेय नवरात्र, श्रीरामदल, रावण दहन, जवारे विसर्जन एवं विजयदशमी चल समारोह घंटाघर की मंचीय व्यवस्था एवं पुरस्कार वितरण एवं श्रीराम जी सेवा समिति दमोह एवं सकल हिन्दू समाज जिला दमोह द्वारा समस्त सामाजिक संगठनों के अध्यक्षों एवं समस्त दुर्गा पंडालों के प्रमुखों की एक महत्वपूर्ण कामकाजी बैठक का आयोजन आज 5 अक्टूबर को रात्रि 7:30 बजे नील कमल गार्डन दमोह में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पवनसुत बजरंगबली करेंगे। हिन्दू समाज जिला दमोह के द्वारा गौ हत्या की कड़ी निन्दा करते हुए कहा है कि गौ हत्यारों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

वन्य प्राणी सप्ताह के तहत मडियादो बफर प्रबंधन द्वारा जागरूकता कार्यक्रम

बाइक रैली, आदिवासियों ने दी पारम्परिक प्रस्तुतियां

दमोह (स्वतंत्र मत)।

वन्य जीव संरक्षण एवं जन.जागरूकता के उद्देश्य से वन परिक्षेत्र मडियादो बफर प्रबंधन द्वारा विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमे एक बाइक रैली निकाली गई बाइक रैली वर्धा से प्रारंभ होकर पाली, कनकपुरा, तिंदनी, मडियादो, कलकुआं एवं चौरइया होते हुए मनकपुरा में संपन्न हुई।

वनपरिक्षेत्र अधिकारी जेण्पी मिश्रा के नेतृत्व में जारी रैली के पाली पहुंचने पर ईको विकास समिति पाली एवं ग्राम पंचायत के सरपंच द्वारा रैली का आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर स्थानीय घोड़े का नृत्य तथा ढोल-नगाड़ों के साथ ग्रामीणों ने रैली का स्वागत किया। रैली के आगे बढ़ने पर ग्राम कलकुआं में स्थानीय बच्चों द्वारा फूलों से आकर्षक रंगोली बनाकर एवं पुष्प वर्षा कर रैली का स्वागत किया गया।

विभिन्न ग्रामों से गुजरते समय स्थानीय ग्रामीण भी वन्यजीव संरक्षण के संदेश से प्रेरित होकर अपनी सुविधा एवं उपलब्धता के अनुसार रैली में शामिल होते रहे। ग्रामीणों की सहभागिता से रैली को व्यापक जनसमर्थन प्राप्त हुआ तथा वन एवं वन्यजीव संरक्षण का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचा। रैली के मानकपुरा गांव पहुंचने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण आदिवासियों ने पारंपरिक वेशभूषा में रैली का स्वागत किया। ग्रामीणों द्वारा पारंपरिक लोकनृत्य, लोकगायन एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। भजन एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से वन संरक्षण एवं वन्यजीव संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों एवं वन विभाग के कर्मचारियों ने वन एवं वन्य जीव संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए आमजन से वनों की रक्षा, वन्यजीवों के संरक्षण तथा अवैध शिकार एवं वन्य जीव अपराधों की रोकथाम में सहयोग करने की अपील की।

जो पात्र हितग्राही छूट गया उसे प्रधानमंत्री आवास का मिले लाभ : विधायक

सेवा सेतु शिविर में 18 विभागों की योजनाओं का मिला लाभ

दमोह (स्वतंत्र मत)। सेवा सेतु अभियान का मुख्य उद्देश्य आमजन और शासन-प्रशासन के बीच की दूरी को समाप्त करना है ताकि नागरिक एक ही मंच पर अपनी समस्याएं रख सकें और शासन-प्रशासन के अधिकारी, कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि उनकी बात सुनकर प्रभावी समाधान सुनिश्चित कर सकें। अभियान के माध्यम से शासन-प्रशासन को अधिक संवेदनशील और जवाबदेह बनाना तथा पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ सम्मानपूर्वक समय पर और पारदर्शी तरीके से दिलाना सुनिश्चित किया जा रहा है। सेवा सेतु शिविर में नागरिकों को विभिन्न शासकीय

जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। शिविर में 18 विभागों की हितग्राहीमूलक योजनाओं के लगभग 110 हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए गए। इस दौरान कुल 51 लाख 42 हजार की राशि के हितलाभ प्रदान किए गए।

दमोह विधायक जयंत मलैया ने कहा क्षेत्र में ऐसी कई बहनें और परिवार हैं जिन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिला उनको भी लाभान्वित किया जायेगा। उन्होंने सेवा सेतु अभियान के माध्यम से पात्र हितग्राहियों की पहचान कर उन्हें शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने की बात कही। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने कहा केवल हितलाभ देना पर्याप्त नहीं है बल्कि आमजन का विश्वास जीतना भी जरूरी है। उन्हें यह भरोसा होना चाहिए कि शासन-प्रशासन में उनकी बात सुनी जाती है और उनकी समस्या का समाधान किया जाता है।

कलेक्टर ने कहा कई बार शासन की योजनाएं फाइलों तक सीमित रह जाती हैं जबकि उनका वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होता हैए जब योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति तक पहुंचे। ऐसे अभियानों के माध्यम से प्रशासन की संवेदनशीलता और सक्रियता योजनाओं को धरातल तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा किसी एक समस्या का प्रभावी निराकरण भी आमजन के जीवन में बड़ा परिवर्तन ला सकता है। उन्होने कहा नगरपालिका दमोह द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 द्वितीय चरण के अंतर्गत 30 हितग्राहियों को प्रथम किस्त के रूप में 30 लाख की राशि आवंटित की गई तथा हितग्राहियों को प्रमाण-पत्र जारी किए गए।

कार्यकर्ता अवैध शराब पकड़ने के स्थान गौ माता के साथ अत्याचार करने वालों पर नजर रखें

हटा (स्वतंत्र मत)। गौरीशंकर मंदिर परिसर में भगवती मानव कल्याण संगठन द्वारा आयोजित 24 घंटे के दुर्गा चालीसा अखंड पाठ एवं विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का रविवार दोपहर समापन हुआ। कार्यक्रम में संगठन की केंद्रीय अध्यक्ष पूजा दीदी और संगठन के केंद्रीय महासचिव अजय अवस्थी शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने अंधियारा बगीचा में उनकी अगवानी की। रैली के रूप में आयोजन स्थल देव गौरीशंकर मंदिर पहुंचे हजारों की ंचिसर लालपट्टी धारण किये कार्यकर्ताओं ने नशामुक्ति का जयघोष किया। गौरीशंकर मंदिर प्रांगण में पूजा दीदी की जोरदार अगवानी की गई। इस अवसर पर पीताम्बरा पीठ के संस्थापक सदस्य मानवेन्द्र हजारी ने सपत्नीक उनकी अगवानी की। महाआरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर संगठन कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए केंद्रीय अध्यक्ष पूजा दीदी ने गुरुदेव शक्तिपुत्र महाराज के नशामुक्त भारत के संकल्प को पूरा करने का आव्हान किया और साथ नशा मुक्ति के साथ साथ गौ माता के साथ अत्याचार करने वालों पर नजर रखने का भी आव्हान किया। इसके पूर्व नगर में नशामुक्ति का संदेश देती हुई विशाल रैली निकाली गई। रैली में बड़ी संख्या में संगठन के कार्यकर्ता शामिल हुए। रैली गौरीशंकर मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए वापस आयोजन स्थल पहुंची। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने लोगों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज बनाने का संदेश दिया। संगठन के अनुसार संस्थापक गुरुदेव शक्तिपुत्र महाराज के सानिध्य एवं संरक्षण में देशभर में नशामुक्ति अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत धार्मिक आयोजनों के माध्यम से सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया जा रहा है।

गांव में ही मिलेगी बेहतर और नि:शुल्क इलाज की सुविधा : राज्यमंत्री पटेल

आयुर्वेदिक अस्पताल भवन आयुष्मान आरोग्य मंदिर का लोकार्पण

दमोह (स्वतंत्र मत)। ग्राम पिपरौधा में शासकीय आयुर्वेदिक औषधालय आयुष्मान आरोग्य मंदिर भवन का लोकार्पण आनंद विभाग राज्यमंत्री लखन पटेल द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने क्षेत्रीय नागरिकों को इस नई स्वास्थ्य सुविधा की बधाई दीं। इस अवसर पर भगवान धन्वंतरि, मां सरस्वती के पूजन और भवन का फीता काटकर करीब 46 लाख की लागत से बनाया गए अस्पताल भवन क्षेत्रवासियों को समर्पित किया गया। आरोग्य मंदिर के शुरू हो जाने से ग्राम पिपरौधा सकतपुर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को अब अपने गाँव में ही बेहतर इलाज और नि:शुल्क दवाइयों की सुविधा मिलेगी। यहां पूर्व से ही चिकित्सक पदस्थ हैं जो पहले किराए या अस्थाई जगह पर क्लिनिक चला रहे थे लेकिन अब सर्वसुविधायुक्त नए भवन में क्लिनिक और स्वास्थ्य सेवाएं विधिवत प्रारंभ हो जाएंगी। इस आशय के विचार आनंद विभाग के राज्यमंत्री लखन पटेल ग्राम पिपरौधा सकतपुर में 46 लाख की लागत से नव.निर्मित आयुर्वेदिक अस्पताल भवन आयुष्मान आरोग्य मंदिर का लोकार्पण के दौरान व्यक्त किए।

नि:शुल्क आयुर्वेदिक दवाइयों से मिलेगा बड़ा लाभ- राज्यमंत्री श्री पटेल ने निरीक्षण के दौरान अस्पताल में उपलब्ध औषधियों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि अस्पताल में विभिन्न प्रकार के उच्च गुणवत्ता वाले आयुर्वेदिक चूर्ण और दवाइयां नि:शुल्क वितरण के लिए उपलब्ध हैं। जो दवाइयाँ लोग बाजार से 200 से 300 में खरीदते हैंए वे यहाँ आम जनता को मुफ्त प्रदान की जाएंगी। इससे स्थानीय नागरिकों व मरीजों को आर्थिक राहत के साथ-साथ सुलभ स्वास्थ्य लाभ मिलेगा।

जमीन दानदाता मुन्ना दाऊ के प्रति व्यक्त किया आभार

कार्यक्रम के दौरान राज्यमंत्री ने भूमिदाता मुन्ना दाऊ का विशेष रूप से स्मरण करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि गांव में सरकारी जमीन उपलब्ध न होने के कारण निर्माण कार्य रुका हुआ था लेकिन मुन्ना दाऊ ने संवेदनशीलता दिखाते हुए अस्पताल निर्माण हेतु अपनी व्यक्तिगत भूमि दान दी। राज्यमंत्री पटेल ने इस जनहितैषी कार्य के लिए मुन्ना दाऊ और उनके पूरे परिवार की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। इस लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण नागरिक उपस्थित रहे।

गौरव पटेल ने कहा यह अस्पताल देश की पुरातन एवं प्राचीन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति को जीवित रखने और आमजन तक इसका लाभ पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा अस्पताल में लोगों को विभिन्न प्रकार के आसन एवं योग संबंधी गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

शतरंज प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी

आज से 38वीं अखिल भारतीय रेलवे शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड, नई दिल्ली के तत्वावधान में पश्चिम मध्य रेलवे खेलकूद संघ, जबलपुर द्वारा 38वीं अखिल भारतीय रेलवे शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन रेलवे स्टेडियम में 5 से 11 अक्टूबर तक किया जा रहा है। इस अखिल भारतीय प्रतियोगिता में भारतीय रेलवे की समस्त जोनल रेलवे की शतरंज टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुके अनेक प्रतिष्ठित खिलाड़ी भी हिस्सा लेंगे। इन खिलाड़ियों ने देश एवं अपने-अपने प्रदेशों का नाम गौरवान्वित किया है। यह प्रतियोगिता भारतीय रेलवे के उत्कृष्ट शतरंज खिलाड़ियों को एक मंच प्रदान करेगी तथा खेल भावना एवं प्रतिस्पर्धात्मक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

बुजुर्गों के अनुभव समाज की अमूल्य पूंजी

सेवा मेरा योगदान के तहत वृद्धाश्रम में की सेवा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस एवं उनके सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की सेवा, सुशासन और जनकल्याण की यात्रा के उपलक्ष्य में सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम के तहत बाजनामठ समीप स्थित वृद्धाश्रम पहुंचकर बुजुर्गों की सेवा एवं उनके साथ आत्मीय संवाद किया गया। इस दौरान सांसद आशीष दुबे, सुमित्रा बाल्मीकि, जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, कार्यक्रम प्रभारी जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज बिज, प्रदेश प्रवक्ता वाणी अहलूवालिया आदि उपस्थित रहे।

सड़कों पर फैला वाहनों का मकड़जाल, करोड़ों की लागत से बनी मल्टीलेवल पार्किंग पड़ी बेहाल

शहर के अलग-अलग स्थानों पर बनी मल्टीलेवल पार्किंग बनी शो पीस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त बनाने के उद्देश्य से अलग-अलग क्षेत्रों में करोड़ों की लागत से मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण किया गया था। मगर इन मल्टीलेवल पार्किंग के बन जाने के बाद भी हालात जस के तस है। गाड़ियों के चालक इन मल्टीलेवल पार्किंग की जगह अपने वाहनों को सड़क किनारे खड़ा करने में ज्यादा सहूलियत समझ रहे हैं।

ठोस कार्यवाही की दरकार

जानकारी के अनुसार शहर के सिविक सेंटर, भंवरताल और मानस भवन इलाके में कारों को खड़ी करने के लिए मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण किया गया था। मगर इन अत्याधुनिक पार्किंग के बावजूद सड़क पर वाहन खड़े किए जा रहे हैं। इससे एक तरफ यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है, वहीं दूसरी तरफ करोड़ों रुपये की लागत से तैयार पार्किंग के उपयोग पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। हाल ये है कि उक्त तीनों पार्किंग में महज निर्धारित क्षमता की तुलना में आधी मात्रा में ही कारें ही खड़ी की जा रही हैं। वहीं शेष जगह खाली है। फिर भी लोग खाली पार्किंग में कारें खड़ी करने की बजाये सड़क किनारे ही खड़ी कर रहे हैं। जिसके चलते मुख्य सड़कों पर जाम के हालात बन रहे हैं। इधर नगर निगम और पुलिस प्रशासन के अवैध पार्किंग के खिलाफ ठोस कार्यवाही ना करने के चलते दिन प्रतिदिन सड़कों पर कारों का जमावड़ा बढ़ता रहा है। यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए बनाई गई मल्टीलेवल पार्किंग में आस-पास के उन लोगों ने अपनी कारें खड़ी कर रखी है जिनके घरों में या आस-पास कारें खड़ी करने की जगह नहीं है।

किराया बचाने सड़कों पर हो रहा जमावड़ा

बता दें कि मल्टीलेवल पार्किंग का उपयोग वे वानह चालक ज्यादा करते हैं जिनके घरों में कार पार्किंग की व्यवस्था नहीं रहती। या फिर वो जिन्हें कुछ दिनों या महीनों के लिए अपनी गाड़ियां एक सुरक्षित स्थान पर खड़ी करना होती है। मगर मल्टीलेवल पार्किंग का किराया बचाने के चक्कर में ये वाहन चालक अपनी गाड़ियों को मुख्य मार्गों के किनारे खड़ा कर चले जाते हैं। ऐसे में ट्रैफिक जाम की समस्या के साथ साथ दुर्घटनाओं का भी अंदेशा लगा रहता है। बताया जा रहा है कि इन मल्टीलेवल पार्किंग के संचालकों द्वारा एक माह तक कारें खड़ी करने के एवज में एसयूपी कारों का 2 हजार 400 और साधारण कारों का 2 हजार रूपए किराया लिया जाता है। जबकि सामान्य पार्किंग शुल्क चार घंटे का महज 30 रुपये है। जिसको बचाने के चक्कर में वाहन चालक सड़कों के किनारे अपने वाहन खड़ा कर घरों की ओर निकल जाते हैं।

बिना जान पहचान अनजान व्यक्ति की जान बचाता है 'रक्तदान'

स्व. रामचंद्र अग्रवाल 'मजीठा' की स्मृति में वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मानवता और समाज सेवा की अनूठी मिसाल पेश करते हुए स्व. रामचंद्र अग्रवाल 'मजीठा' की स्मृति में अग्रसेन जयंती के अवसर पर रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। रविवार, 4 अक्टूबर को विजय नगर स्थित अग्रसेन कल्याण मंडपम में आयोजित इस शिविर में रक्तदाताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और कुल 52 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। पिछले 15 वर्षों से निरंतर आयोजित हो रहे इस रक्तदान शिविर का आयोजन अग्रवाल नवयुवक मंडल द्वारा किया गया, जबकि इसका प्रायोजन नितिन अग्रवाल मजीठा ने किया। रक्त संग्रहण का कार्य सेठ गोविन्ददास हॉस्पिटल (विक्टोरिया) ब्लड बैंक की कुशल टीम द्वारा संपन्न हुआ।

समाज के काम आए पिता की स्मृति - इस अवसर पर प्रायोजक नितिन अग्रवाल ने भावुक होते हुए कहा कि 15 वर्ष पूर्व उनके पिता की स्मृति में शुरू की गई यह पहल आज एक अटूट सेवा-परंपरा बन चुकी है। हमारे लिए पिता को याद करने का सबसे सुंदर तरीका यह है कि उनकी स्मृति किसी जरूरतमंद को नया जीवन दे सके। रक्तदान एक ऐसा निस्वार्थ कार्य है, जहां दाता बिना पहचान जाने किसी अनजान व्यक्ति की जान बचाता है। शिविर में डॉ. लखन अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल बब्बाजी और घनश्याम अग्रवाल प्रमुख रूप से शामिल हुए। शिविर को सफल बनाने में संयोजक रितेश अग्रवाल, सचिव योगेश अग्रवाल, अमित अग्रवाल, अनूप अग्रवाल, महेंद्र अग्रवाल,रितेश अग्रवाल मंडी, अजय अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, साकेत अग्रवाल, सारिका अग्रवाल, धर्मेन्द्र अग्रवाल, नरेन्द्र अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, नीलेश अग्रवाल, नीरज अग्रवाल और शुभांशु अग्रवाल सहित अग्रवाल नवयुवक मंडल के सभी सदस्यों और स्वयंसेवकों की सराहनीय भूमिका रही।

जय श्रीराम के उद्घोष के साथ निकला मुकुट पूजन चल समारोह

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

श्री गोविंदगंज रामलीला समिति का 162वां श्रीमुकुट पूजन चल समारोह धूमधाम से निकाला गया। इससे पूर्व रामलीला भवन में व्यास पं. वासुदेव शास्त्री के निर्देशन में विद्वान ब्राम्हणों ने श्री मुकुटों का पूजन विधि विधान से हुआ। भगवान श्रीगणेश, राम-सीता, लक्ष्मण-भरत-शत्रुघ्न, अंजनी किशोर हनुमान और माता गौरी के स्वर्णजड़ित मुकुटों की प्राणप्रतिष्ठा कराई गई। शाम को पूर्व महापौर प्रभात साहू ने भी श्री मुकुटों का पूजन किया, और भगवा ध्वज दिखा कर चल समारोह को रवाना किया। मुकुट पूजन जुलूस में अध्यक्ष अनिल तिवारी, संरक्षक राकेश पाठक, अरुण दुबे, राजकुमार गुप्ता सहित मांगू गोयल, मनीष पाठक शहर के गणमान्य नागरिक, सभी पदाधिकारी, पात्र जगत शामिल था। रामलीला जुलूस का जगह-जगह स्वागत किया गया। जुलूस में साधू मंडली, भजन मंडली, बैंड-धमाल आदि माहौल को धर्ममय बना रहे थे। गोविंदगंज रामलीला के भव्य मंच पर आज सोमवार 5 अक्टूबर को रात्रि 9 बजे से श्री नारद मोह की लीला के साथ रामलीला का मंचन अनुष्ठान शुरू हो जायेगा।

14 को होगा कवि सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। प्रसंग अंतरराष्ट्रीय संस्था के तत्वावधान में जबलपुर की आवाज का आयोजन 7 अक्टूबर से 13 अक्टूबर तक होगा जिसमें लोक गायन, गजल गायन, गीत संगीत, एकल काव्य पाठ, वाद विवाद प्रतियोगिताएं होंगी। प्रसंग संस्था के संस्थापक इंजी. विनोद नयन ने बताया कि इन सभी इवेंट में 255 प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं 14 अक्टूबर को विराट कवि सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण होगा जिसके अंतर्गत प्रत्येक विधा के 5 उत्कृष्ट विजेता प्रतिभागियों को जबलपुर की आवाज अवार्ड से अलंकृत किया जाएगा शेष सभी प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया जाएगा। यह संपूर्ण आयोजन बिना उद्घोषक के अनवरत किया जाएगा।

प्रतिदिन चलेगी एलटीटी-दानापुर स्पेशल ट्रेन, जबलपुर में होगा ठहराव

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रेलवे द्वारा आगामी त्योहारों दुर्गा पूजा, दिवाली एवं छठ पूजा के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु एवं उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से विभिन्न गंतव्यों के लिए विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। इसी कड़ी में मध्य रेल से प्रारम्भ/टर्मिनेट होने वाली स्पेशल ट्रेन गाड़ी संख्या 01143/01144 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-दानापुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल से होकर अपने गंतव्य को जाएगी। गाड़ी संख्या 01143 एलटीटी से दानापुर स्पेशल ट्रेन यात्रा मांग पर 09 अक्टूबर से 21 नवम्बर तक (44 ट्रिप) प्रतिदिन लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्टेशन से सुबह 10.30 बजे प्रस्थान कर इटारसी रात 20.50 बजे, पहुंचकर अगले दिन जबलपुर 03.35 बजे, सतना 06.45 बजे पहुंचकर मार्ग से होते हुए रात 21.50 बजे दानापुर स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01144 दानापुर से एलटीटी स्पेशल ट्रेन यात्रा मांग पर 11 अक्टूबर से 23 नवम्बर 2026 तक (44 ट्रिप) प्रतिदिन दानापुर स्टेशन से मध्यरात्रि 00.10 बजे प्रस्थान कर प्रयागराज छिवकी 06.50 बजे, सतना 10.45 बजे, जबलपुर दोपहर 13.20 बजे, इटारसी 17.10 बजे पहुंचकर और दूसरे दिन सुबह 06.50 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्टेशन पहुंचेगी। रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में ठाणे, कल्याण, नासिक रोड, भुसावल, इटारसी, जबलपुर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर एवं आरा स्टेशनों पर रुकेगी।

स्कूलों में जल संकट, मानव अधिकार आयोग ने लिया संज्ञान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सरकारी स्कूलो में बच्चो को जरूरी सुविधाये दिये जाने की घोषणा कागजी साबित हो रही है और जिम्मेदारो की लापरवाही के कारण शहर के कई स्कूलो में जल संकट बना हुआ है। सुभाष नगर के शासकीय प्राथमिक माध्यमिक विद्यालय मे 2 सौ बच्चे पढ़ते है। यहां की बोरिंग कई माह से खराब होने का मामला सामने आया है। करमेता स्थित शासकीय माध्यमिक स्कूल में 350 बच्चे पढ़ते है। स्कूल से 2 सौ फिट दूरी पर पानी की टंकी है, किन्तु आज तक स्कूल में नल का कनेक्शन नही किया गया। भरतीपुर स्थित पेशकारी में शासकीय स्कूल के साथ आंगनबाड़ी केन्द्र संचालित है, जहां 70 बच्चे पढ़ते हैं। यहां भी जल संकट बना हुआ है और बच्चों को पीने का पानी नहीं मिल पा रहा है, साथ ही मध्यान्ह भोजन बनाने में और बर्तन धोने में भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मप्र मानव अधिकार आयोग के क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा ने बताया कि मीडिया रिपोर्ट के आधार पर जनहित में मामले में संज्ञान लेकर मप्र मानव अधिकार आयोग की मुख्य पीठ भोपाल में प्रकरण पर सुनवाई करते हुये, अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह की एकलपीठ ने प्रथम दृष्टया मानव अधिकारों के हनन का मामला मानकर, जबलपुर के नगर निगम आयुक्त से मामले की जांच कराकर, की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन दो सप्ताह में तलब किया है।

पंच कुंडीय यज्ञ का समापन, सम्मानित हुई विभूतियां

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। महर्षि दयानंद सरस्वती आर्य समाज भवन के मार्गदर्शन में स्वामी श्रद्धानंद सरस्वती सर्व कल्याण सेवा समिति रांझी के तत्वावधान में पांचवां वृहद पांच कुंडीय यज्ञ-अनुष्ठान श्रीराम खेल परिसर में पूरी भव्यता और विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। आर्य समाज के इस वैदिक आयोजनों और वेद प्रचार की शृंखला में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उत्साहपूर्वक उपस्थित हुए। यज्ञ के दौरान वैदिक ऋचाओं का सस्वर पाठ बाल ब्रह्मचारीगणों द्वारा किया गया। वहीं, धर्माचार्य पुरोहित धीरेंद्र पाण्डेय ने पांचों वेदियों पर विराजमान यजमानों से यज्ञ की सभी रीतियों और आहुतियों को पूरी निष्ठा के साथ विधि विधान पूर्वक संपन्न कराया। स्वामी श्रद्धानंद सरस्वती सर्व कल्याण सेवा समिति रांझी के पदाधिकारियों की ओर से केंट क्षेत्र के विधायक अशोक ईश्वर दास रोहाणी एवं चंद्रशेखर आजाद वार्ड के पार्षद दामोदर सोनी द्वारा रांझी थाना प्रभारी उमेश कुमार गोल्हानी को सम्मान पत्र भेंट कर उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया।

छात्रवृत्ति योजना चयन परीक्षा में 5621 विद्यार्थियों ने की सहभागिता

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जला परियोजना समन्वयक योगेश शर्मा जिला शिक्षा केंद्र ने बताया कि शासन के निर्देश अनुसार 5 अक्टूबर को राष्ट्रीय मेरिट कम मींस छात्रवृत्ति योजना चयन परीक्षा जिले के 20 परीक्षा केन्द्रों में शांतिपूर्वक संपन्न हुई। चयन परीक्षा हेतु शासकीय एवं अनुदान प्राप्त विद्यालयों के कक्षा आठ में पढ़ने वाले कुल 6022 आवेदन किया था जिसमें से चयन परीक्षा में कुल 5621 अर्थात् 93.3 प्रतिशत विद्यार्थियों ने सहभागिता की। ओएमआर शीट पर आधारित यह चयन परीक्षा भारत सरकार की प्रतिभाशाली छात्रों के लिए है इसमें चयनित विद्यार्थियों को कक्षा नवमी से बारहवीं तक छात्रवृत्ति के रूप में 1000 रुपये प्रतिमाह अर्थात 12000 रुपये प्रतिवर्ष प्राप्त होते हैं। इसके लिए विद्यार्थी कक्षा दसवीं में 60 प्रतिशत अंक लाना एवं नवमी से बारहवीं तक प्रथम प्रयास में ही उत्तीर्ण होना आवश्यक है। परीक्षा के सफलतापूर्वक आयोजन में जिले के समस्त विकासखंडो के बीईओं, बीआरसी, प्राचार्यों, शिक्षकों का योगदान रहा।

सैम सीनियर सिटीजन के कार्यक्रम में सम्मानित होंगी प्रतिभाएं

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सैम सीनियर सिटीजन क्लब द्वारा 5 अक्टूबर सोमवार को शाम 4 बजे साउथ एवेन्यू मॉल में विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में नगर की उभरती हुई विलक्षण बाल प्रतिभा सात वर्षीय नायरा दुबे अपनी सुरीली आवाज और मनमोहक गायन प्रस्तुति से उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध करेंगी। बेबी नायरा दुबे इससे पूर्व भी विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी गायन प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुकी हैं। कार्यक्रम में स्वच्छता अभियान की ब्रांड एंबेसडर श्रेया खंडेलवाल को उनके सामाजिक योगदान एवं कार्यों के लिए सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के सेक्रेटरी असीम त्रिवेदी एवं शबनम मसीह (ऑल इंडिया रेडियो) उपस्थित रहेंगे।

एमपी ट्रांसको के सुरक्षा कर्मियों की सजगता से टली बड़ी दुर्घटना

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के नर्मदापुरम जिले के सिवनी मालवा स्थित 132 केवी सबस्टेशन में रात्रि कालीन निरीक्षण के दौरान 40 एमवीए क्षमता के पावर ट्रांसफार्मर में उत्पन्न हुई असामान्यता का समय रहते पता चल गया। इससे संभावित बुशिंग फेल्योर, उपकरण क्षति, दुर्घटना तथा विद्युत आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका को टालते हुए एक बड़े आर्थिक नुकसान से बचाव किया जा सका। एमपी ट्रांसको के सबस्टेशनों में सामान्यत: ऑपरेटरों एवं सुरक्षा कर्मियों द्वारा निर्धारित अंतराल पर यार्ड का निरीक्षण करने की कार्य संस्कृति है जिसमें उपकरणों की स्थिति का अवलोकन किया जाता है। पिछले दिनों रात्रिकालीन निरीक्षण के दौरान आउटसोर्स सुरक्षा कर्मी आदर्श लावंशी ने 132 केवी सिवनी मालवा सब स्टेशन के 40 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर से असामान्य आवाज आते हुए सुनी। उन्होंने तत्काल ड्यूटी पर तैनात आउटसोर्स ऑपरेटर श्यामसुंदर गौर एवं नितिन कुमार गौर को इसकी जानकारी दी। तीनों कर्मियों ने स्थिति का सूक्ष्म निरीक्षण किया तथा मामले की गंभीरता को समझते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल सूचना दी। सूचना मिलते ही सहायक अभियंता बीपी. द्विवेदी तथा कार्यपालन अभियंता (परीक्षण) लक्ष्मण आर्य ने अतिरिक्त मुख्य अभियंता राजेश शांडिल्य के मार्गदर्शन में लोड डिस्पैच सेंटर से समन्वय स्थापित कर संबंधित पावर ट्रांसफार्मर का आपातकालीन शटडाउन कराया। इसके बाद परीक्षण एवं तकनीकी जांच की गई, जिसमें संबंधित बुशिंग के पैरामीटर असामान्य पाए गए। जांच के आधार पर बुशिंग को बदलने की कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है।

आयुष्मान योजना की सेवाएं रहेंगी ठप्प, बहिष्कार करेंगे 4 शहरों के निजी अस्पताल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र में आयुष्मान योजना के करोड़ों हितग्राहियों के लिए चिंता की खबर है। प्रदेश के चार महानगर जबलपुर, इंदौर, भोपाल, और ग्वालियर में आयुष्मान योजना से जुड़े निजी अस्पतालों के लिए एनएबीएच सर्टिफिकेशन अनिवार्य किए जाने का विरोध शुरू हो गया है। मप्र नर्सिंग होम्स एसोसिएशन ने ऐलान किया है कि 8 अक्टूबर से निजी अस्पताल आयुष्मान योजना के तहत मरीजों का इलाज नहीं करेंगे। जरूरत पड़ने पर अस्पताल बंद करने की भी चेतावनी दी गई है। बता दें कि राज्य सरकार ने एक अक्टूबर से इन चारों शहरों में आयुष्मान योजना के तहत इलाज के लिए अस्पतालों का एनएबीएच सर्टिफाइड होना अनिवार्य किया है।

बाकी जिलों को छूट देने पर उठाए सवाल

इस दौरान एसोसिएशन ने सिर्फ 4 महानगरों में एनएबीएच सर्टिफिकेशन अनिवार्य किए जाने और बाकी जिलों में छूट देने पर सवाल उठाए हैं। उसका कहना है कि छोटे अस्पतालों के लिए एनएबीएच सर्टिफिकेशन पर लाखों रुपए खर्च करना मुश्किल होगा। साथ ही अस्पतालों ने आयुष्मान योजना के तहत इलाज के बाद पिछले पांच-छह महीने से लंबित भुगतान जारी करने की मांग की है। आईएमए के प्रदेशाध्यक्ष अमरेंद्र पांडे ने कहा कि एनएबीएच सर्टिफिकेशन अपने आप में एक स्वैच्छिक व्यवस्था है, जिसे निजी अस्पतालों के लिए अनिवार्य कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि 8 अक्टूबर से आयुष्मान योजना के तहत इलाज का बहिष्कार किया जाएगा और सांकेतिक हड़ताल पर जाने पर भी विचार किया जा रहा है।

महीनों से लंबित पड़ा योजना का भुगतान

अमरेंद्र पांडे के मुताबिक, कई अस्पतालों को पिछले 5-6 महीने से आयुष्मान योजना का भुगतान नहीं मिला है। उनका दावा है कि जबलपुर में करीब 70 से 80 करोड़ और पूरे प्रदेश में लगभग 1100 करोड़ रुपए की राशि लंबित है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह अनुमानित आंकड़ा है, जबकि सटीक राशि सरकार ही बता सकती है। अस्पताल संचालकों ने सरकार को 8 अक्टूबर तक का अल्टीमेटम देते हुए एनएबीएच की अनिवार्यता हटाने की मांग की है। साथ ही गुणवत्ता जांच के लिए राज्य स्तर पर अलग व्यवस्था बनाने का सुझाव दिया है। अमरेंद्र पांडे ने बताया कि विरोध के बावजूद इमरजेंसी सेवाएं बंद नहीं की जाएंगी। अस्पताल संचालक मरीजों को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहते, लेकिन सरकार के फैसले के खिलाफ वैधानिक तरीके से विरोध जारी रखेंगे।

South Avenue Mall | moviemagic | RUBY moviemagic

RUBY - NATIONAL AWARD WINNER MULTIPLEX

DRISHYAM THE CONCLUSION (HINDI)	9:30 AM, 10:30 AM, 12:30 PM, 1:30 PM, 3:30 PM, 4:30 PM, 6:30 PM, 7:30 PM, 9:30 PM & 10:30 PM; RUBY 11:00 AM, 1:30 PM, 4:15 PM, 6:15 PM, RUBY 7:00 PM, 9:00 PM, 9:45 PM
THE VVAAN (HINDI)	10:10 AM, 1:00 PM & 10:00 PM
VERITY (ENG) (A-18+)	RUBY 1:45 PM & 4:00 PM
HANUMAN ANSH (HINDI)	4:00 PM & 7:00 PM
PREM KEETANU (HINDI)	RUBY 11:00 AM

@moviemagic_jbp — MOVIE MAGIC 5 BIG SCREENS — Book tickets & F&B on Movie Magic App at ZERO PLATFORM FEE

Bulk Booking / Advertising 9425807507 | Movie Magic, South Avenue Mall, Narmada Road 9425807508

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-smatjbp1@ gmail.com, फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**